दैनिक

भारत देश हमारा

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी   www.Bharatdeshhamara..com   DAILY BHARAT DESH HAMARA PATIALA

रजि. नं. पीबी/पीटीए (0273)/2021-23 आरएनआई नं. 42376/85 वर्ष 38 अंक 244 पटियाला रविवार 4 सितम्बर , 2022 मूल्य दो रुपए कुल पृष्ठ: 8 फोन : 0175-5061948, 5061951 फैक्स : 0175-2373155 E-mail:- bdhpatiala@gmail.com

अगले चार दिन भारी बारिश की संभावना जतायी

नई दिल्ली 3 सितम्बर (निस) देश के कई इलाकों में बारिश हो रही है और इसके बरकरार रहने की संभावना बनी हुई है। भारतीय मौसम विभाग ने बताया है कि देश में मानसून के सक्रिय रहने से अगले 4 दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों और मध्य भारत में बारिश होने की संभावना है।

कोरोना के सात हजार नए केस

नई दिल्ली 3 सितम्बर (निस) भारत में एक दिन में कोविड-19 के 7,219 नए मामले आने से देश में संक्रमण के मामलों की संख्या बढ़कर 4,44,49,726 हो गई है, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 56,745 रह गई है।शनिवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार 24 घंटे में संक्रमण से 33 मरीजों की मौत हो गयी।

जनता के मुद्दों को लेकर केन्द्र असवेदनशील, कांग्रेस की हल्ला बोल रैली आज होगी

रैली को राहुल संबोधित करेंगे, भारी गिनती में पार्टी वर्कर दिल्ली पहुंचे

नयी दिल्ली 3 सितम्बर (निस) महंगाई के खिलाफ कांग्रेस से लगातार मोदी सरकार को घेरने की कोशिश कर रही है। इसी कड़ी में 4 सितंबर को कांग्रेस महंगाई के खिलाफ दिल्ली में एक हल्ला बोल रैली करने वाली है। बताया जा रहा है कि इस रैली को राहुल गांधी को संबोधित करेंगे। हल्ला बोल रैली के लिए कांग्रेस लगातार तैयारी भी कर रही है। कांग्रेस के कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे लगे हैं। इन सब के बीच एक बार फिर से कांग्रेस में मोदी सरकार पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। कांग्रेस का आरोप है कि मोदी सरकार महंगाई और बेरोजगारी जैसे जनता के मुद्दों को लेकर असंवेदनशील है। इसके साथ ही कांग्रेस ने यह भी दावा किया है कि वह जनता के मुद्दों को उठाती रहेगी, क्योंकि वह विपक्ष में है और उसकी अपनी भूमिका है। कांग्रेस के हल्ला बोल रैली से पहले आज नई दिल्ली में पार्टी महासचिव जयराम रमेश, केसी वेणुगोपाल और अजय माकन ने एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। तीनों नेताओं ने सरकार पर अपने उद्योगपति मित्रों को फायदा पहुंचाने का भी आरोप लगाया। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि हम महंगाई के खिलाफ विशाल रैली के लिए तैयार हैं, लाखों लोग रैली में शामिल होंगे। 2021 के बाद शुरू हुआ यह आंदोलन, हम गर्व से कह सकते हैं कि हम देश में महंगाई के खिलाफ लड़ने वाली पार्टी हैं। कांग्रेस नेता अजय माकन ने कहा कि पार्टी और राहुल गांधी, संसद और सड़क पर महंगाई के खिलाफ और जनता के हितों की लड़ाई लड़ रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि देश के अंदर महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है, लेकिन सरकार असंवेदनशील बनी हुई है। अजय माकन ने आगे कहा कि आप अगर मोदी सरकार के पिछले 8 साल के कार्यकाल को देखें तो क्या किसी प्रकार का कोई टैक्स कम हुआ है? लेकिन एक टैक्स जरूर कम हुआ है- कॉरपोरेट टैक्स, जो पीएम मोदी के पूंजीपति मित्रों को देना पड़ता है। उन्होंने कहा कि जब पीएम मोदी ने अपने मित्रों के लिए कॉरपोरेट टैक्स आधा कर दिया तो उसकी भरपाई के लिए खाद्य पदार्थों पर तस्ज्ञ बढ़ा दी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज कोई भी ऐसी चीज नहीं है जिसकी कीमतें आसमान न छू रही हो। इस सरकार में अमीर को और अमीर व गरीब को और गरीब बनाने का काम चल रहा है।

अशोक गहलोत बोले-मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को यहां कहा कि सरकार राज्य में धार्मिक मेलों के सफल एवं सुरक्षित आयोजन के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है और इसके लिए धर्म-गुरुओं और सामाजिक संस्थानों के साथ समन्वय कर कार्य किया जा रहा है। गहलोत मुख्यमंत्री निवास पर धार्मिक स्थलों पर मेलों तथा अन्य आयोजनों में सुरक्षा एवं प्रबंध के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा

कि धार्मिक स्थलों एवं तीर्थ स्थानों के विकास के लिए पेयजल, शौचालय, पार्किंग, सड़क मार्गों, आधारभूत संरचनाओं का विकास सहित सभी मांगों पर सरकार द्वारा विचार किया जाएगा तथा इसके लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

धीरे-धीरे लुप्त हो रही कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी -अमित शाह

तिरुवनंतपुरम 3 सितम्बर (निस) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को तिरुवनंतपुरम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एससी सम्मेलन को संबोधित करते हुए ग्रैंड ओल्ड पार्टी कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि देशभर से कांग्रेस धीरे-धीरे लुप्त हो रही है। इसके साथ ही उन्होंने नौसेना के नए निशान का भी जिक्र किया।केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मैं केरल के तमाम भाजपा के कार्यकर्ताओं से कहना आया हूं कि वह दिन दूर नहीं है जब केरल में भी कमल के निशान का झंडा फहरने वाला है। पूरे देशभर से कांग्रेस धीरे-धीरे जनमानस से लुप्त हो रही है और पूरी दुनिया से कम्युनिस्ट पार्टी लुप्त हो रही है। केरल में महज मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा का राजनीतिक भविष्य है। हमारे कार्यकर्ताओं को इस बात को मन में स्थान देकर पुरुषार्थ करने की जरूरत है।इसी बीच उन्होंने आईएनएस विक्रांत का जिक्र किया और कहा कि नौसेना को गुलामी की सभी निशानियों को पीछे छोड़कर अपनी वैभवशाली (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत जोड़ो यात्रा पर भाजपा का तंज, कहा-गांधी परिवार बचाओ आंदोलन

नई दिल्ली 3 सितम्बर (निस) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तर प्रदेश के दिवंगत कांग्रेस नेता चंद्र भानु गुप्ता की जीवनी का हवाला देते हुए शनिवार को नेशनल हेराल्ड मामले में गांधी परिवार पर नए सिरे से हमला किया। भाजपा ने कांग्रेस की प्रस्तावित '' भारत जोड़ो यात्रा पर तंज कसते हुए इसे ''गांधी परिवार बचाओ आंदोलन करार दिया। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए गुप्ता की जीवनी का हवाला दिया। पात्रा ने कहा कि कांग्रेस के दिवंगत नेता ने भी नेशनल हेराल्ड अखबार के वित्तपोषण और उसके उद्देश्य पर सवाल उठाया था। पात्रा ने

कहा, ''कांग्रेस के प्रमुख नेता और उत्तर प्रदेश के मुक्ख्यमंत्री रहे चंद्र भानु गुप्ता ने अपनी जीवनी लिखी है जो हाल में प्रकाशित हुई है। उन्होंने अपनी किताब में अखबार के वित्तपोषण को लेकर कई सवाल उठाए हैं...उन्होंने लिखा कि इंदिरा गांधी और (जवाहरलाल) नेहरू का महिमांडन इस अखबार का मुख्य उद्देश्य था। भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया कि किताब में गुप्ता ने साफ तौर पर लिखा है कि नेशनल हेराल्ड कांग्रेस के लिए नहीं था बल्कि सिर्फ एक परिवार के महिमामंडन के लिए था। पात्रा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को विरासत में भ्रष्टाचार मिला। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, '' उन्होंने (गुप्ता ने) संकेत दिया है कि अगर उस समय नेशनल हेराल्ड के वित्तपोषण की जांच होती तो बड़ा खुलासा होता। उन्होंने दावा किया कि जांच एजेंसी अब नेशनल हेराल्ड मामले की जांच कर रही है और कांग्रेस ने विनाशकारी रुख अपना लिया है। पात्रा ने कहा, ''कांग्रेस ने जांच एजेंसियों पर दबाव बनाने की कोशिश की और अब पार्टी में अफरा-तफरी है।

देश के तकनीकी क्षेत्र में आईआईटी का योगदान महत्वपूर्ण -राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

नई दिल्ली 3 सितम्बर (निस) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आईआईटी दिल्ली के हीरक जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश की आजादी के 75 सालों की यात्रा में तकनीक के क्षेत्र में आईआईटी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। राष्ट्रपति ने शैक्षणिक संस्थानों को भविष्य के लिए तैयार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत टैलेंट से भरा पड़ा है, जिसका पूरी तरह से प्रयोग करना बाकी है।राष्ट्रपति ने आईआईटी के 60 साल पूरे करने पर सभी पूर्व और वर्तमान छात्रों,शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आईआईटी ने दुनिया को दिखा दिया कि शिक्षा और तकनीक के क्षेत्र में भारत भी समार्थ्य रखता है। आईआईटियन हर क्षेत्र में लीड कर रहे हैं, चाहे वो पत्रकारिता हो, तकनीकी क्षेत्र, शिक्षा, इंडस्ट्री, उद्यमिता, सिविल सोसायटी, साहित्य,एक्टिविज्म हो या राजनीति।

पांच सितंबर को दिल्ली में सोनिया सहित कई नेताओं को मिलेंगे नीतिश

पटना 3 सितम्बर (निस)

महागठबंधन की साथ सरकार बनने के बाद पहली बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिल्ली दौरा पर जा रहे हैं। सूत्रों की हवाले खबर मिली है कि 5 सितंबर यानि सोमवार को नीतीश कुमार दिल्ली जाएंगे। 6 सितंबर को सभी विपक्षी नेताओं के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद 7 सितंबर को नीतीश कुमार सोनिया गांधी से मुलाकत करेंगे। बता दें कि इस दौरान नीतीश कुमार 2024 में पीएम मोदी को घेरने के लिए रणनीति बना सकते हैं। दरअसल, नीतीश कुमार के इस दौरे को काफी मायनों में खास माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि नीतीश कुमार देश में विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश करने वाले हैं। जदयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने भी कहा है कि नीतीश कुमार जल्द ही देशभर की विपक्षी पार्टियों को एक साथ लाने के लिए देशव्यापी अभियान पर निकलने वाले हैं। बिहार में जदयू के वर्कर आजकल नीतिश कुमार को भावी पीएम बताकर हवा का रुख बदलने के लिए अभियान चला रहे हैं।

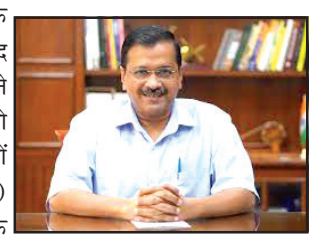

केजरीवाल ने भाजपा वर्करों से पार्टी में रहकर आप के पक्ष में काम करने की अपील की

सूरत 3 सितम्बर (निस)गुजरात दौरे पर गए दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं को अपने पक्ष में करने के लिए खास अपील की। केजरीवाल ने शनिवार को गुजरात में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं से सत्तारूढ़ दल में ही रहते हुए आम आदमी पार्टी (आप) के लिए काम करने की अपील की। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने गुजरात के अपने दो दिवसीय दौरे के अंतिम दिन शनिवार को राजकोट में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को भाजपा से 'भुगतान% लेते रहना चाहिए लेकिन 'अंदर से ही% उन्हें %आप% के लिए काम करना चाहिए। केजरीवाल ने कहा कि राज्य में उनकी पार्टी के सत्ता में आने पर भाजपा कार्यकर्ताओं को भी आम लोगों को दी गई सभी

''गारंटियों%% का लाभ मिलेगा।

आप के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि हम भाजपा नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल नहीं करना चाहते। भाजपा अपने नेताओं को रख सकती है। भाजपा के %पन्ना प्रमुख%, गांवों, बूथों और तालुकाओं के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में हमारे साथ जुड़ रहे हैं। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि इतने वर्षों के बाद भी भाजपा ने उनकी सेवा के बदले उन्हें क्या दिया?%केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और उनके परिवार के सदस्यों को मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और मुफ्त बिजली जैसी सुविधाओं की पेशकश नहीं की, लेकिन आम आदमी पार्टी उनके कल्याण की परवाह करेगी। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता अपनी पार्टी में ही रह सकते हैं लेकिन वे आम आदमी पार्टी के लिए काम कर सकते हैं।

गौरव यादव बने रहेंगे पंजाब के डीजीपी, भावरा होंगे पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन के चेयरमैन

चंडीगढ़ 3 सितम्बर (निस) डीजीपी वीरेश कुमार भावरा जो पिछले दो महीनों से अवकाश पर हैं को पंजाब सरकार ने पंजाब पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन में चेयरमैन के पद पर लगा दिया है। 1987 बैच के वीरेश कुमार भावरा पंजाब पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन के चेयरमैन होंगे। यह पद इस समय शरत सत्या चौहान के पास था। चौहान अब केवल कार्पोरेशन में एमडी के तौर पर काम करेंगे। इस संबंधी गृह विभाग ने आज आदेश

जारी कर दिए हैं। बता दें, जिस तरह से पंजाब सरकार ने उनके छुट्टी से लौटने के एक दिन पहले ही पंजाब पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन में चेयरमैन के रूप में आदेश जारी कर दिए हैं उससे साफ जाहिर है कि डीजीपी भावरा और पंजाब सरकार के बीच कुछ सहमति हुई है, क्योंकि नियमों के मुताबिक डीजीपी को दो साल से पहले नहीं हटाया जा सकता।भावरा पर दबाव बढ़ाने के लिए गृह विभाग ने उन्हें नोटिस भी जारी किया था।

उत्तर प्रदेश के बाद पंजाब में डीजीपी को उनके दो साल के कार्यकाल से पहले ही हटाने का यह दूसरा मामला है।

सुधीर ने कबूला गुनाहः सोनाली का मर्डर एक साजिश के तहत हुआ

नई दिल्ली 3 सितम्बर (निस) भाजपा नेता और टिकटॉक स्टार सोनाली फोगाट हत्या मामले एक बड़ा खुलासा हुआ है। दरअसल, सोनाली फोगाट हत्या मामले में शामिलआरोपी सुधीर सांगवान ने सोनाली फोगाट मौत में साजिश की बात को कुबूल कर लिया है। गोवा पुलिस के सूत्रों का दावा है कि सुधीर सांगवान ने

पूछताछ में सोनाली फोगट को गुड़गांव से गोवा लाने की साजिश कबूल की है और जबकि गोवा में किसी शूटिंग की कोई योजना नहीं थी, गोवा लाना केवल एक साजिश के तहत प्लान था। वहीं इस बीच सीएम प्रमोद सावंत ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को इस मामले में जल्द से जल्द चार्जशीट दाखिल करने का निर्देश दिया है।

अल्पसंख्यकों की स्थिति को लेकर अमरेन्द्र सिंह ने पीएम को लिखा पत्र

चंडीगढ़ 3 सितम्बर (निस) पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने राज्य स्तर पर अल्पसंख्यक स्थिति का विरोध किया है। उन्होंने लिखा है कि सुप्रीम कोर्ट पंजाब में सिख अल्पसंख्यक संस्थाओं के मामले को प्राथमिकता के आधार पर ले रहा है। याचिकाकर्ता का मुख्य तर्क यह है कि पंजाब में सिख अल्पसंख्यक नहीं हैं और इसलिए इन संस्थानों को अल्पसंख्यक

का दर्जा नहीं दिया जा सकता। किसी समुदाय की अल्पसंख्यक स्थिति राज्य स्तर पर तय की जा रही है, न कि राष्ट्रीय स्तर पर। वर्तमान में विभिन्न समुदायों की अल्पसंख्यक स्थिति राष्ट्रीय स्तर पर तय की जाती है और यही सही है। अगर यह राज्य स्तर पर किया गया तो गंभीर सामाजिक, राजनीतिक मसले खड़े हो सकते हैं। राज्यों के पास सटीक डाटा नहीं हो सकता और उनके पास उपलब्ध डाटा की अलग-अलग व्याख्या भी हो सकती है। इस डाटा उपयोग के लिए अलग-अलग समय सीमा लागू करने वाले (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

असम के सीएम का केजरीवाल को जवाब- हम चुपचाप काम करना पसन्द करते हैं

गुवाहाटी 3 सितम्बर (निस) असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को फिर से टैग करते हुए ट्विटर पर शिक्षा क्षेत्र में विशेषकर चाय बागानों के लोगों के लिए अपनी सरकार की पहलों को सूचीबद्ध किया। शर्मा ने एक वीडियो क्लिप साझा करते हुए कहा कि जब तक मजबूर नहीं किया जाता, हम चुपचाप काम करना पसंद करते हैं! उन्होंने कहा कि इस शैक्षणिक वर्ष में हमने चाय बागान श्रमिकों के बच्चों के लिए 100 माध्यमिक विद्यालय स्थापित किए हैं, 100 और पर काम चल रहा है। चाय बागान असम के सुदूर हिस्सों में स्थित हैं। वीडियो में दावा किया गया है कि असम में एक मजबूत स्कूल शिक्षा प्रणाली है, जिसमें 44,521 सरकारी स्कूलों में दो लाख से अधिक (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मूसेवाला हत्याकांडः चार जेलों में रची गयी थी साजिश

खतरनाक अपराधियों के लिए जेलें आश्रयस्थल बनीं

बठिंडा 3 सितम्बर (निस) पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला के हत्याकांड मामले में एक और बड़ा खुलासा हुआ है। सिद्धू मूसेवाला के कत्ल को अंजाम देने के लिए दिल्ली से पंजाब तक 4 जेलों में साजिश रची गई थी। यह खुलासा मानसा की अदालत में पुलिस द्वारा दायर की गई चार्जशीट में हुआ है। 29 मई को सिद्धू मूसेवाला का कत्ल होने पर इस हत्याकांड में शामिल 5 आरोपी पंजाब और दिल्ली की विभिन्न जेलों में सजा काट रहे थे। 26 अगस्त को दायर की गई चार्जशीट के अनुसार मुख्य साजिशकर्ता लॉरेंस बिश्नोई और जग्गू भगवानपुरिया दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। इसके अलावा गैंगस्टर मनप्रीत मन्ना फिरोजपुर जेल, सारज संधू बठिंडा जेल और मनमोहन सिंह मोहना मानसा जेल में थे। इन पांचों को जांच के लिए ट्रांजिट वारंटों पर पूछताछ के लिए लाया गया था। सूत्रों का कहना है कि आरोपियों ने वाट्सप या सिग्नल एप द्वारा एक दूसरे से संपर्क किया। इस केस में पहले गैंगस्टर पवन नेहरा का नाम भी सामने आया था। पवन फिरोजपुर जेल में बंद था लेकिन बाद में वह बेकसूर साबित हुआ। सूत्रों के अनुसार खतरनाक अपराधियों के लिए जेलें एक आश्रय साबित हो रही हैं। यहां मोबाइलों सहित कई ऐतराजयोग्य चीजें आसानी से

मिल जाती हैं। इससे अपराधी जेलों में बैठ कर ही फिरौती के लिए फोन करने और डर पैदा करने और अपने गुर्गों द्वारा फिरौती वसूलने की घटनाओं को अंजाम देते हैं।

सबसे पहले 31 मई को तलवंडी साबो निवासी मनप्रीत मन्ना को गिरफ्तार किया गया था। वह फिरोजपुर जेल में बंद था। मन्ना पर गैंगस्टर मनप्रीत भाऊ के लिए कोरोला गाड़ी मुहैया करवाने के आरोप लगे हैं। संधू को भी 31 मई को बठिंडा जेल में गिरफ्तार किया गया था। मन्नू और सारज फिरोजपुर जेल में उसे मिले थे। इसके बाद सारज को बठिंडा जेल में भेज दिया गया। यहां उसने कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई और कैनेडा के गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के संपर्क में आया। उसका भी शूटरों के लिए गाड़ी मुहैया करवाने में अहम रोल था।

नशे ने एक ही परिवार के 2 बेटों की ली जान

तरनतारन 3 सितम्बर (निस) पंजाब में नशे ने लोगों के घर उजाड़ दिए हैं। जानकारी के अनुसार तरनतारन के एक किसान परिवार में 2 भाइयों की नशे की ओवरडोज से मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।मृतकों की पहचान अंग्रेज सिंह(23) और गुरमेल सिंह (21) के तौर पर हुई है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार तरनतारन के हलका खडूर साहिब के गांव धुन ढाए वाला के किसान मुख्तयार सिंह के दोनों बेटे मुंदरा शहर में काम करते थे। दोनों ही नशे के आदी हो चुके हैं। किसान के बड़े बेटे अंग्रेज की मौत वीरवार को नशे की ओवरडोज से हुई थी। उसका भोग पड़ने से पहले ही छोटे भाई गुरमेल की नशे के कारण मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

चंडीगढ़ में जेपी नड्डा द्वारा कई अहम मुद्दों पर चर्चा, मनसा देवी मंदिर भी गए

चंडीगढ़ 3 सितम्बर (निस) भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा आज चंडीगढ़ में हैं। जेपी नड्डा दोपहर करीब 3 बजे सेक्टर-33 स्थित भाजपा कार्यालय कमलम में पहुंचे। यहां उन्होंने शाम 5.30 बजे शक्ति केंद्र प्रमुख सम्मेलन में भाग लिया। बता दें कि नड्डा विभिन्न जिलों में होने वाले शक्ति केंद्र प्रमुख सम्मेलनों में भाग ले रहे हैं। जेपी नड्डा बीते कल शुक्रवार शाम को पंचकूला पहुंचे थे। आज सुबह वह माता मनसा देवी मंदिर भी गए थे, जहां उन्होंने माता के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने पंचकूला में भाजपा और जजपा नेताओं के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री मनोहर लाल भी बैठक में

मौजूद हैं। उनके अलावा प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े, प्रदेश अध्यक्ष ओपी धनखड़, गृहमंत्री अनिल विज, शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुज्जर, कृषि मंत्री जेपी दलाल, प्रदेश महामंत्री व विधायक मोहन लाल बड़ौली व प्रदेश महासचिव वेदपाल एडवोकेट शामिल हुए। जजपा की तरफ से उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, जजपा के प्रधान महासचिव दिग्विजय चौटाला, प्रदेश अध्यक्ष निशांत सिंह, केसी बांगड़, राष्ट्रीय सचिव (संगठन) राजेन्द्र लितानी, कार्यालय सचिव रणधीर सिंह बैठक में मौजूद रहे। पंचकूला में बैठक के बाद जेपी नड्डा चंडीगढ़ पहुंचे। इस संबंध में चंडीगढ़ भाजपा प्रवक्ता कैलाश चंद जैन बताया कि पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्?डा दोपहर बाद भाजपा कार्यालय कमलम पहुंचे। कमलम में नेताओं और कार्यकर्ताओं की तरफ से उनका स्वागत किया। इसके बाद शाम 5.50 बजे शक्ति केंद्र प्रमुख सम्मेनल में वह बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। पार्टी और गतिविधियों से जुड़ी जानकारी और सुझाव सुनेंगे। इन्हें लेकर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत देश हमारा

(2) पटियाला रविवार 4 सितम्बर 2022

भ्रष्टाचारियों और रिश्वतखोरों का ब्रह्मास्त्र बना मानहानि कानून ?

पिछले कुछ वर्षों में भ्रष्टाचारियों और रिश्वतखोरों के लिए मानहानि कानून, ब्रह्मास्त्र की तरह उन्हें सुरक्षित बना रहा है। विशेष रूप से राजनेताओं को मानहानि कानून का जो कवच मिला है। उससे वह पूरी तरह सुरक्षित हो गए हैं। मानहानि के प्रकरण दायर कर अथवा मानहानि का नोटिस भेजकर अपने खिलाफ उठ रही आवाजों को बंद कराने मैं मानहानि कानून बड़ा सहायक हो गया है। जिस राजनीतिक दल और संगठन के देशभर में कार्यकर्ता और समर्थक हैं। उनके लिए तो यह कानून अपने विरोधियों को चुप कराने के लिए सबसे महत्वपूर्ण शस्त्र बन गया है। करोड़ों रुपए का मानहानि का प्रकरण दायर कर दो। न्यायालय में इसके लिए कोई फीस नहीं लगती है। न्यायालय में जिसके खिलाफ प्रकरण दर्ज होता है। उसे उपस्थित होकर सबसे पहले जमानत करानी पड़ती है। उसके बाद हर पेशी में उपस्थित रहना, उसकी बाध्यता होती है। हर माह पेशियां पड़ती हैं। राजनेताओं, अभिनेताओं, बड़े बड़े अधिकारी के भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के खिलाफ बोलना, अब सबसे बड़ा अपराध हो गया है। हर कोई अपनी सफाई देने के स्थान पर मानहानि का नोटिस भेजकर अपने आरोपों को दबाने का काम करता है। उल्टे उसे धमकाना शुरू कर देता है। न्यायालय से जमानत पर आरोपी को अपराधी और मुलजिमो की तरह पेश किया जाता है। पिछले वर्षों में एक ही आरोप पर देश के कई राज्यों की कई न्यायालयों में मानहानि का मुकदमा दर्ज हो जाता है। जिस व्यक्ति के खिलाफ मानहानि का मुकदमा होता है। न्यायालय में जो पेशी पड़ती है, उसमें उपस्थित हो पाना उसके लिए संभव ही नहीं होता है। जिसके कारण गिरफ्तारी वारंट निकलते हैं। अपनी बात बोलने की इतनी बड़ी सजा आरोप लगाने वालों को मिल जाती है। जिससे वह मामले का फैसला आने का इंतजार भी नहीं कर पाते हैं। प्रताड़ित होकर माफी मांगने के लिए विवश हो जाते हैं। सत्तारूढ़ दल के राजनेताओं और भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ तथ्यों के होते हुए भी इस कानून के कारण अब आम आदमी बोलने से डरने लगा है। जिसके कारण भ्रष्टाचार अथवा रिश्वतखोरी के काम में बिना किसी भय के और भ्रष्टाचार करते हैं। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी के बीच में तुम डाल-डाल, हम पात - पात की तर्ज पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल पड़ा है। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना के खिलाफ नोटबंदी के दौरान 1400 करोड़ रुपए बदलने का आरोप लगाया है। आम आदमी पार्टी के नेता ईडी और सीबीआई से जॉच कराने की मांग कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर शराब घोटाले का आरोप लगाया है। जिसकी सीबीआई जांच कर रही है। हाल ही में उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मानहानि का मुकदमा दायर करने की बात कही है। उन्होंने आरोपों के संबंध में कोई सफाई नहीं दी है। केन्द्र सरकार ने आम आदमी पार्टी की मांग अनसुनी कर दी है। वहीं आम आदमी पार्टी ने सीबीआई से जॉच करने की मांग को लेकर सीबीआई मुख्यालय पर धरना दे दिया। मानहानि का मुकदमा दायर करने के पश्चात जिसके खिलाफ मुकदमा दायर हुआ है। उसे हर पेसी में न्यायालय में उपस्थित होना अनिवार्य होता है। एक भी पेशी में उपस्थित नहीं होने पर उसके खिलाफ वारंट निकल जाता है। एक ही व्यक्ति के खिलाफ एक ही मामले में कई स्थानों पर मानहानि के मुकदमे दायर हो जाते हैं। वकील की नियुक्ति करनी पड़ती है। सैकड़ों और हजारों किलोमीटर की यात्रा करके न्यायालय में उपस्थित होना पड़ता है। कई मामलों में संगठन के कार्यकर्ता मानहानि की पेशी में शामिल होने वाले व्यक्ति के खिलाफ प्रदर्शन करते हैं, धमकी देते हैं। ऐसी स्थिति में अब आम आदमी अथवा कोई भी व्यक्ति भ्रष्टाचार एवं रिश्वतखोरी के खिलाफ अपनी बात कहने से डरता है। कई मामलों में न्यायालयों ने सरकारी कार्यालयों में उपलब्ध रिकॉर्ड को आरोपी को बचाब में पेश करने के लिए अनुमति नहीं दी। जिसके कारण उसे अपनी बात प्रमाणित करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मानहानि कानून अब भ्रष्टाचारियों और रिश्वतखोरी के लिए सुरक्षा कवच बन के सामने आया है। आरोप प्रमाणित हो भी जाए तो आरोपी के खिलाफ मुकदमा खारिज हो जाता है। आरोपी के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होती है।

पोषण प्रति जागरुकता जरुरी....

(गतांक से आगे)करना चाहिए। अगर भारतीयों की बात करें तो भारत सरकार के सवेज़ भी यही कहते हैं कि प्रति व्यक्ति पोषण उसकी उम्र के अनुसार होने चाहिए। 2012 के सवेज़ में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए अलग-अलग पोषण के मानक दिए गए हैं। आप भी किसी आहार विशेषज्ञ से सलाह लेकर शरीर की जरूरत के हिसाब से पोषक तत्व ले सकते हैं। **पोषण प्रतिदिन की जरूरत**

प्रोटीन 64 ग्राम
तरल पदार्थ (पानी, दूध और अन्य पेय पदार्थ)2.5 से 3 लीटर
फाइबर 30 ग्राम विटामिन् 900 माइक्रोग्राम
कैल्शियम 1000 मिलीग्राम
आयोडीन 150 माइक्रोग्राम
आयरन 8 मिलीग्राम
पोटैशियम 3800 मिलीग्राम
सोडियम 460-920 मिलीग्राम
जिंक 14 मिलीग्राम

कुपोषण से बचाव के लिए वर्तमान में मंहगाई होने से संतुलित आहार मिलना कठिन हैं पर थोड़ी सी जागरूकता से हम इससे बच सकते हैं .मात्र चना ,मूंगफली और सोयाबीन को समान मात्रा में मिलाकर , बर्फी बनाकर हम दिन में दो बार खाकर न केवल शाकाहार के माध्यम से संतुलित आहार ले सकते हैं .आमजन में कुपोषण की समस्या केवल स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं पर उनके खर्च न कर सकने की क्षमता का परिणाम भर नहीं है, बल्कि यह देश के वास्तविक आर्थिक पिछड़ेपन एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के असमान वितरण का द्योतक है। यदि इस संबंध में अभी कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया तो इसका परिणाम देश की भावी पीढ़ी को भुगतना होगा।

राज्यों में कार्यकर्ताओं की गतिविधियों से जनता को राहत

भारत की अब उम्मीद जुड़ी है आशाकर्मियों से

- सोनम लववंशी

आशा यानि उम्मीद और ये उम्मीद ही है, जिसकी बदौलत हम बहुत कुछ बदल सकते है। अगर उम्मीद है, तो कुछ भी हासिल करना सम्भव है। ऐसा ही कुछ हमारे देश में आशा कार्यकर्ताएं कर रही हैं। उनके कंधे पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है जिसे वो बखूबी निभाती भी हैं। इसकी एक बानगी हमें कोरोना काल में देखने को मिली। जब लोगों के भीतर भय का माहौल था, लोग अपनों से ही डर रहे थे कि कहीं जान सांसत में न फंस जाए। तब ये आशा कार्यकर्ताएं अपनी जान की परवाह न करते हुए लोगों की जान बचाने में लगी हुई थी। देखा जाए तो वर्तमान में हमारे देश में दस लाख आशा कार्यकर्ताए हैं। जो दिन-रात मेहनत कर लोगों के घर-घर तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुँचा रहीं हैं। इनमें से कुछ लाइम-लाइट में अपने काम की वजह से आ जाती हैं तो कुछ गुमनामी में भी अपना काम करती रहती हैं। इसी बीच मध्यप्रदेश के रीवा ज़िले की एक आशा कार्यकर्ता रंजना द्विवेदी काफी सुर्ख़ियों में हैं। उनके सुर्ख़ियों में बने होने का एक सबसे बड़ा कारण उनका समर्पण और अपने कर्तव्य के प्रति वफ़ादारी है। जिसकी बदौलत वो देश-दुनिया में नाम कमा रही हैं और बीते दिनों उनसे अमिताभ बच्चन ने भी चचाज़ की। ऐसे में आज हम आशा कायज़्कताओज़ं के बारे में और उनके कायज़ में आने वाली अड़चनों की बात करते। जो सामाजिक और आर्थिक दोनों प्रकार की होती है। आज हम भले इक्कीसवीं सदी में जी रहें हैं। जहां चीजें काफ़ी आसान हो गई हैं, लेकिन आशा कायज़्कताओज़ं का पेशा अनगिनत दुश्वारियों से होकर आगे बढ़ता है। आशाकर्मी को उचित मेहनताना नहीं मिलता, नर्सों की तरह सम्मान नहीं मिलता। इसके अलावा भी कई अड़चनों से होकर गुजरना पड़ता है। इन सबके बावजूद भी आशाकर्मी कभी आस नहीं छोड़ती और अपने काम में तलीनता के साथ लगी रहती है। रीवा जिले की रंजना के जीवन में आने वाली ही अड़चनों को देख लीजिए। वो रीवा जिले के तरई अंचल के कोनी रुपाली गांव से आती हैं। उन्होंने कोरोना काल जैसी महामारी के बीच हर दिन 7 किलोमीटर न सिर्फ पैदल चलना सुनिश्चित किया, बल्कि नदी पार कर एक छोटे से पहाड़ी गांव गुरगुदा जाती थी। ये गांव तीन तरफ़ से पहाड़ों से घिरा हुआ है, और इस गांव में पहुँचने के लिए नदी तक पार करनी पड़ती है। उन्होंने न केवल इस कठिन सफ़र को तय किया बल्कि ग्रामीण जनता को भी जागरूक करने के लिए कड़ी मेहनत की। उनकी ज़ुबानी में कहें तो एक समय ऐसा भी आया। जब ग्रामीणों ने आशा कायज़्कताज़ की बात को अनसुना कर दिया। साथ ही टीकाकरण का भी जमकर विरोध किया लेकिन आशा कार्यकर्ता की हिम्मत और लगन की बदौलत आज गांव में 100 प्रतिशत टीकाकरण हो चुका है। रंजना ने अपने बेटे के साथ मिलकर ग्रामीणों

को जागरूक करने के लिए पोस्टर तक बनाएं। ताकि पोस्टर के जरिए लोगों को समझाया जा सकें और आखिरकार उनकी यह मेहनत रंग लाई। यह आशाकर्मी रंजना द्विवेदी की अपने काम के प्रति निष्ठा ही है। जिसकी बदौलत उनका चयन विश्व के सवज़्श्रेष्ठ 19 महिलाओं में हुआ और वुमन-19 में उन्हें सबसे प्रभावशाली महिलाओं में तीसरा स्थान मिला। यह उपलब्धि उनके लिए और विशेषकर आशाकर्मियों के लिए बहुत मायने रखती है, क्योंकि रंजना न तो कोई सेलिब्रेटी हैं और ना ही उनका कॉरपोरेट जगत से कोई नाता। लेकिन उन्होंने फ़िर भी अपनी लगन और जज़्बे के दम पर जो मुकाम हासिल किया वह काबिलेतारीफहै। किसी ने सच ही कहा है कि इंसान चाहें तो अपनी मेहनत और क़िस्मत से क्या कुछ नहीं हासिल कर सकता। कोरोना काल में रंजना द्वारा किए गए साहसिक कायज़् के लिए अमेरिकी संस्था एनपीआर ने उन्हें न केवल अपने सवेज़ में शामिल किया। बल्कि 19 प्रभावशाली महिलाओं में तीसरा स्थान भी दिया। एक कहावत है कि लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती। कुछ ऐसी ही मिसाल रंजना द्विवेदी ने भी पेश की है। वह 7 किलोमीटर के पैदल सफ़र में न ही डकैतों से डरी न ही जंगली जानवरों का भय सताया। यहां तक कि गांव पहुंचने के लिए नदी तक को पार किया। तमाम चुनौतियों के बाद भी रंजना का समाज सेवा के प्रति जज़्बा कम नहीं हुआ। उनके इस जज़्बे को आज पूरी दुनिया सलाम कर रही है। वैसे यह कोई पहला सुखद वाकया नहीं। जब किसी आशा कायज़्कताज़ के साहसिक कायज़् की सराहना की जा रही हो। इससे पहले भी ओडिशा की एक महिला आशा कार्यकर्ता मतिल्दा कुल्लू ने फ़ोर्ब्स मैगजीन की शोभा अपने काम के प्रति समपज़्ण से बढ़ाई थी। बता दें कि 45 वर्षीय मतिल्दा कुल्लू आदिवासी बाहुल्य सुंदरगढ़ जिले के गरगड़बहल गांव की रहने वाली हैं और वह बीते 15 सालों से अधिक समय से एक सरकारी स्वास्थ्य कायज़्कताज़ यानी आशा के रूप में काम कर रही हैं। आशा कार्यकर्ता का ज़िक्र होते ही हमारे मन में कई सवाल आते है। आशा कार्यकर्ताओं की दयनीय स्थिति किसी से छिपी नहीं है। स्वास्थ्य और जागरूकता के क्षेत्र में इससे जुड़ी महिलाएं समाज की एक बड़ी जिम्मेदारी उठाती हैं, लेकिन न उन्हें उनके काम के एवज़ में वेतनमान मिल पाता और न ही सरकारी सुविधाएं। जो हमारे देश का एक सबसे बड़ा दुभाज़्य है। मालूम हो कि जब सालों पहले मतिल्दा ने एक आशा कार्यकर्ता के रूप में अपना काम करना शुरू किया था। उस दरमियान उनके गांव का कोई व्यक्ति अस्पताल नहीं जाता था। इतना ही नहीं अंधविश्वास में विश्वास तो जैसे हमारे देश का जन्मसिद्ध अधिकार है और इससे आज भी हमारा समाज पीछा नहीं छुड़ा पाया है। आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में जब भी कोई व्यक्ति बीमार होता है तो वह इलाज़ के लिए डॉक्टर के पास न जाकर काला जादू या फ़िर अंधविश्वासों का सहारा लेता है। यहां तक कि कोरोना काल और कोरोना वैक्सिनेशन को लेकर हमारे देश में भ्रांतियां और अंधविश्वास देखने को मिला। उसे भला कौन भूल सकता है? किस तरह आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में कोरोना वैक्सीन लगाने गए डॉक्टरों को डंडों से पीट कर भगाया गया था, यह जगजाहिर है। ऐसे में मतिल्दा कुल्लू लगातार अपने आसपास के ग्रामीणों को शिक्षित करने में लगी रही। उनकी मेहनत वषोज़ं बीत जाने के बाद रंग लाई और अब ग्रामीण बीमार पड़ने पर मतिल्दा के पास आते हैं। इतना ही नहीं उनसे सलाह-मशविरा भी लेते है। गौरतलब हो कि कोरोना महामारी के दौरान जब दुनिया कराह रही थी। तब भी रंजना द्विवेदी और मतिल्दा कुल्लू जैसी महिलाओं ने अपने-अपने क्षेत्र में बेहतरीन काम किया और अपने इलाके में टीकाकरण के काम में जी-जान से मेहनत की। कोरोना महामारी के दौर में रंजना द्विवेदी पैदल सफ़र तय कर ग्रामीणों को जागरूक कर रही थी तो वहीं मतिल्दा ने भी प्रतिदिन 50-60 घरों में जा कर कोरोनो महामारी में लोगों को जागरूक किया और लोगों के टेस्ट करती रही। मात्र 4500 रुपए कमाने वाली मतिल्दा कुल्लू ने अपना जीवन बारागाँव तहसील के 964 लोगों की देखभाल के लिए समपिज़्त कर दिया है और मतिल्दा इन लोगों के लिए कोरोना वॉरियर्स बनकर उभरी। मतिल्दा का कहना है कि उन्हें अपने काम पर गर्व है क्योंकि इससे वह लोगों की जान बचा पाती हैं। मतिल्दा ने आगे कहा कि, शुरुआती सफ़र काफ़ी संघर्षपूर्ण रहा क्योंकि बीमार होने पर यहाँ के लोग अस्पताल नहीं जाते थे। इसके अलावा जब मैं उनसे अस्पताल से इलाज कराने के लिए कहती थी तो वो मेरा मजाक उड़ाते थे। लेकिन धीरे-धीरे समय बीतता गया और लोगों ने मेरी बातों को एकाग्रता से लेना शुरु किया और अब गाँव वाले अपनी सेहत के लिए जागरुक हो गए हैं। हर छोटी-छोटी बीमारी का इलाज कराने वे अस्पताल पहुँचते हैं। वहीं बात करें तो मतिल्दा के आसपास ज्यादातर आदिवासी रहते हैं और मतिल्दा (क्रमश:)

अर्थव्यवस्था की तेज गति से मंदी की संभावना अब नहीं

देश की रक्षा एजेंसियों, विशेष रूप से डीआरडीओ (डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन), द्वारा भारत को रक्षा उपकरणों के निर्यातक देशों की श्रेणी में ऊपर लाने की लगातार कोशिश की जा रही हैं एवं अब इसके सुखद परिणाम भी दिखाई देने लगे हैं। अभी हाल ही में एक अमेरिकी बहुराष्ट्रीय निवेश प्रबंधन एवं वित्तीय सेवा कम्पनी मोर्गन स्टेनली के अर्थशास्त्रियों ने एक प्रतिवेदन जारी कर कहा है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत एशिया में सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था बन कर उभरने जा रहा है। इनके अनुमान के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7 प्रतिशत से अधिक की विकास दर हासिल कर लेगी जो विश्व में सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक होगी एवं भारत का एशियाई एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास दर में क्रमश: 28 प्रतिशत एवं 22 प्रतिशत का योगदान रहने जा रहा है। भारत में सुदृढ़ आर्थिक मांग उत्पन्न होने की प्रबल सम्भावनाएं मौजूद हैं। साथ ही, आर्थिक सुधार कार्यक्रम भी तेजी से लागू किये जा रहे हैं। देश में पर्याप्त मात्रा में युवा श्रम शक्ति मौजूद है एवं व्यापार में लगातार निवेश बढ़ रहा है। अभी हाल ही में ब्लूम्बर्ग द्वारा संपन्न किए गए एक सर्वे के अनुसार कोविड महामारी एवं रूस यूक्रेन युद्ध के बीच भारत में मंदी की शून्य सम्भावना है जबकि कई विकसित एवं विकासशील देश भी मंदी की परेशानी से जूझ रहे हैं। यह भारत के लिए एक अच्छी खबर कही जा सकती है। दरअसल भारत ने पिछले 8 वर्ष के दौरान आर्थिक क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण फ़ैसले लिए हैं जिनका प्रभाव अब भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। जो क्षेत्र अभी तक लगभग पूर्णत: आयात पर निर्भर थे, उन क्षेत्रों से भी निर्यात अब बहुत तेज गति पकड़ रहा है। जैसे कि खिलोना उद्योग, सुरक्षा उपकरण निर्माण उद्योग, फार्मा उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, ऑटो उद्योग आदि आदि। भारतीय खिलौना उद्योग से पूरी दुनिया भर को निर्यात किया जा रहा है और

अब भारतीय खिलौना बाजार भारत को रक्षा उपकरणों के वैश्विक आकार लेता दिखाई दे रहा निर्यातक देशों की श्रेणी में ऊपर है। उद्योग मंडल फिक्की और लाने की लगातार कोशिश की जा केपीएमजी की रिपोर्ट के अनुसार, रही हैं एवं अब इसके सुखद भारतीय खिलौना बाजार वर्ष परिणाम भी दिखाई देने लगे हैं। 2024-25 तक बढ़कर 200 करोड़ भारत जल्द ही दुनिया के कई देशों अमेरिकी डॉलर का हो जाने का यथा फिलीपींस, वियतनाम एवं अनुमान है। आंकड़ों के अनुसार, इंडोनेशिया आदि को ब्रह्मोस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पिछले 3 वर्षों मिसाइल भी निर्यात करने की तैयारी में भारत से खिलौना निर्यात में 61 कर रहा है। कुछ अन्य देशों जैसे प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात है। पहले भारत घरेलू स्तर पर तैयार एवं दक्षिण अफ्रीका आदि ने भी खिलौनों का सिर्फ लगभग 400 भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने करोड़ रुपए का निर्यात करता था, में अपनी रुचि दिखाई है। ध्वनि लेकिन अब ये आंकड़ा 2600 करोड़ की रफ्तार से तीन गुना तेज, माक रुपये को पार कर गया है।देश की 3 की गति से चलने वाली और रक्षा एजेंसियों, विशेष रूप से 290 किलोमीटर की रेंज वाली डीआरडीओ (डिफेंस रिसर्च एंड ब्रह्मोस मिसाइलें भारत-रूस सैन्य डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन), द्वारा सहयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। जमीन, आकाश और समुद्र स्थित किसी भी लांच उपकरण से छोड़े जा सकने वाले ब्रह्मोस की खूबी यह है कि यह अपनी तरह का अकेला क्रूज मिसाइल है। आज भारत से 84 से अधिक देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात किया जा रहा है। इस सूची में कतर, लेबनान, इराक, इक्वाडोर और जापान जैसे देश भी शामिल हैं जिन्हें भारत द्वारा बॉडी प्रोटेक्टिंग उपकरण, आदि निर्यात किए जा रहे हैं। 1970 के दशक में अस्तित्व में आया भारत का सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग आज देश और दुनिया में नित नये आयाम स्थापित कर रहा है। इंडस्ट्री बॉडी नेस्कॉम की 2022 की एक रिपोर्ट के अनुसार इस वर्ष आईटी सेक्टर में 15.5 प्रतिशत की विकास दर दृष्टिगोचर होने की पूरी सम्भावना है। आज आईटी सेक्टर में करीब 50 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला हुआ है। जिसमें लगभग 18 लाख महिलाएं शामिल हैं और आईटी सेक्टर का आकार 200 अरब डॉलर से भी अधिक का है। भारत का आईटी सेक्टर जिस तरह से आगे बढ़ रहा है, वो दिन दूर नहीं जब दुनिया की सबसे बड़ी आईटी कंपनियों में बस भारत की ही कंपनियों का नाम शुमार होगा।

सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग की तर्ज़ पर ही भारत का इलेक्ट्रॉनिक वाहन बाजार भी बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। इंडिया एनर्जी स्टोरेज एलायंस (आईईएसए) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2021 से वर्ष 2030 के बीच भारत का इलेक्ट्रिक वाहन बाजार 49 प्रतिशत की दर से प्रगति करेगा, इतना ही नहीं इन वाहनों की वार्षिक बिक्री भी 1.7 करोड़ यूनिट तक होने की सम्भावना है। भारत में लिथियम आयन बैटरी की मांग वर्ष 2030 तक सालाना स्तर पर 41 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक दर से बढ़कर 142 गीगा वाट तक पहुंच सकती है। घरेलू बाजार में इलेक्ट्रोनिक वाहनों का 50 प्रतिशत हिस्सा दोपहिया वाहनों की बिक्री का लगभग 4.67 लाख यूनिट के रूप में है। भारत में वर्ष 2021 में ई-रिक्शा की मांग के कारण लेड एसिड बैटरी का हिस्सा 81 प्रतिशत का रहा है।

उक्त वर्णित क्षेत्रों के अलावा अन्य कई क्षेत्रों में भी भारत से निर्यात में लगातार प्रभावशाली वृद्धि दर हासिल की जा रही है, क्योंकि भारत के उत्पादों की

चीनी मुसलमानों की हालत दयनीय, चीन अब कटघरे में

-डॉ. वेदप्रताप वैदिक

संयुक्तराष्ट्र संघ की मानव अधिकार परिषद ने चीन को कठघरे में खड़ा कर दिया है। उसकी ताजा रपट में उसने बताया है कि चीन के शिन च्यांग (सिंक्यांग) प्रांत के लगभग दस लाख उइगरों को यातना शिविरों में बंद करके रखा हुआ है। ये उइगर मुसलमान हैं। ये दिखने में भी चीनियों से अलग दिखते हैं। उनका सिंक्यांग प्रांत हमारे लद्दाख से लगा हुआ है। सैकड़ों सालों से पैदल रास्ते चीन जानेवाले और वहां से आनेवाले व्यापारी, विद्वान, यात्रीगण इसी रास्ते से आया जाया करते थे। उइगरों का यह क्षेत्र सदियों से चीनी वर्चस्व के बाहर रहा है। कम्युनिस्ट शासन की स्थापना होने के पहले इस उइगर-क्षेत्र में आजादी का आंदोलन चलता रहा है लेकिन

जब से चीन में कम्युनिस्ट शासन स्थापित हुआ है, उइगर मुसलमानों को बड़ी बेरहमी से दबाया गया है। कुछ उइगर नेताओं और व्यापारियों को अपना हथियार बनाकर चीनी सरकार उन पर निरंतर जुल्म करती रहती है। संयुक्तराष्ट्र संघ की लंबी रपट में ठोस तथ्य और तर्क देकर बताया गया है कि चीन के ये मुसलमान गुलामी की जिंदगी जी रहे हैं। उनकी जनसंख्या न बढ़े, इसलिए उनकी जबरन सामूहिक नसबंदी कर दी जाती है। उनकी मस्जिदों पर ताले ठोक दिए जाते हैं। वहां मदरसे नहीं चलने दिए जाते हैं। इस्लामी देशों के प्रचारकों को वहां घुसने भी नहीं दिया जाता है। उनकी वेशभूषा और नाम भी बदलने की कोशिश बराबर जारी रहती है। उइगर बच्चों के स्कूलों में चीनी भाषा अनिवार्य रूप से पढ़ाई जाती है। शिंनच्यांग प्रांत में कम्युनिस्ट पार्टी का शिंकजा इतना कड़ा है कि जो उइगर मुसलमान उसके पदाधिकारी हैं, वे चीनियों की नकल भर बने रहते हैं। सिंक्यांग प्रांत की राजधानी उरुमची और अन्य शहरों व गांवों में मुझे घूमने-फिरने और आम आदमियों से खुलकर बात करने का मौका मिला है। कई उइगरों से पेइचिंग और शांघाई में भी मेरा खुलकर संवाद हुआ है। वे अपने आप को चीनी कहने में ही संकोच करते हैं। सिंक्यांग में मैंने जैसी गरीबी देखी, वैसी दुनिया के बहुत कम देशों में देखी है। वहां की कई महिलाओं ने शिकायत की कि चीनी लोग उनके साथ काफी बुरा बर्ताव करते हैं। राजधानी उरुमची में

पाकिस्तानी छात्रों की भरमार रहती है। चीनी सरकार उन्हें लगभग मुफ्त में मेडिकल की शिक्षा देती है लेकिन उसे यह डर भी लगा रहता है कि इन इस्लामी पाकिस्तानियों के जरिए अफगानिस्तान और मध्य एशियाई मुस्लिम राष्ट्रों के आतंकवादी कहीं सिंक्यांग में अपना अड्डा न बना लें। ये उइगर लोग भारत और पाकिस्तान को बहुत प्यार करते हैं लेकिन देखिए उनकी बदक़िस्मती कि इन दोनों देशों के नेता उइगरों के मुद्दे पर मौन धारण किए रहते हैं। अमेरिका और पश्चिमी राष्ट्र जब मुंह खोलते हैं, चीन उन पर निहित स्वार्थ और दुश्मनी का आरोप लगाता है। चीनी सरकार ने संयुक्तराष्ट्र की इस ताजा रपट को भी यही कहकर रद्द कर दिया है।

पद्म पुरस्कारों के लिए 15 सितंबर तक करें आवेदन

कैथल, 3 सितम्बर (संदीप भुकल) : उपायुक्त डॉ. संगीता तेतरवाल ने बताया कि गणतंत्र दिवस 2023 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन नामांकन 1 मई 2022 से शुरू हो चुके हैं और नामांकन की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2022 है। नामांकन अथवा अनुशंसा केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल अवाड्स डॉट जीओवी डॉट इन पर ही ऑनलाइन स्वीकार की जाएंगी।

उपायुक्त डॉ. संगीता तेतरवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि पद्म पुरस्कार, अर्थात् पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री, देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से हैं। वर्ष 1954 में स्थापित इन पुरस्कारों की घोषणा हर वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। यह पुरस्कार कला, साहित्य और शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग, सार्वजनिक कार्य, नागरिक सेवाओं, व्यापार और उद्योग जैसे सभी क्षेत्रों / विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों / सेवाओं के लिए उत्कृष्ट-कार्य को मान्यता प्रदान करने के लिए प्रदान किए जाते हैं। जाति, व्यवसाय, पद या लैंगिक भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं।

डॉक्टरों और वैज्ञानिकों को छोड़कर सार्वजनिक उपक्रमों में काम करने वाले सरकारी कर्मचारी पद्म पुरस्कार के लिए पात्र नहीं हैं।

डीसी ने बताया कि इस संबंध में और अधिक विवरण गृह मंत्रालय की वेबसाइट एमएचए डॉट जीओवी डॉट इन और पद्म पुरस्कार पोर्टल पदमाअवाड्स डॉट जीओवी डॉट इन 'पुरस्कार और पदक' शीर्षक के अंतर्गत उपलब्ध हैं। इन पुरस्कारों से संबंधित कानून और नियम वेबसाइट पर पदमाअवाड्स डॉट जीओवी डॉट इन / अबाउट अवाड्स डॉट एएसपीएक्स लिंक के माध्यम से उपलब्ध है।

दो दिवसीय कल्चरल फैस्टिवल हुआ सम्पन्न

शाहाबाद मारकंडा, 3 सितम्बर (रूबी प्रजापति) : खंड शिक्षा कार्यालय के प्रांगण में आयोजित दो दिवसीय खंड स्तरीय कल्चरल फैस्टिवल का समापन हो गया। यह जानकारी देते हुए बी.ई.ओ. हरदीप कौर एवं नोडल अधिकारी व प्राचार्य डा. एस.एस.आहुजा ने बताया कि कल्चरल फैस्टिवल में दो वर्गों में प्रतिभागियों ने भाग लिया। अंतिम दिन स्किट प्ले एवं सोलो डांस में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करते हुए जिला नोडल अधिकारी एवं राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय खैरी के प्राचार्य दया सिंह स्वामी ने कहा कि विभाग द्वारा चलाए गए। इस कार्यक्रम से विद्यार्थियों में छुपी हुई प्रतिभा बाहर निकलकर आ रही है। उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पहले इस तरह के कार्यक्रम केवल कॉलेज स्तर पर होते थे, परंतु अब स्कूल स्तर पर इन कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। नोडल अधिकारी व प्राचार्य डा. एस.एस.आहुजा ने बताया कि प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे। स्किट प्रतियोगिता में रा. व. मा. विद्यालय हरिपुर ने प्रथम, रा. व. मा. विद्यालय ठोल ने द्वितीय, रा. व. मा. विद्यालय शरीफगढ़ ने तृतीय तथा रा. व. मा. विद्यालय चढूनी जाटान ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। 6-8 वर्ग सोलो फॉल्क डांस में रा.व.मा.विद्यालय संभालखी ने प्रथम, राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय इस्माईलाबाद ने द्वितीय तथा रा.व.मा.विद्यालय खरींडवा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 9-12 रागिनी में राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय इस्माईलाबाद ने प्रथम तथा राजकीय हाई स्कूल अजरावर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

बी.ई.ओ. हरदीप कौर ने मुख्यातिथि को स्मृति चिंह देकर सम्मानित किया। निर्णायक मंडल की भूमिका बृज शर्मा एवं भावना ने निभाई। इस अवसर पर ए.बी.आर.सी. ऋषिपाल, प्रताप सिंह, विष्णु, जितेंद्र नारंग आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री आज क्षेत्रवासियों को देंगे करोड़ों रूपए की परियोजनाओं की सौगात

कैथल, 3 सितम्बर (संदीप भुकल) : डीसी डॉ. संगीता तेतरवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल रविवार को वर्चुअल माध्यम से जिला को 89 करोड़ 73 लाख 12 हजार रुपये की परियोजनाओं की सौगात देंगे। जिला 13 परियोजनाओं का उद्घाटन व 3 की आधारशिला रखी जाएगी। जिला स्तर पर लघु सचिवालय के सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में राज्यमंत्री कमलेश ढांडा, विधायक लीला राम, ईश्वर सिंह व रणधीर गोलन शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल 4 करोड़ 31 लाख 99 हजार से अलेवा माईनर के विकास कार्य, सिरसा ब्रांच पर वीआर ब्रिज पर तीन बुर्जियों पर 12 करोड़ 12 लाख 47 हजार से हुए कार्य का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार लघु सचिवालय में 2 करोड़ 91 लाख से निर्मित ई-दिशा केंद्र भवन, 18 करोड़ 15 लाख रुपये से अम्बाला रोड के फोर लेनिंग कार्य, 17 करोड़ 77 लाख 58 हजार से निर्मित कलायत के लघु सचिवालय, 3 करोड़ 60 लाख 44 हजार से बने कलायत के लघु सचिवालय में अधिकारियों के आवास, पट्टी चौधरी कैथल में 3 करोड़ 40 लाख 21 हजार रुपये से निर्मित कवर शैड कार्यालय परिसर और किसान विश्राम गृह भवन विस्तार, एक करोड़ 82 लाख 66 हजार से निर्मित खेड़ी लांबा से सजूमा मार्ग, पूंडरी के सीएचसी में 3 करोड़ 64 लाख रुपये से निर्मित आवासीय भवन तथा क्योड़क के कोटि कोटेश्वर तीर्थ पर 5 करोड़ 24 लाख 34 हजार से हुए विकास कार्यों तथा सीवन में 4 करोड़ 22 लाख 30 हजार से बनी मिट्टी जांच प्रयोगशाला का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रोहेड़ा माईनर पर 6 करोड़ 7 लाख 81 हजार से होने वाले, 2 करोड़ 10 लाख 55 हजार से पिंजुपुरा से मटौर तक बनने वाले मार्ग तथा राजौंद के संस्कृति सीनियर सैकेंडरी स्कूल में 4 करोड़ 32 लाख 77 हजार से बनने वाले अतिरिक्त क्लास रूम का शिलान्यास करेंगे।

शहीद पवन कुमार सैणी की 23वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देकर किया नमन

नारायणगढ़, 3 सितम्बर (देवेन्द्र शर्मा) : उपमंडल नारायणगढ़ के गांव बरसुमाजरा में शहीद पवन कुमार सैणी पैट्रोल पम्प पर कारगिल शहीद पवन कुमार सैणी की 23 वीं पुण्यतिथि पर गणमान्य लोगों, परिवारजनों व ग्रामीणों ने उन्हें श्रद्धाजंली देकर याद किया। यहां पर शहीद पवन कुमार सैणी के परिवार से सरदारी देवी (माता शहीद पवन कुमार सैणी), कृष्ण कुमार (भाई शहीद पवन कुमार सैणी), जसविन्द्र जोनी (भतीजा शहीद पवन कुमार सैणी), सौरव (भतीजा शहीद पवन कुमार सैणी), सुरिन्द्र सैणी (भाई पवन कुमार सैणी) मौजूद थे। गणमान्य व्यक्तियों में भाजपा नेता चन्दन सैणी, नम्बरदार सुरेश पाल, निवर्तमान जिला परिषद चेयरमैन सुरेन्द्र राणा, जजपा के हल्का अध्यक्ष हरबिलास सिंह रज्जुमाजरा, पूर्व खण्ड़ शिक्षा अधिकारी नारायणगढ जसमेर सैणी, उप चैयरमैन को-ओपरेटिव सोसाईटी नारायणगढ जयसिंह सैणी, सुखदेव सिंह नन्हेडा, सैणी सभा के प्रधान मास्टर केहर सिंह, सरपंच ज्ञानचन्द सैणी, नम्बरदार सुरजीत सिंह, संदीप सैणी अम्बली, श्रीचन्द सैणी, दिलबाग सिंह, राजकुमार सैणी, वेदप्रकाश, प्रवीन कुमार, बलदेव सिंह आदि मौजूद थे। इस मौके पर शहीद पवन कुमार सैणी की याद में हवन यज्ञ का आयोजन किया गया।

यहां पर गणमान्य व्यक्तियों, परिवारजनों व ग्रामीणों ने शहीद पवन कुमार सैणी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। गणमान्य व्यक्तियों ने यहां बोलते हुए शहीद पवन कुमार सैणी जी के जीवन पर प्रकाश डाला।

विजय बंसल ने अंतर राष्ट्रीय गोल्ड मेडल विजेता रक्षा गोस्वामी को शिवालिक गौरव से किया सम्मानित

पिंजौर, 3 सितम्बर (अख्तर फ़ारूक़ी, अजीत सिंह) : रामपुर सियुडी निवासी और अंतर राष्ट्रीय ओपन ताइक्कांडो टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल विजेता रक्षा गोस्वामी को शिवालिक विकास मंच के प्रधान विजय बंसल एडवोकेट, दीपांशु बंसल एडवोकेट, सदरू खान, अजय बब्बल आदि ने शिवालिक गौरव से सम्मानित किया। विजय बंसल ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि पिंजौर की एक सामान्य परिवार की लड़की अंतर राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीतकर अपने इलाके और देश का नाम रोशन कर रही है। दरअसल, रक्षा ने साउथ कोरिया में आयोजित हुए ओपन इंटरनेशनल ताइक्कांडो टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल लिया तो वही एक अन्य प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल हासिल किया।रक्षा गोस्वामी ने तुमसे में गोल्ड मेडल और फाइट में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। रक्षा गोस्वामी और उनके पिता प्रकाश गोस्वामी ने शिवालिक गौरव से नवाजे जाने पर विजय बंसल एडवोकेट और शिवालिक विकास मंच की टीम का आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही बताया कि आने वाले समय में भी स्विट्जरलैंड में एक अन्य अंतर राष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी और देश का नाम रोशन करेंगी। इस दौरान वार्ड न 18 से मौजूदा पार्षद सीमा देवी, पूर्व सरपंच जोगिंदर ठाकुर, पूर्व पंच बलवंत सिंह, राम अवतार, प्रकाश गोस्वामी, चरणजीत सैनी, कुलदीप शर्मा, महाराज सिंह और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

गौरक्षा दल की टीम लम्पी से संक्रमित गौवंश की वैक्सीनेशन का कार्य करने में जुटी

पिंजौर, 3 सितंबर (अख्तर फ़ारूक़ी, अजीत सिंह) : देश के विभिन्न इलाकों से मवेशियों मे लम्पी स्किन रोग फैलने की खबरें आ रही है । लम्पी स्किन रोग ने हरियाणा में तेजी से पैर पसारने शुरु कर दिये है। जहा एक ओर सरकार लम्पी रोग पर काबू पाने की कोशिश कर रही है वही गौरक्षा दल व स्वामी सिद्धेश्वरी जी महाराज आश्रम विराटनगर के सहयोग से मवेशियों को इस भयंकर बीमारी का ग्रास बनने से बचाने का प्रयास कर रहे है। गौरक्षा दल पंचकुला प्रधान नवीन शर्मा ने बताया की उनकी टीम जिसमे कालका - पिंजौर व आसपास क्षेत्र के स्वयंसेवक नवयुवक है। जो कि पिछले कई दिनों से डाक्टर चन्दर की देखरेख मे निरंतर लम्पी से संक्रमित गौवंश की वैक्सीनेशन का कार्य कर रहे है। गौरक्षा दल सदस्यों ने बताया कि उन्होंने अभी तक कालका-पिंजौर, ईशरनगर, भोरिया, भोगपुर, चपायर, जोधपुर, चिक्कन, बक्शीवाला, चंडीमंदिर, चंदी कोटला, रज्जीपुर, रामपुर सियूडी, एच एम टी, सूरजपुर, मॉडलटाउन तक लम्पी से संक्रमित गौवंश का ट्रीटमेंट व वैक्सीनेशन किया है। गौरक्षा दल जिला पंचकुला द्वारा गौवंश की सेवा (वैक्सीनेशन व ट्रीटमेंट) में प्रधान नवीन शर्मा सहित डॉक्टर चन्दर, विशाल चौधरी, राजिंदर चौधरी, संजीव चौधरी, राजेश चौधरी, गुरमीत चौधरी, सतवंत चौधरी, हितेश राणा, एडवोकेट सतवीर राणा, गुरणाम सिंह व अन्य गौसेवको ने भाग लिया।

विधायक से मिलकर 8 मरला चौंक से ट्रैफिक पुलिस के ठिकाने को बदलवाने की मांग की

पानीपत, 3 सितम्बर (बृजमोहन दीवान) : आठ मरला चौक पर वाहन चेकिंग अभियान के दौरान एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी ने चलती बाइक पर एक वाहन चालक को हाथ मारकर रोकना चाहा, लेकिन चालक का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया, उसके सिर में सात टांके लगाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि आठ मरला चौक पर कुछ ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के रवैये से आठ मरला मार्केट एसोसिएशन के दुकानदार परेशान हैं। इस संबंध में एसोसिएशन के सदस्य सुबह शहरी विधायक प्रमोद विज से मिले। उन्होंने विधायक से मिलकर आठ मरला चौक से ट्रैफिक पुलिस के ठिकाने को बदलवाने की अपील की। विधायक ने उनके सामने डीएसपी ट्रैफिक से भी बातचीत की है और उनकी समस्या को उनके सामने रखा है। विधायक ने उन्हें आश्वासन दिया है जल्द ही उनकी समस्या का समाधान करा दिया जाएगा।

आठ मरला मार्केट एसोसिएशन के प्रधान सोमनाथ ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस के जवान लगातार आठ मरला चौक पर खड़े होकर वाहनों के चालान काटते हैं, जिस वजह से उनकी दुकानदारी ठप हो रही है। उनका कहना है कि वह पुलिस के साथ हैं, लेकिन सुबह आठ बजे से लेकर शाम आठ बजे तक चालान काटने से हर किसी के मन में पुलिस का डर बन गया है, जिस वजह कोई भी ग्राहक नहीं आ रहा है। पूरी मार्केट का कारोबार चौपट हो गया है। दुकानदारों का दुकानों का किराया निकालना भी मुश्किल हो रहा है। जाटल रोड निवासी कुलदीप ने बताया कि पुलिस सेवा, सुरक्षा, सहयोग का नारा देती है, लेकिन आठ मरला चौक पर खड़े पुलिस के जवानों का आक्रामक रूप देखने को मिला है, पुलिस के रवैये की वजह से एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है। पुलिस ने चलाया पटाखे बजाने वाले बुलेट बाइक चालकों के खिलाफ अभियान पानीपत पुलिस ने पटाखे बजाने वाले बुलेट बाइक चालकों के खिलाफ भी अभियान चलाया है। संजय चौक, लाल बत्ती, गोहाना मोड,अनाज मंडी, टोल प्लाजा आदि पर अभियान के तहत बुलेट बाइक को रोक कर साइलेंसर को चेक किया गया। जहां पर तीन बाइकों को 10 से 15 हजार के बीच जुर्माना भी लगाया है। इसके अलावा शहर में नौ-एंट्री में घुसे ट्रक चालक के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है।

जल्द हल्के के लोगों के लिए शुरु होगी एम्बुलैंस सुविधा : संदीप गर्ग

बाबैन, 3 सितम्बर (शर्मा) : स्टालवार्ट फाउंडेशन के चेयरमैन व समाजसेवी संदीप गर्ग ने हल्का लाडवा की जनता के हित के लिए एक और बहुत ही बडी घोषणा करते हुए कहा कि वे कुछ ही दिनों में हल्का लाडवा की जनता की सुविधा के लिए एक एमरजैंसी एम्बुलैंस सेवा शुरू कर रहे है जो बीमार व्यक्ति को हस्पताल तक पहुंचाने का काम करेगी।

उन्होंने बताया कि कोई मरीज चाहे चंडीगढ़ पीजीआई में जाए या अंबाला, कुरूक्षेत्र व आस पास के किसी हस्पताल में ईलाज करवाने के लिए जाए तो यह एमरजैंसी एम्बुलैंस मरीज को मात्र 500 रूपए में हस्पताल में पहुंचाने का काम करेगी।

समाजसेवी संदीप गर्ग गांव ईशरहेड़ी में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरमेल सिंह ने की। समाजसेवी संदीप गर्ग ने कहा कि जल्द ही लाडवा हल्के में सडकों घुम रहे आवारा पुशओं के लिए भी एक गऊशाला खोली जाएगी जिसमें पूरे लाडवा हल्के के हर गांव से आवरा पुशओं को छोड़ा जाएगा ताकि आवारा पशुओं के कारण किसी भी व्यक्ति का एक्सीडेंट न हो। उन्होंने कहा कि लाडवा व बाबैन व यारा में सबकी रसोई निरंतर जारी रहेगी इसकी कोई लिमिट नहीं है।

संदीप गर्ग ने कहा कि जल्द ही लाडवा हलके में बेटीयों के लिए सिलाई सैंटर खोले जाऐंगें जिसमें लाडवा हलके की बेटीयों को निशुल्क में सिलाई सिखाई जाएगी। संदीप गर्ग ने कहा कि हमारी टीम के सदस्यों से हलका लाडवा के गांव में डोर टू डोर भेज कर बेसहारा बीमार लोगों व गरीब की बेटी को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सहायता करने को लेकर एक लिस्ट तैयार करवाकर संदीप गर्ग लाडवा ने गरीब परिवार की लड़कियों को गोद लेकर उन्हें शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने व बेसहारा व गरीब परिवार के लोगों का इलाज करवाकर उनको नया जीवन देने में पहल की है। उन्होंने कहा है कि शिक्षा के क्षेत्र में इस क्षेत्र को अग्रणी बनाना उनका मुख्य लक्ष्य है। इस मौके पर निवर्तमान सरपंच साहब सिंह, गुरमेल सिंह, अर्जुन सिंह, लखविन्द्र सिंह, भाग सिंह, परमिन्द्र सिह नंबरदार, अमरजीत सिंह, मलकीत सिंह, राजबीर सिंह, राहुल, निर्मल सिंह, सलिन्द्र, राजपाल व अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

महाविद्यालय में छात्र उन्मुखीकरण कार्यक्रम का किया आयोजन

नारायणगढ़, 3 सितम्बर (देवेन्द्र शर्मा) : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नारायणगढ़ में प्राचार्या प्रोमिला मलिक की अध्यक्षता में छात्र उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्थानों में एक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले मनाया जाता है। नए छात्रों को उन्मुख करने और उनका स्वागत करने के लिए महाविद्यालय के विभिन्न प्रणालियों से संबंधित जानकारी के बारे में बताया जाता है। प्राचार्या ने नए शैक्षणिक सत्र (2022-23) का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया ओर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य नए विद्यार्थियों को महाविद्यालय प्रणाली से संबंधित जानकारी के बारे में बताना है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सीखने के व्यापक अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। छात्र उन्मुखीकरण कार्यक्रम की संयोजिका प्रो. रेनू कुमारी (वाणिज्य विभाग) ने मंच संचालन करते हुए कहा कि इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम को इस तरह से डिजाइन किया गया है, जिसमें विद्यार्थियों को टाइम टेबल, कोर्स नॉलेज, एग्जाम पैटर्न, स्कॉलरशिप, स्टूडेंट बस पास, विमेन सेल, स्टूडेंट आई डी कार्ड, एन.एस.एस, एन.सी.सी, सह पाठयक्रम व इसके अतिरिक्त विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारी को विद्यार्थियों को पूर्ण रूप से अवगत कराना है। डॉ. देवेंद्र ढींगरा डीन वाणिज्य संकाय, प्रो. सुभाष कुमार कला संकाय व प्रो. रीमा संधू विज्ञान संकाय ने विद्यार्थियों को अपने-अपने संकाय से संबंधित विषयों के बारे में बताया। हर एक समितियों के इंचार्ज डॉ. सीमा राणा, प्रो. रेनू कुमारी, डॉ. सुमन लता, प्रो. वंदना सैनी, प्रो. शुभम, प्रो. इना, प्रो.पिंकी बाला द्वारा विद्यार्थियों को संबंधित समितियों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

आज दिल्ली में होने वाली हल्ला बोल रैली में उमड़ेगा भारी जनसैलाब : भीम सिंह

बाबैन, 3 सितम्बर (शर्मा) : लाडवा हल्के से वरिष्ठ कांग्रेसी नेता भीम सिंह उमरी ने कहा कि महंगाई के खिलाफ प्रदेश की जनता में भारी रोष और 4 सितम्बर को दिल्ली में होने वाले कांग्रेस की हल्ला बोल रैली के प्रति जनता में भारी जोश देखने को मिल रहा है।

कांग्रेसी नेता भीम सिंह उमरी बाबैन में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 4 सितम्बर को दिल्ली के रामलीला ग्राउड़ में होने वाली हल्ला बोल रैली में लाडवा हल्के से विधायक मेवा सिंह के नेतृत्व में हजारों की संख्या में कार्यकर्त्ता पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के हाथ को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि हल्ला बोल रैली को लेकर युवाओं में भारी उत्साह है और युवा इस रैली को कामयाब करने में अहम योगदान होगा। उन्होंने कहा कि यह रैली रिर्काड तोड रैली होगी इस रैली में भारी जलसैलाब उमड़ेगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा राज में महंगाई ने गरीब आदमी की कमर तोड़ दी है और इस मंहगाई में गरीब व्यक्ति को दो वक्त की रोटी के लाले पड़े हुए है इस मंहगाई से हर वर्ग परेशान है। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश की जनता इस समय सत्ता परिवर्तन का मन बना चुकी है। इस मौके पर पूर्व सरपंच दीपक मोरथला, रवि देशवाल व अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

केवीएम और अग्रसेन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मनाया अध्यापक दिवस

रायपुर रानी, 3 सितंबर (गौरव सिंगला/रजत कौशिक) : रायपुर रानी में के वी एम और अग्रसैन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बच्चों ने आज अध्यापक दिवस मनाया सभी बच्चों ने अपने अपने अध्यपको को अपने हाथ से ग्रीटिंग कार्ड बना कर दिए।

इस अवसर पर कई परियोगताओ का आयोजन किया गया। कक्षाओं में आज छात्रों ने अधयापक बन कर कार्य किया।

स्कूल प्रबंधन की ओर से शिक्षक दिवस का आयोजन के वी एम स्कूल में 5 सिंतबर को किया जाएगा। इस अवसर पर अध्यपको की कई प्रतियोगिताऐ आयोजित कराई जायेगी और सांस्कृतिक कार्यक्रम के अतिरिक्त जलपान की व्यवस्था व सभी अध्यपको को सम्मानित किया जायेगा।

लाल सिंह चड्ढा एवं रक्षाबंधन के नतीजों से उड़ गयी है नींद

-नीरज कुमार दुबे

लाल सिंह चड्ढा और रक्षा बंधन फिल्म को लेकर छिड़ी महाभारत से उड़ गयी है बॉलीवुड की नींद 11 अगस्त गुरुवार को दो बड़े सितारों की फिल्में एक साथ रिलीज हो रही हैं। आमिर खान की %लाल सिंह चड्ढा% और अक्षय कुमार की %रक्षा बंधन%। ऐसा पहले भी कई बार हुआ है जब एक ही दिन दो बड़े सितारों की बॉक्स ऑफिस पर टक्कर हुई हो और दोनों ही फिल्में बेहद सफल रही हों। लेकिन इस बार मामला थोड़ा अलग है। इन दोनों फिल्मों को लेकर राजनीतिक महाभारत छिड़ी हुई है और दोनों ही फिल्मों के बहिष्कार के आह्वान किये जा रहे हैं। इससे आमिर खान की नींद और अक्षय कुमार के होश उड़ गये हैं। बहिष्कार के आह्वानों के चलते यदि फिल्में पिटीं तो इन सितारों की ब्राण्ड वैल्यू धराशायी हो जायेगी इसी बात को लेकर अक्षय और आमिर बेहद चिंतित नजर आ रहे हैं। यही कारण है कि फिल्म अभिनेता आमिर खान ने कहा है कि वह अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म लाल सिंह चड्ढा के प्रदर्शन से पहले काफी बेचैन हैं और उन्हें रातों को नींद नहीं आ रही है। हम आपको बता दें कि आमिर की यह फिल्म 11 अगस्त को दुनिया भर में सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने वाली है। आमिर खान की आखिरी फिल्म ठग्स ऑफ हिंदुस्तान 2018 में आई थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर बहुत कमाल नहीं दिखा सकी थी। इसलिए सभी की नजरें इस बात पर हैं कि %लाल सिंह चड्ढा% क्या गुल खिलाती है। आमिर खान के प्रशंसक भी बड़ी संख्या में हैं और काफी समय से उनकी फिल्म की प्रतीक्षा कर रहे हैं लेकिन कुछ समय पहले अपने बयानों से विवाद मोल लेने वाले आमिर खान ने अपने विरोधी भी बड़ी संख्या में पैदा कर लिये हैं। यह विरोधी फिल्म का बैंड बजाने के लिए एकदम तैयार बैठे हैं। इसीलिए जब आमिर खान दिल्ली में अपनी फिल्म के प्रचार के लिए आये तो चिंता की लकीरें उनके माथे पर साफ नजर आ रही थीं। पीवीआर सिनेमा के 25 साल पूरा होने के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद जब पत्रकारों से बात कर रहे थे तब उनके चेहरे पर मुस्कान की जगह टेंशन ने ले रखी थी। इस बात को जाहिर करते हुए आमिर खान ने पत्रकारों से कह भी दिया कि मैं वास्तव में फिल्म के प्रदर्शन को लेकर काफी घबराया हुआ हूं और 48 घंटों से नहीं सोया हूं। उन्होंने कहा कि मैं इन सब चीजों से ध्यान हटाने के लिए ऑनलाइन शतरंज खेलता हूं, खुद को व्यस्त रखने के लिए किताबें पढ़ता हूं। लेकिन मेरा ध्यान हट ही नहीं रहा है। आमिर खान ने कहा

कि मुझे लगता है कि मैं और फिल्म के निर्देशक अद्वैत चंदन 11 अगस्त के बाद ही सो सकेंगे। हम आपको बता दें कि लाल सिंह चड्ढा में करीना कपूर खान, नागा चैतन्य और मोना सिंह भी अहम भूमिकाओं में हैं। इस कार्यक्रम के दौरान, आमिर खान ने दर्शकों से फिल्म देखने के लिए सिनेमाघरों में आने की अपील दोहराई और कहा कि यह बहुत सारे लोगों की वर्षों की मेहनत का फल है। उन्होंने कहा, अगर मैंने अपने किसी कदम से किसी को ठेस पहुंचाई है, तो मैं इसके लिए दुखी हूं। मैं किसी को आहत नहीं करना चाहता।%% उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि अगर कुछ लोग मेरी फिल्म नहीं देखना चाहते हैं, तो मैं इसका सम्मान करूंगा। फिल्म के बहिष्कार के संबंध में सोशल मीडिया पर किए गए आह्वान के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में आमिर खान ने कहा, लेकिन मैं चाहता हूं कि अधिक से अधिक लोग फिल्म देखें। हमने काफी मेहनत की है।%% आमिर खान ने कहा कि फिल्म निर्माण एक टीम का प्रयास है। इसमें सिर्फ मैं ही नहीं हूं। दूसरी ओर अक्षय कुमार की बात करें तो उनकी फिल्म रक्षा बंधन का भी बहिष्कार किये जाने का आह्वान सोशल मीडिया पर हो रहा है। लाल सिंह चड्ढा फिल्म का जब तक बहिष्कार करने की बात हो रही थी तब तक अक्षय चुप थे लेकिन जैसे ही उनकी फिल्म निशाने पर आई वैसे ही वह बोल पड़े। अभिनेता अक्षय कुमार ने कहा है कि भारत जैसे आजाद देश में फिल्मों का बहिष्कार करने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि एक उद्योग के तौर पर सिनेमा भी राष्ट्र निर्माण में योगदान देता है। अक्षय कुमार ने कहा कि ''अगर आपका फिल्म देखने का मन नहीं है, तो न देखें। यह एक स्वतंत्र देश है और फिल्म भी इसका हिस्सा है, इसलिए अगर कोई इसे देखना चाहता है या नहीं, तो यह उनके ऊपर है। अक्षय ने संवाददाताओं से कहा, ''मैं आपको बताना चाहता हूं कि चाहे वह कोई भी उद्योग हो, चाहे वह कपड़ा उद्योग हो, फिल्म उद्योग हो या कुछ और, इन सभी से अर्थव्यवस्था को मदद मिलती है। लेकिन फिल्मों का बहिष्कार करने जैसी चीजें करने का कोई मतलब नहीं है।'' ''रक्षा बंधन' फिल्म के प्रचार के दौरान अक्षय कुमार ने लोगों से इस तरह के चलन यानि फिल्मों के बहिष्कार के चलन का हिस्सा नहीं बनने की भी अपील की। उन्होंने कहा, ''हम अपने देश को सबसे बड़ा और महान बनाने के मोड़ पर हैं। इसलिए मैं बस आपसे अनुरोध करूंगा कि इस तरह की बातों में नहीं आएं।

जहां तक अक्षय कुमार की फिल्म रक्षा बंधन की बात है तो आपको बता दें कि आनंद एल. राय द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक दुकान के मालिक राजू (अक्षय) की कहानी कहती है, जो अपनी चार छोटी बहनों की शादी करने के लिए संघर्ष कर रहा है। इसमें कुमार की ऑन-स्क्रीन बहनों की भूमिका में सादिया खतीब, सहजमीन कौर, दीपिका खन्ना और स्मृति श्रीकांत हैं। आगामी फिल्म में दहेज का भी मुद्दा केंद्र में है। 'रक्षा बंधन' में भूमि पेडणेकर भी अहम भूमिका में हैं।बहरहाल, अब देखना होगा कि एक साथ आ रही यह दो बड़ी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन कर पाती हैं। यदि यह दोनों फिल्में %बहिष्कार% का शिकार होती हैं तो आगे आने वाली फिल्मों के लिए भी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। जब इनका मन होता है तो किसी के समर्थन में या विरोध में बयान दे देते हैं लेकिन जब इनकी फिल्म आने वाली होती है तो बड़ी शराफत से पेश आते हैं और इस तरह का व्यवहार करते हैं जैसे इनसे ज्यादा गुणों से संपन्न कोई दूसरा व्यक्ति है ही नहीं।

कुणाल खेमू ने डायरेक्टर के तौर पर मडगांव एक्सप्रेस की घोषणा की

एक्सेल एंटरटेनमेंट टैलेंट्स का एक हब है, जिसने कई बड़े टैलेंट्स के साथ कुछ बेहतरीन फिल्में फिल्म इंडस्ट्री को दी हैं। ऐसे में जहां एक्सेल एंटरटेनमेंट अपने कमाल के कटेंटे और दमदार आर्टिस्ट्स के साथ लगातार नई ऊंचाइयां छू रहा है, वहीं अब एक्टर कुणाल खेमू ने एक्सेल के साथ मिलकर बतौर डायरेक्टर काम करने का फैसला किया है।आज गणपति के शुभ अवसर पर अपने सोशल मीडिया पर कुणाल खेमू ने अपने प्रशंसकों के लिए एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ %मडगांव एक्सप्रेस% नाम की फिल्म के साथ अपने डायरेक्टोरियल वेंचर की घोषणा की हैं। जिसके साथ कैप्शन में उन्होंने लिखा है, गणपति बप्पा मोरिया, जैसा कि सभी अच्छी चीजें उनके नाम से शुरू होती हैं, मैं इसे आप सभी के साथ साझा करने के लिए बेहतर दिन के बारे में नहीं सोच सकता। यह मेरे दिमाग में एक विचार के साथ शुरू हुआ जो एक सपने में बदल हो गया, जो मेरी उंगलियों से मेरे लैपटॉप पर शब्दों में बह गया और अब यह सिल्वर स्क्रीन पर एक वास्तविकता के रूप में सामने आएगा। मेरी स्क्रिप्ट और मेरे दृष्टिकोण पर विश्वास करने और सिनेमा की दुनिया में इस रोमांचक यात्रा पर मेरे साथ साझेदारी करने के लिए एक्सेल एंटरटेनमेंट में रितेश, फरहान और रुचा को बहुत-बहुत धन्यवाद। हाथ जोड़कर और सिर झुकाकर मैं आप सभी का आशीर्वाद और गणपति बप्पा का आशीर्वाद चाहता हूं।

पेश है मडगांव एक्सप्रेस- आपको बता दें, इससे पहले फरहान अख्तर ने 2001 में दिल चाहता है के साथ अपने निर्देशन की शुरुआत की थी। इसके अलावा जोया अख्तर ने 2009 में लक बाय चांस के साथ अपने निर्देशन की शुरुआत की, और अब कुणाल खेमू भी एक्सेल के साथ निर्देशन के अपने सफर शुरू कर रहे हैं। ऐसे में मेकर्स की तरफ से हम एक और शानदार फिल्म देखने के लिए उत्साहित है।

एक्सेल एंटरटेनमेंट, जिसे फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी द्वारा सह-स्थापित किया गया था, ने समय-समय पर कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों जैसे जेएनएमडी, दिल चाहता है, डॉन, डॉन 2 जैसी कई और फिल्मों के साथ दर्शकों को एंटरटेन किया है। फिलहाल प्रोडक्शन हाउस मोस्ट अवेटेड जी ले जरा के लिए कमर कस रहा है।

फाइटर के लिए ऋतिक करेंगे फिजिकल ट्रांसफोरमेशन

सुपरस्टार ऋतिक रोशन उन स्टार्स में आते हैं, जो अपने काम को लेकर हमेशा बेहद उत्साहित रहते हैं। ऋतिक रोशन अपने रोल्स को पूरी जी जान से निभाते है। फिर चाहे बात उस किरदार को मेंटली अपने अंदर ढालने की हो या उस किरदार के लिए फिजीकली अपने आपको बदलने की हो, सुपरस्टार इस बात को सुनिश्चित करते है कि कही पर भी कोई कसर बाकी न रह जाए।हाल ही में, सुपरस्टार ने अपनी आने वाली फिल्म %फाइटर% के लिए किए जा रहे अपने फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन के बारे में बात की। इस फिल्म में ऋतिक रोशन एक्शन अवतार में दिखाई देने वाले हैं। इसके बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं फाइटर में अपनी भूमिका की तैयारी कर रहा हूं, जो मेरी अगली फिल्म है। यह लगभग 12 हफ्ते का ट्रांसफॉर्मेशन है, जिसका मैं हमेशा पालन करता हूं। इसलिए 9 नवंबर को, मैं जो दिखता हूं उससे ज्यादा दुबला दिखना चाहिए। ऋतिक ने हाल ही में अपने 12-वीक ट्रांसफॉर्मेशन रेजीम की शुरुआत की और 9 नवंबर को फाइटर के लुक को हासिल करने के लिए अपने लक्ष्य के रूप में चिह्नित किया, जिसमें उनकी दीपिका पादुकोण के साथ जोड़ी बनाई जाएगा। इस बीच, ऋतिक विक्रम वेधा को लेकर सुर्खियों में है। हाल ही में इस फिल्म का टीजर जारी किया गया था जिसे दर्शकों द्वारा बहुत पसंद किया जा रहा है। इस फिल्म में ऋतिक, सैफ अली खान के संग स्क्रीन्स पर दिखाई देंगे और फैन्स बेसब्री से फिल्म के रिलीज का इंतजार कर रहें है।

अभिनेत्री मृणाल के प्रशंसकों की तादाद बढ़ी

असाधारण अभिनेत्री मृणाल ठाकुर इन दिनों खूब चर्चा में हैं, दरअसल, समीक्षकों द्वारा प्रशंसित रोमांटिक पीरियड ड्रामा सीता राम में उनके अभिनय की भूरि-भूरि प्रशंसा हुई है, वहीं सूत्रों का कहना है कि उनके प्रशंसकों की संख्या भी फिल्म के बाद काफी बढ़ गई है। सूत्रों ने बताया कि सीता राम% की भारी सफलता के बाद, जिसमें दुलकर सलमान और रश्मिका मंदाना भी हैं, मृणाल के प्रशंसकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। एक सूत्र का कहना है कि सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस के फॉलोअर्स की संख्या एक महीने से भी कम समय में 46 लाख से बढ़कर 53 लाख हो गई है। अभिनेत्री, जिसने न केवल दक्षिणी फिल्म उद्योग से बल्कि अन्य हिस्सों में अपने प्रशंसकों से भी सराहना अर्जित की है, अपने प्रशंसकों द्वारा दिखाए गए प्यार से प्रभावित है, जो सोशल मीडिया पर उनके लिए अपने प्यार का इजहार करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। मृणाल कहती हैं, हर इशारा मुझे (महसूस) इतना खास बनाता है कि समझाना

मुश्किल है। मेरे सोशल मीडिया और डीएम ऐसे अपडेट से भरे हुए हैं। काश मैं उन सभी को टैग कर पाती या उनके सभी काम साझा कर पाती। मैं बहुत आभारी हूं क्योंकि जो प्रेम मुझ पर दिखाया जा रहा है, और जिस प्रकार लोगों ने मुझे अपनाया है, वह दिल को छू लेने वाला है। पीरियड म्यूजिक रोमांटिक ड्रामा %सीता राम% 5 अगस्त को रिलीज हुई थी और यह बॉक्स आफिस पर जोरदार बिजनेस कर रही है। फिल्म एक महत्वपूर्ण और व्यावसायिक सफलता के रूप में उभरी, जिसने बॉक्स आफिस पर 75 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है।

चेहरे पर चोट के निशान के साथ सामने आया सांमथा के मूवी यशोदा का पोस्टर

-बॉलीवुड फिल्मों से ज्यादा क्रेज इन दिनों साउथ मूवीज का देखने के लिए मिल रहा है। पुष्पा, 'केजीएफ 2 और आरआरआर जैसी फिल्मों का बोलबाला सिनेमाघरों में काफी रहा है। इसके बाद हाल ही में फिल्म 'लाइगर रिलीज की गई। हालांकि, इसे दर्शकों से कुछ खास रिस्पांस नहीं मिला। लोगों ने कहा कि इस बॉलीवुड स्टाइल में बनाया गया है। इसी कड़ी में अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु की मोस्टअवेटेड फिल्म 'यशोदा' से उनका नया लुक जारी किया गया है, जिसे देखकर आपको 'द फैमिली मैन 2' वाले लुक की याद जाएगी। फिल्म 'यशोदा से जारी किया गया सामंथा के नए लुक में देखने के लिए मिल रहा है कि सांमथा के चेहरे पर ढेर सारे चोट के निशान हैं और लोगों की भीड़ में नजर आ रही हैं। पोस्टर में एक और चीज देखने लायक है कि उनके चारों ओर सिर्फ और सिर्फ महिलाएं ही नजर आ रही हैं। सामंथा का इसमें एकदम डैशिंग अंदाज देखने के लिए मिल रहा है, जो कि फैंस को फिल्म के लिए एक्साइटमेंट को पैदा कर रहा है। पोस्टर से एक बात तो साफ है कि इसमें एक्ट्रेस ऐक्शन सीक्वेंस करने वाली हैं और पोस्टर में दिखाया गया उनका लुक फिल्म के किसी ऐक्शन सीक्वेंस का है। इसमें वहां काफी गुस्से में भी नजर आ रही हैं। पोस्टर को शेयर करने के साथ ही फिल्म 'यशोदा' के टीजर वीडियो के रिलीज डेट का भी ऐलान किया गया है। इसके टीजर वीडियो को 9 सितंबर को दर्शकों के बीच रिलीज किया जाएगा। इसका निर्देशन हरी-हरीश द्वारा किया जा रहा है। फिल्म में हाई ऐक्शन सीक्वेंस देखने के लिए मिलने वाला है। फिल्म में सामंथा के साथ वारालक्ष्मी सरथ कुमार, उन्नी मुकुंदन, राव रमेश, मुर्ली शर्मा, समपथ राज, शत्रु, मधुरिमा, कलपिका गणेश, दिव्या श्रीपदा, प्रियंका शर्मा और अन्य कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं।

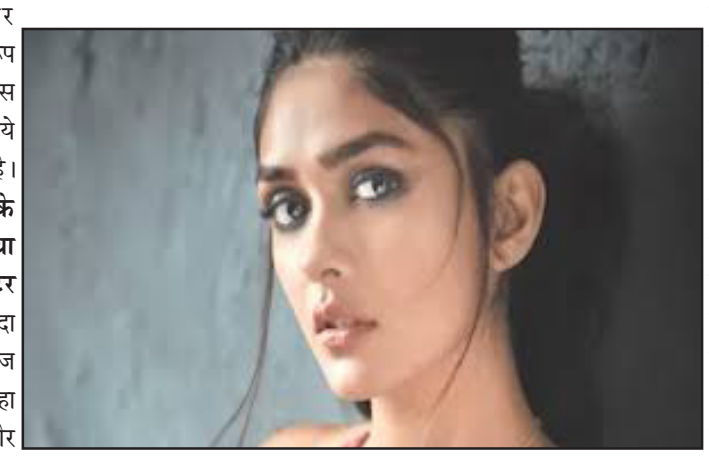

कठपुतली:अक्षय ने एक्शन से नहीं इंटेलीजेंस से किया इम्प्रेस

पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर में बनीं उनकी फिल्म 'कठपुतली' ओटीटी प्लेटफॉर्म हॉटस्टार पर रिलीज हो गयी हैं। %कठपुतली% साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म हैं। कटपुतली फिल्म का निर्देशन रंजीत एम तिवारी ने किया है। मुख्य भूमिका में अभिनेता अक्षय कुमार और रकुल प्रीत सिंह है।

पिछले काफी समय से हम अक्षय कुमार को पर्दे पर कुछ खास रोल में नहीं देख रहे थे, जिसमें वह अच्छे लगते हैं। अगर अक्षय कुमार के जबरे फैंस की बात करें तो उनमें से अधिकतर आज भी अक्षय की 90 के दशक वाली फिल्मों को पसंद करते हैं। सैनिक, खिलाड़ी, बैबी, अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों, खाकी जैसी तमाम फिल्में अक्षय कुमार ने ऐसी बनायी थी, जिसमें मानों ऐसा लगता है कि अक्षय कुमार की जगह कोई और ये भूमिका निभा ही नहीं सकता था। अब एक बहुत ही लंबे समय बाद अक्षय को फिर से यूनिफॉर्म में देखने का मौका मिला है। पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर में बनीं उनकी फिल्म 'कठपुतली' ओटीटी प्लेटफॉर्म हॉटस्टार पर रिलीज हो गयी हैं। कठपुतली साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म हैं। कटपुतली फिल्म का निर्देशन रंजीत एम तिवारी ने किया है। मुख्य भूमिका में अभिनेता अक्षय कुमार और रकुल प्रीत सिंह है। यह फिल्म 2018 की हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर रत्सासन की आधिकारिक रीमेक है। कहानी एक सब इंस्पेक्टर के इर्द-गिर्द घूमती है जो स्कूली लड़कियों को निशाना बनाने वाले सीरियल किलर को गिरफ्तार करने की कोशिश करता है। कहानी-फिल्म एक थ्रिलर ड्रामा है जिसमें एक साइको अपराधी अपने पागलपन में लोगों की हत्या कर रहा हैं। कहानी को कसौली की लोकेशन पर फिल्माया गया है। हिमाचल प्रदेश के कसौली में तब हड़कंप मच जाता है जब सुबह जोगिंग करते वक्त लोगों के पन्नी में लिपटी एक लड़की की लाश मिलती है। लाश की स्थिति बेहद खराब होती हैं जो किसी का भी दिल दहला सकती है। लोग पुलिस को सूचित करते हैं और दर्शकों की मुलाकात होती हैं पुलिस ऑफिसर अर्जन सेठी (अक्षय कुमार) से। मामले की जांच का जिम्मा इन्हें ही सौंपा जाता है और देखते ही देखते अपराधी इतना निडर हो जाता है वह खून करके खुद पुलिस तक

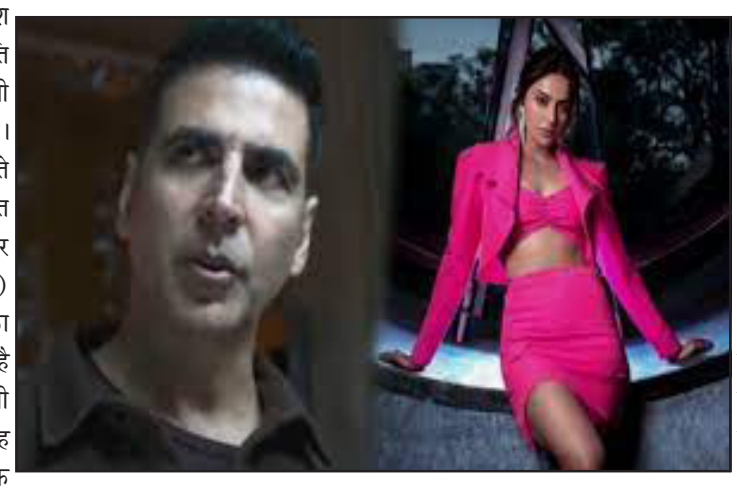

लाश पहुंचा देता है। अपराधी ने पुलिस की नाक में दम कर दिया है और अब लड़कियों की हो रही हत्याओं से पूरे इलाके में पेकिन भी फैल जाता हैं। अर्जन सेठी अपराधी को पकड़ने के लिए एक माइंड गेम तैयार करते हैं। फिर शुरू होती है अपराधी और पुलिस के बीच की लुका-छुपी।

बड़े पर्दे की होड़ और बायकॉट जैसे विवादों से अलग लंबे समय बाद ओटीटी पर कुछ अच्छा रिलीज हुआ है। जो आपको बोर नहीं करेगा। हां बहुत ज्याजा भी हाई एक्सपेटेशन नहीं रखनी हैं। फिल्म कटपुतली एवरेज फिल्म है जो आपका समय खराब नहीं करेगी। खूबसूरत लोकेशन पर शूट की गयी फिल्म का डायरेक्शन भी काफी खूबसूरत है। रंजीत तिवारी ने हर एक सीन और काहानी को ऐसे दर्शकों को समझाया है, जो जरा सा भी भद्दा और काल्पनिक नहीं लगता। कहानी भी फिल्म की काफी सधी हुई है। तो बोर नहीं करती है। सुपरस्टार अक्षय कुमार ने इस बार एक्शन से नहीं बल्कि अपने इंटेलिजेंस से सभी को इम्प्रेस किया है। वहीं, दूसरी तरफ फिल्म की लीड एक्ट्रेस यानी रकुल प्रीत सिंह ने भी अपनी छाप छोड़ी है।

स्टार कास्ट- अक्षय कुमार, रकुल प्रीत सिंह, सरगुन मेहता, चंद्रचूड़ सिंह

डायरेक्टर- रंजीत तिवारी

देवरकोंडा के बयान पर मनोज देसाई ने दी सफाई

थिएटर मालिक मनोज देसाई ने गलत बयान पर कहा, मैंने सिर्फ 2 अभिनेताओं - अमिताभ बच्चन और अब विजय देवरकोंडा से सॉरी कहा है! ब्लॉक पर सबसे स्कसेसफुल स्टार विजय देवरकोंडा ने अपनी हालिया रिलीज लाइगर के साथ देश में तूफान ला दिया। हालांकि युवा स्टार द्वारा दिए गए एक बयान को इंडस्ट्री जगत में गलत समझा गया, जिससे अनजाने में थिएटर के दिग्गज मनोज देसाई सहित कुछ की भावनाओं को ठेस पहुंची। ऐसे में क्योंकि सेल्फमेड स्टार, जो खुद थिएटर के मालिक भी हैं, इस बिजनेस की पेचीदगियों को अच्छे से समझते हैं और उन्हें लगा कि इससे जुड़ी सारी अफवाहों को साफ करने की जरुरत है। विजय बड़े पैमाने पर बड़ों और अपने दर्शकों का भी सम्मान करते हैं और अपनी बात को समझाने का फैसला करते हुए उन्होंने एक ऐसा कदम उठाया है, जिसे बहुत सम्मानित और सराहा गया है। जब विजय देवराकोंडा ने मनोज देसाई की निराशा के बारे में सुना, तो अभिनेता ने मराठा मंदिर और गेयटी गैलेक्सी थिएटर के मालिक के साथ इसे साफ करने के लिए तुरंत हैदराबाद से मुंबई के लिए उड़ान भरी। दरअसल हाल ही में दर्शकों द्वारा फिल्मों का बायकॉट करने के विषय पर लाइगर स्टार का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो गया और जिसे कई लोगों ने पसंद नहीं किया। हालांकि अपनी बातचीत के कॉन्टैक्ट को क्लैरिफाई करते हुए और इंटरव्यू के पूरे कंटेंट को सही से समझाते हुए विजय देवरकोंडा ने यह सुनिश्चित किया कि मिस्टर देसाई के साथ बाकीं लोग जो इभी स बयान से आहत हो सकते हैं, उन्हें उनकी बात समझ आ जए और सारी अफवाहें खत्म हो जाए। ऐसे में यंग सुपरस्टार विजय के इस जेस्चर से प्रभावित होकर मनोज देसाई ने एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें कहा गया था कि वह अपसेट थे और अपने रिएक्शन के लिए माफी मांगी। बता दें, बातचीत के दौरान विजय ने यह भी साफ किया कि वह न केवल अपने दर्शकों का सम्मान करते हैं बल्कि प्यार भी करते हैं और ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचने के लिए लगातार 30 दिनों तक प्रचार पर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह दर्शकों के लिए फिल्में बनाते हैं और वह उसी से बने हैं। इसके अलावा, उन्होंने जिक्र किया कि, ऐसे लोगों का एक ग्रुप है जो हमेशा फिल्म के बायकॉट के लिए आवाज उठाते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है कि वे किसी हीरो या हीरोइन का बहिष्कार कर रहे हैं, यह पूरी टीम के बारे में है जो इस पर और उनके परिवारों पर काम कर रही है। देसाई ने विजय देवरकोंडा की तारीफ करते हुए कहा, वह असल में बहुत अचे लड़के हैं, मैं उनसे हमेशा प्यार करता रहूंगा। उसका उज्वल भविष्य है और मैं इसके द्वारा वादा करता हूं कि मैं उसकी सभी फिल्म लूंगा। मेरी शुभकामनाएं उनके साथ हैं।

शासन-प्रशासन की बेरुखी और अनदेखी के चलते नारकीय जीवन जीने को मजबूर ग्रामीण

निसिंग, 3 सितम्बर (जोगिंद्र सिंह) : शासन-प्रशासन की बेरुखी और अनदेखी के चलते गांव औंगध के ग्रामीण नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। गांव की फिरनी और बाहरी रास्तों सहित सभी गलियां कीचड़ से अटी पड़ी

हैं। लोगों को रास्ते से कपड़े उठाकर गुजरना पड़ रहा है, लेकिन प्रशासन का और पंचायत विभाग के अधिकारियों का इस समस्या की तरफ कोई ध्यान नहीं हैं,जिससे ग्रामीणों में पंचायत विभाग के प्रति रोष पनप रहा है।

गांव की आबादी 14 हजार से भी ज्यादा है। पंचायत के कार्यकाल को समाप्त हुए 14 माह बीत चुके हैं, तभी से गांव में सफाई व्यवस्था का बुरा हाल है, क्योंकि सफाई कर्मियों का सफाई की तरफ ध्यान नहीं हैं, न ही सफाई कर्मियों पर पंचायत का कोई दखल है। ग्रामीणों के आरोप है कि जब से पंचायत का कार्यकाल खत्म हुआ है, तभी से गांव के लोग नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। कई बार ग्रामीणों ने पंचायत विभाग से गांव के कीचड़ युक्त रास्तों के बारे में अवगत कराया हुआ है, लेकिन विभाग कुंभकर्णी नींद में सोया है। ग्रामीणों का कहना है कि गलियों में व मुख्य रास्ते में दूषित पानी तथा कीचड़ के कारण निकलना दूभर हो गया है। यहां पर कभी भी संक्रामक रोग फैल सकते हैं, लेकिन शासन-प्रशासन का ग्रामीणों की समस्या की तरफ कोई ध्यान नहीं है।

ग्रामीणो ने बताया है कि पंचायत विभाग गांवों में सफाई की तरफ कतई ध्यान नहीं दे रही है, जिससे गांव के लोगों में नाराजगी है।

पंचायती राज चुनाव में आरक्षण से पिछड़ा वर्ग-ए को मिलेगा उचित प्रतिनिधित्व : सतबीर वर्मा

हिसार, 3 सितंबर (मनमोहन शर्मा) : पंचायती राज चुनावों में आरक्षण से पिछड़ा वर्ग ए के लोगों को उचित प्रतिनिधित्व मिलेगा और उन्हें आगे बढने के पर्याप्त अवसर मिलेंगे। पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व चैयरमेन सतबीर वर्मा ने एक बयान में कहा कि अध्यादेश के माध्यम से पंचायती राज अधिनियम में संशोधन कर हरियाणा सरकार ने पिछड़ा वर्ग के लोगों को उनका उचित हक दिया है। इसके लिए समस्त पिछड़ा वर्ग मुख्यमंत्री मनोहर लाल, विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा और हरियाणा कैबिनेट के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करता है।

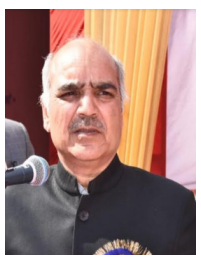

भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष ईश्वर मालवाल ने भी राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि पंचायत चुनाव में नई व्यवस्था से पिछड़ा वर्ग के लोगों को प्रतिनिधित्व के अधिक अवसर मिलेंगे। किसी भी गांव में यदि 2 प्रतिशत भी पिछड़ा वर्ग (ए) की आबादी है तो वहां कम से कम 1 पंचायत सदस्य जरुर चुना जाएगा। पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व चैयरमेन सतबीर वर्मा और भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष ईश्वर मालवाल ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार अपने गठन के बाद से ही वंचित वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए अहम निर्णय ले रही है। वंचित वर्ग के लोगों को आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध करवाएं गए है।

ताईक्वांडो टूर्नामैंट में किया शानदार प्रदर्शन

शाहाबाद मारकंडा, 3 सितम्बर (रूबी प्रजापति) : आइंस्टाइन इंटरनेशनल स्कूल के खिलाडियों ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहाबाद में स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा से विद्यार्थियों ने वेट ग्रुप्स में शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने अपने प्रतिद्वंदियों को पछाड़कर कई पदक जीते और स्कूल व अपने अभिभावकों का नाम रोशन किया।

आयोजित ब्लॉक स्तरीय ताइक्वांडो टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। यह जानकारी देते हुए स्कूल की डायरैक्टर दीपाली सिंघल ने बताया कि फिजिकल ट्रेनर विशाल कुमार व खिलाड़ियों की मेहनत उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में स्कूल के 7 बच्चों ने भाग लिया। जिसमें जर्मन व सानिध्य ने गोल्ड मैडल, मानिक व शिवम ने सिल्वर मैडल व मनन और अकुल ने ब्राऊंज मैडल जीते।

योजना के तहत एक करोड़ रुपये तक उपलब्ध करवाया जाता है ऋण : उपायुक्त

कैथल, 3 सितम्बर (संदीप भुकल) : डीसी डॉ. संगीता तेतरवाल ने बताया कि जिला में औद्योगिक विकास एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एमएसएमई विभाग द्वारा खाद्य प्रसंस्करण से संबंधित कोई भी यूनिट लगाने के लिए एक करोड़ रुपये तक का ऋण उपलब्ध करवाया जाने का प्रावधान है। लोन के साथ-साथ संबंधित उद्यमी को ऋण पूंजी पर 35 प्रतिशत सब्सिडी दी जाएगी, जो अधिकत्तम 10 लाख रुपये तक हो सकती है। उपायुक्त ने बताया कि इस योजना का लाभ एफपीओ, स्वयं सहायता समूह व सहकारी समितियां भी ले सकती हैं, उन्हें भी 35 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह जो खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं, उनको वर्किंग कैपिटल तथा छोटे टूल की खरीद के लिए 40 हजार रुपये प्रति सदस्य की दर से प्रारंभिक पूंजी व हैंड होल्डिंग सपोर्ट दी सकती है। यूनिट स्थापित होने के बाद औद्योगिक ईकाई को ब्रांडिग व विपणन पर भी सब्सिडी का प्रावधान है। औद्योगिक ईकाईयों के समूह द्वारा अगर सामान्य बुनियादी ढांचे के विकास के लिए ऋण की आवश्यकता है तो उनको भी ऋण पूंजी पर 35 प्रतिशत सब्सिडी का प्रावधान है।

नशे के खिलाफ ग्रामीण एकजुट, बैठक करके लिया फैसला-ना नशा करने देंगे और ना ही नशा बिकने देंगे

घरौंडा, 3 सितंबर (नरेन्द्र लाठर) : उपमंडल के गांव डेरा संजयनगर में ग्रामीण महिलाओं, बुजुर्गो और युवाओं ने मिलकर गांव से नशे को जड़ से उखाड़ फेंकने का आह्वान किया है। इसी को लेकर डेरा संजयनगर में ग्रामीणों की कुटिया के महात्मा रविदास की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में युवा समाजसेवी मुस्लिम चौहान, नरेश सैनी, दिलबाग आर्य व गांव की महिलाओं, बुजुर्गो, युवाओं, समाजसेविओं ने भाग लिया। बैठक में शामिल सभी ने कहा कि उनके गांव में शराब, गांजा, अफीम, चरस आदि का नशा जड़े जमा रहा है। नशे के कारोबारी गांव में लाभ कमाने के लिए लगातार चक्कर लगा रहे है। जिसके चलते गांव के अशिक्षित, भोले भाले और कुछ गरीब लोग इनके चंगुल में फंसने लगे है। मुनाफे

के चक्कर में गांव के ही ऐसे कुछ लोग इस नशे को गांव में बेचने लगे है। ग्रामीण महिला नगमा, मीना, राजकली, सोनिया, किताबों व गांव के युवा संजय, अमरप्रीत, राजू, अर्जुन, कुलवंत, अमरजीत, कुलदीप, सतनाम, विनोद, बबलू, दीपक व अन्य ने कहा कि गांव के कुछ लोग अपने लाभ के लिए गांव के छोटे बच्चों और युवाओं को नशे की दलदल में धकेल रहे है। आलम यह है कि जिस घर में एक नशा करने वाला तैयार हो जाता है तो वह युवा स्कूल जाना छोड़ देता है, दिहाड़ी मजदूरी करना छोड़ देता है और अपने नशे के लिए घर का सामान तक दुकानों पर जाकर बेच देता है। जिसका खामियाजा पूरे परिवार और गांव को भुगतना पड़ रहा है। नशा बेचने वाले लोगों को बार-बार इसे बेचने से रोकने के लिए ग्रामीणों के बोले जाने पर भी वे बाज नहीं आ रहे और अपने मुनाफे के लिए गांव को नशे की दलदल में धकेल रहे है। ऐसे लोगों की पुलिस को भी बार-बार शिकायत की जाती है, लेकिन पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही।

गांव में अवैध शराब की बिक्री भी जोरों पर :

ग्रामीणों ने बैठक में कहा कि उनके गांव में सरकार की ओर से ना तो कोई शराब का ठेका है और ना ही कोई खुर्दे को मंजूरी दी है लेकिन इसके बाद भी धड़ल्ले से अवैध शराब बिक रही है। ग्रामीणों ने बैठक में कहा कि पूरे गांव को शराब, अफीम, चरस, गांजा व अन्य सभी प्रकार के नशों के खिलाफ जागरूक करने के लिए जागरूकता अभियान बढ़चढ़ कर चलाया जाएगा। नशा बेचने वालों को बार-बार समझा कर उन्हे ऐसा करने से रोका जाएगा। यदि कोई नशा करने वाला व्यक्ति नहीं मानेगा तो उसका सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा। ग्रामीणों ने एकजुटता से कहा कि अब गांव में नशे के खिलाफ आरपार की लड़ाई लड़ी जाएगी। वे अपने बच्चों को इस नर्क में नहीं जाने देंगे। इसके लिए जो भी आंदोलन करना पड़ेगा, उसके लिए वे तैयार है। ग्रामीणों ने प्रशासन से गुहार लगाते हुए कहा कि उनके गांव में अवैध रूप से बिक रहे नशे के खिलाफ प्रशासन मुहिम चलाए ताकि उनका गांव भी स्वस्थ भारत का हिस्सा बन सके।

वर्जन : डेरा संजय नगर में नशे को लेकर शिकायतें मिली थी। इन शिकायतों के आधार पर मामला भी दर्ज किया गया था। इसके साथ ही समय समय पर सर्च अभियान भी चलाया जाते है और ग्रामीणों को भी गांव में जाकर जागरूक किया जाता है। ग्रामीणों ने जो मुहिम चलाई है वह तारिफ के काबिल है। अभी यदि कोई गांव में नशा बेचने का काम करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

-दीपक कुमार, थाना प्रभारी, थाना घरौंडा।

कोरोना काल से बंद हुई 4 पैसेंजर रेलगाड़ियों का परिचालन दोबारा शुरु

पानीपत, 3 सितम्बर (बृजमोहन दीवान) : दिल्ली-पानीपत के बीच रेलवे ने यात्रियों की परेशानी को देखते हुए कोरोना काल से बंद चार पैसेंजर ट्रेनों का दोबारा से परिचालन शुरू कर दिया है। इन रेलगाड़ियों के परिचालन से दैनिक रेल यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। दैनिक रेल यात्रियों का कहना है कि वह लंबे समय से इन ट्रेनों को चलाने की मांग कर रहे थे। अब जाकर उनकी मांग पूरी हो सकी है। अब उनको ट्रेनों में धक्का-मुक्की नहीं करनी पड़ेगी। यात्रियों का कहना है कि कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन लगने पर रेलवे ने 24 मार्च 2020 को सभी ट्रेनों का परिचालन बंद कर दिया था। स्थिति सामान्य होने के बाद अधिकतर मेल, एक्सप्रेस सहित कुछ पैसेंजर रेलगाड़ियों का परिचालन शुरू कर दिया गया। पानीपत रेलवे स्टेशन से रोजाना क़रीब 50-60 हजार यात्री आवागमन करते हैं। सभी पैसेंजर

ट्रेनों का परिचालन शुरू न होने से यात्री धक्का-मुक्की के बीच सफर करने के लिए मजबूर थे। अब रेलवे ने यात्रियों को राहत देते हुए दिल्ली-पानीपत रूट पर चार पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन शुरू कर दिया है। यात्री लंबे समय से बंद चार पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन शुरू करने की मांग कर रहे थे। दैनिक यात्रियों का कहा कि ट्रेनों में ज्यादा भीड़ होने के कारण उन्हें खड़े होकर सफर करना पड़ रहा था। कुछ यात्री तो अपनी जान जोखिम में डाल कर गेट के पास खड़े होकर या लटक कर सफर कर रहे थे। जिससे उनको भारी परेशानी झेलनी पड़ती थी। रेलवे को भी आर्थिक नुकसान हो रहा था। उन्होंने कहा कि अब चार पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन शुरू होने से उन्हें फायदा मिलेगा। उन्हें धक्का-मुक्की के बीच सफर नहीं करना पड़ेगा। रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों को राहत देते हुए दिल्ली-पानीपत रूट पर चार पैसेंजर ट्रेनों का फिर से परिचालन शुरू कर दिया है। जिससे दैनिक यात्रियों को फायदा मिलेगा। दिल्ली-पानीपत रूट पर चलाई गई पैसेंजर ट्रेनें जिनमें ट्रेन संख्या 04581 दिल्ली से पानीपत 04583 दिल्ली से पानीपत 04588 पानीपत से दिल्ली 04586 पानीपत से गाजियाबाद शामिल हैं। उत्तर रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अजय माइकल का कहना है कि रेलवे ने यात्रियों की परेशानी को देखते हुए दिल्ली-पानीपत रूट पर चार पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन शुरू कर दिया है। कोरोना काल में पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन रोक दिया गया था। इन ट्रेनों का परिचालन शुरू होने से यात्रियों को राहत मिलेगी। यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने का प्रयास किया जा रहा है। **अजय माइकल, जनसंपर्क अधिकारी, उत्तर रेलवे।**

हर बच्चे को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद प्रतियोगिताओं में भी भाग लेना चाहिए : रणसिंह चौहान

निसिंग, 3 सितंबर (जोगिन्द्र सिह) : गांव गोंदर के आजाद पब्लिक स्कूल में शनिवार को खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ स्कूल रणसिंह चौहान व प्रधनाचार्या पूजा रानी ने किया। खेलकूद प्रतियोगिता में लड़कों व लड़कियों की कबड्डी, वालीबाल, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फैंक, रस्सा कस्सी, दौड़, नींबू दौड़ आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्या पूजा रानी ने कहा कि खेलकूद प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों में खेलों के प्रति आत्मविश्वास जागृत होता है और शरीर के साथ मस्तिष्क भी स्वस्थ रहता है।

विजेता खिलाडियों को सम्मानित करते कुए स्कूल संचालक रणसिंह चौहान ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है।

इसलिए हर बच्चे को पढ़ाई के साथ साथ खेलकूद प्रतियोगिताओं में भी भाग लेना चाहिए। चौहान ने खिलाड़ियों को नशे से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि नशे के चंगुल में ना फंस कर अपने खेलों पर ध्यान दें और अपने स्वस्थ स्वास्य से खिलवाड़ ना कर नई बुलंदियां हासिल करें। चौहान ने उन ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ी नशे के चंगुल में फंस कर अपना जीवन बर्बाद कर रहे हैं, वह किसी भी प्रकार के नशे का त्याग कर खेलों में एक मुकाम हासिल करने का प्रयास करें ताकि केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा चलाई योजनाओं को लाभ उठाएं।

चौहान ने कहा कि देश व प्रदेश के खिलाड़ी बुलंदिया छू सके और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकते है। इस मौके पर प्रबंध समिति सदस्य रजनी बाला, दीपक राणा, दिलावर जांगड़ा, रोकी, विकास शर्मा, अनुराधा, काजल व कोमल सहित अन्य मौजूद रहे।

संसार में सबसे अधिक तेजी से बढ़ रही है भारत की एकौनोमी : डा. ढींडसा

शाहाबाद मारकंडा, 3 सितम्बर (रूबी प्रजापति) : अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक तथा हाल ही में इंग्लैंड की ऐशक्राफ्ट यूनिवर्सिटी द्वारा डी.एस.सी. की डिग्री से सम्मानित डॉ. कुलदीप सिंह ढींडसा का कहना है कि अब भारत की आर्थिक व्यवस्था संसार में सबसे तेजी से बढने वाली एकौनोमीबन चुकी है, जोकि प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व की बात है तथा देश की प्रगति के लिए शुभ संकेत है। उन्होंने बताया कि हमारी जी.डी.पी. अप्रैल-जून की तिमाही में 13.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। यधपि यह भारतीय रिजर्व बैंक के आकलन 16.2 प्रतिशत से अभी भी कम है। अप्रैल-जून के आंकड़ों पर कोविड महामारी का भी कोई प्रभाव नहीं पड़ा। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा उत्कृष्ट अनुसंधान के लिए 1976 में इंडियन नेशनल एकेडमी अवार्ड से सम्मानित डॉ. ढींडसा

का कहना है कि रशिया-यूक्रेन युद्ध के प्रभाव से भी हमारी एकौनोमीअछूती रही है।

सन 2022 के बाकी भाग चुनौतियों से भरा है। मूडी ने इसका आंकलन 7.7 प्रतिशत किया है जो कि मैन्युफैक्चरिंग सैक्टर में धीमी गति के कारण हुआ है, जबकि जी.एस.टी. के अगस्त के आंकड़ों के अनुसार टैक्स में 28त्न की वृद्धि हुई है। यह सभी आंकड़े भारत की प्रगतिशील एकौनोमी को रेखांकित करते हैं।

डॉ. ढींडसा ने आगे बताया कि चीन के निम्न (0.4 प्रतिशत) ग्रोथ रेट भारत के लिए एक शुभ संकेत है और समय आ गया है कि इस अवसर का लाभ उठाकर भारत चीन के मार्किट पर कब्जा कर ले।

अलविदा तनाव आध्यात्मिक शिविर का हुआ शुभारंभ

शाहाबाद मारकंडा, 3 सितम्बर (रूबी प्रजापति) : शनिवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय प्रभु अनुभूति भवन अटारी कॉलोनी में अलविदा तनाव आध्यात्मिक शिविर का आरंभ हुआ। शिविर का शुभारंभ अंबाला सबजोन की निर्देशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी कृष्णा दीदी, पूनम बहन, नीति बहन, नगरपालिका प्रधान गुलशन कवातरा व जस्टिस राजिंदर प्रसाद ने दीप प्रज्जवलित कर किया।

शिविर के पहले दिन इंदौर से पधारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी पूनम बहन ने चिंता रहित जीवन शैली विषय पर अपने विचार रखते हुए उपस्थित लोगों का अभिनंदन किया और कहा कि यदि जीवन में सदा खुश रहने का इरादा है तो इस कार्यक्रम में लगातार शामिल हो कर बताई हुई विधियों को पालन करें। पूनम बहन ने बाह्य एवं अंतर मन की शक्तियों को पहचान उन्हें अपना आज्ञाकारी बनाने की विधि बताई। ब्रह्ममुहूर्त में उठ कर बार-बार कुछ शुद्ध श्रेष्ठ विचारों का चिंतन व्यक्ति को तन-मन और धन से तंदरुस्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि आज लोगों के पास पैसा है पर खुशी खो गई है।

इसका साधारण सा तरीका है अपनी चिंता को परमात्मा के हवाले कर दो। दिन में भी बीच-बीच में स्वयं को यदि श्रेष्ठ संकल्प देते रहें तो हमारा अंतर मन हमें खुश रहने और सफल होने में सहायता करता है। इसी प्रकार रात को सोने से पहले भी इन्ही विचारों को दोहराने से मन सशक्त हो जाता है। नींद न आने की समस्या समाप्त हो जाती है। पूनम बहन ने सभी से विशेष अनुरोध किया कि सुबह उठ कर और सोने से 20 मिनट पहले मोबाइल फोन का प्रयोग न करें और न ही कोई टीवी देखें। बीके नीति बहन ने बताया कि 11 सितंबर तक इसी प्रकार नित नई विधियों द्वारा ये उत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर डा. यशपाल वधवा, तिलकराज, आरडी गुप्ता, डा. प्रदीप गुप्ता सहित अनेक गण्यमान्य मौजूद थे।

तय मापदंडो के अनुसार हो पंचायत चुनावों में आरक्षण का कार्य

चुनावी प्रक्रिया में नियमों की दृढ़ता से की जाए पालना--
वोटर लिस्ट व वार्डबंदी को रखें अपडेट : डीसी

कैथल, 3 सितम्बर (संदीप भुकल) : जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डॉ. संगीता तेतरवाल ने कहा कि पंचायत चुनाव से जुड़े सभी अधिकारी चुनाव संबंधित सभी तैयारियां पूरी रखें। तय मापदंडो के अनुसार पंचायत चुनाव में दिए जाने वाले आरक्षण का कार्य पूरा करें। चुनावी प्रक्रिया में नियमों की दृढ़ता से पालना की जाए। सभी वोटर लिस्ट व वार्ड बंदी को अपडेट रखें। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डॉ. संगीता तेतरवाल लघु सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में पंचायत चुनाव से जुड़े अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दे रही थी।

इससे पहले पंचायत विभाग के एसीएस अनिल मलिक तथा मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी ऊंमा शंकर ने विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी उपायुक्तों से पंचायत चुनाव को लेकर समीक्षा बैठक ली। डीसी ने कहा कि हरियाणा सरकार जल्द ही पंचायत चुनावों की घोषणा करने जा रही है। इससे पहले जिला प्रशासन की ओर से सभी तैयारियां मुकम्मल होनी चाहिए ताकि चुनावी प्रक्रि या को शांतिपूर्वक सम्पन्न करवाया जा सके। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव के लिए सरकार की ओर से आरक्षण संबंधी नए अध्यादेश लाए जा रहे हैं। इनके अनुसार वार्डबंदी और आरक्षण का कार्य पूरा होना चाहिए। पंचायती राज अधिनियम के मुताबिक ही चुनाव करवाए जाएंगे। इस प्रक्रिया में कहीं कोई ढील नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सितम्बर के पहले सप्ताह में गिरतावरी का कार्य पूरा करें। साथ ही परिवार पहचान पत्र में प्रॉपर्टी आईडी का कार्य भी जल्द पूरा किया जाए। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त विरेंद्र सहरावत, एसडीएम ब्रह्म प्रकाश व नवीन कुमार, अतिरिक्त सीईओ अमित कुमार, डीडीपीओ कंवर दमन, बीडीपीओ रोजी, नरेंद्र सिंह, सुमित चौधरी, श्याम लाल आदि मौजूद रहे।

जन्मदिन पर डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने लगाया स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

416 रक्तदान शिविरों में 48522 लोगों को मिला रक्त का लाभ : डॉ. वर्मा

कुरुक्षेत्र, 3 सितंबर (सुदेश गोयल) : हरियाणा पुलिस के थानेदार डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने अपने जन्म दिन पर रक्तदान शिविर के साथ पौधारोपण, भोजन वितरण और गौ माता की सेवा से अपने जन्म दिन को सादगी पूर्ण मनाया। उन्होंने सबसे पहले पुलिस लाइन में एक पौधा रोपित किया। लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में 416वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया। शिविर में उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने 150वीं बार रक्तदान किया जिसमे वे 68 बार प्लेटलेट्स भी दान कर चुके हैं। 17000 से अधिक पौधे रोपित कर चुके डॉ. वर्मा पर्यावरण संरक्षण के लिए विशेष रूप से प्रयास कर रहे हैं। रक्तदान शिविर में डॉ. प्रवीण की अध्यक्षता में नर्सिंग अफसर गुरजिंद्र कौर, करनैल सैनी, राजेंद्र, सुशील मैहला ने शिविर का संचालन किया। अनेक बार रक्तदान कर चुके देवेंद्र कुमार और प्रशांत शर्मा ने शिविर की अध्यक्षता की और रक्तदान भी किया।

उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि उन द्वारा अब तक लगाए गए 416 रक्तदान शिविरों में 48522 लोगों को मिला है जिसमे थैलीसीमिया से पीड़ित बच्चे, सड़क दुर्घटनाओं में घायल और उपचारधीन व्यक्ति आदि आते है। उन्होंने कहा कि उनके परिवार में दो पुत्रियां और एक पुत्र हैं जो नियमित रक्तदान करते हैं और वे भी अपने जन्मदिन पर रक्तदान के साथ पौधारोपण करके ही जन्मदिन मनाते हैं। उन्होंने बताया कि बहुत लोग आज ऐसे हैं जो प्रसन्नता के अवसर आदि पर रोटी बैंक के माध्यम से भोजन वितरण कर अपना जन्मदिन मना रहे हैं। शिविर में इन्होने किया रक्तदान- उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा, रवि कुमार, राजेंद्र कुमार, अमित कुमार, गुरप्रीत सिंह, प्रशांत शर्मा, संदीप, मुकेश, देवेंद्र कुमार, दिनेश कुमार, जगतार सहित 12 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया।

पत्नी नाराज़ होकर मायके गई तो पति ने ससुर को जेल पहुंचाने की रची साजिश

गुरुग्राम, 3 सितम्बर (निस) : पत्नी नाराज होकर मायके चली गई तो पति ने अपने ससुरालवालों को सबक सिखाने की ठान ली। इसके लिए उसने महिला के नाम से सिम खरीदी और ठेकेदार को कॉल करके पैसों की मांग कर डाली। रंगदारी न देने पर ठेकेदार को अंजाम भुगतने की भी धमकी दी। फोन पर रंगदारी की बात सुनकर घबराए ठेकेदार ने पुलिस से संपर्क किया और सारी जानकारी दी।

पुलिस ने मामले की तफ्तीश की तो सारी बात खुल गई, जिसके बाद आरोपी दामाद को गिरफ्तार कर लिया गया।

गुरुग्राम के एसीपी क्राइम प्रितपाल सिंह ने इस घटना की जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी ने एक महिला के नाम पर फर्जी तरीके से सिम जारी करवाया और फिर वॉट्सऐप कॉल के जरिए वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेशकर रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

दरअसल आरोपी मोहम्मद रियाज आलम ठेकेदार के पास सरिया बांधने का काम करता था। कुछ समय पहले इसकी अपनी पत्नी से अनबन हो गई थी, जिसके कारण इसकी पत्नी अपने मायके चली गई थी।

कई बार प्रयास के बाद भी उसके ससुर ने अपनी बेटी को वापस नहीं भेजा। इस बात की रंजिश रखते हुए आरोपी ने वारदात को अंजाम देने की साजिश रची।

आरोपी ने बिहार जाकर एक महिला के नाम से सिम जारी करवाई और उसके माध्यम से ठेकेदार को कॉल किया। कॉल करते वक्त उसने अपने ससुर का नाम इस्तेमाल किया और दस लाख रुपये की मांग की। रुपये लेने के लिए आरोपी ने ठेकेदार को अपने ससुर के बैंक खाते की डिटेल भी दी। बहरहाल पुलिस ने इस आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी से पूछताछ जारी है।

हिमाचल में टिकट पाने वालों की होड़, कांग्रेस की 68 सीटों के लिए 1347 लोगों ने किया आवेदन

शिमला, 3 सितम्बर (निस) : हिमाचल कांग्रेस में हिमाचल प्रदेश में जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आ रहा है। टिकट चाहने वालों के बीच होड़ लग गई है। सूबे की 68 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस की ओर से चुनाव लड़ने के लिए 1347 आवेदन किए गए हैं। आवेदन के अंतिम दो दिनों में 1 हजार से ज्यादा आवदेकों ने आवेदन किया। आवेदन प्रक्रिया के आखिरी दिन सर्वाधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। कांग्रेस उपाध्यक्ष नरेश चौहान ने 1347 आवेदन आने की पुष्टि की है। कांग्रेस उपाध्यक्ष नरेश चौहान ने बताया कि 677 लोगों ने ऑनलाइन और 670 ने ऑफलाइन आवेदन किया है। कुल 1347 आवेदन मिले हैं। बता दें कि इस बार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए प्रधान, पार्षद से लेकर कई बड़े नेताओं ने आवेदन किए हैं।

फिलहाल, शिमला शहरी सबसे हॉट सीट बनी हुई है। यहां से 40 लोगों ने आवेदन किया है। शिमला शहरी से हिमुडा के पूर्व उपाध्यक्ष व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव यशवंत छाजटा और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अरुण शर्मा ने भी आवेदन किया है। छाजटा पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के करीबियों में शामिल है। इसके अलावा, पूर्व उपमहापौर हरीश जनार्था, प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष नरेश चौहान, पूर्व पार्षद और कांग्रेस के पूर्व राज्य कोषाध्यक्ष सुरेंद्र चौहान, पार्षद आनंद कौशल, प्रदेश सचिव संजीव कुठियाला, सचिव वेद प्रकाश ठाकुर ने भी आवेदन किया है। यहां से भाजपा के सुरेश भारद्वाज तीन बार के विधायक हैं।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार से अगले तीन दिन तक आवेदनों की स्क्रूटनी की जाएगी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने दीपा दासमुंशी की अध्यक्षता में स्क्रीनिंग कमेटी का गठन किया है। 5 सितंबर को दिल्ली में इस कमेटी की बैठक होगी। सूत्रों का दावा है कि कांग्रेस हाईकमान 15 सितम्बर तक उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर सकती है।

स्वैच्छिक अवकाश लेने के एक दिन बाद कांग्रेस में शामिल हुए ख्यात बाल रोग विशेषज्ञ डॉ पन्नालाल

मंडी, 3 सितम्बर (निस) : हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव का समय नजदीक आने के साथ ही सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। सूबे में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में दल-बदल के साथ-साथ चुनाव लड़ने के दावेदारों की भी फौज बढ़ रही है। मंडी जिला के धर्मपुर उपमंडल से संबंध रखने वाले प्रसिद्ध बाल रोग विशेषज्ञ डॉ पन्नालाल ने कांग्रेस का दामन थाम लिया है।

31 अगस्त को ही पन्ना लाल ने मंडी के नेरचौक मेडिकल कॉलेज से ऐच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) ली और प्रदेश कांग्रेस के हाईकमान के बुलावे पर गुरुवार को कांग्रेस पार्टी मुख्यालय शिमला में विधिवत रूप से सम्मिलित हो गए। डॉ पन्नालाल धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के हियुन गांव से हैं और इनके दादा स्वतंत्रता सेनानी रहे हैं। इनकी पृष्ठभूमि ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा करने की रही है और इनकी प्रारंभिक शिक्षा गांव के स्कूल में और हाई स्कूल की शिक्षा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय टिहरा से तथा प्री मेडिकल की शिक्षा राजकीय महाविद्यालय मंडी से हुई है।

इन्होंने पीएमटी की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उतीर्ण करके मेडिकल कॉलेज शिमला से एमबीएस तथा शिशु रोग विशेषज्ञ के रूप में आईजीएमसी शिमला से प्रथम श्रेणी में डिर्गी हासिल की। इसके बाद नागरिक अस्पताल सरकाघाट में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी और उसके बाद मेडिकल कॉलेज नेरचौक में जून 2021 से मेडिकल सुपरिंटेंडेंट के पद पर उन्होंने अपनी सेवाएं दी।

डॉ पन्नालाल ने गत दिन 31 अगस्त को ऐच्छिक सेवानिवृत्ति ली है और शुक्रवार को ही कांग्रेस कार्यलय शिमला में विधिवत रूप से कांग्रेस का दामन थाम लिया है। डॉ पन्नालाल लोगों में बेहद लोकप्रिय हैं और उनके धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की चर्चा है।

निजी स्कूल बस में लगी आग, चालक और 15 बच्चे सुरक्षित निकले

चरखी दादरी, 3 सितम्बर (निस) : हरियाणा के चरखी दादरी के कस्बा बाढड़ा के गांव टोडी के समीप शुक्रवार सुबह एक निजी स्कूल की बस में अचालक आग लग गई। आग लगने से बस धूं-धूंकर जलने लगी। हालांकि, चालक की सुझबूझ के चलते बस में सवार सभी 15 बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बताया जाता है कि बस में शार्ट सर्किट के चलते आग लगी थी। फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया वहीं पुलिस भी मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। उल्लेखनीय है कि गांव कान्हड़ा के श्रीराम पब्लिक स्कूल की बस बच्चों को लेने गांव पिचौपा की ओर जा रही थी। बस जब बाढडा-झोझू रोड पर गांव टोडी के समीप पहुंची तो अचानक बस में आग लग गई। बस चालक महीपाल के मुताबिक, शॉर्ट-सर्किट से आग लगी थी। आग की लपटें तेज होती, इससे पहले ही बस चालक ने सभी 15 बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल दिया। आग लगने की सूचना तुरंत फायर ब्रिगेड व पुलिस को दी गई। फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर कुछ देर बाद आग पर काबू पाया। आग कैसे लगी, यह पता नहीं चल सका है।

एफएसएसएआई ने फर्रूखाबाद की जेल को खाने में दी श्रेष्ठ रेटिंग -1100 कैदियों का रोज सुबह शाम बनता है भोजन

फर्रूखाबाद, 3 सितम्बर (निस) : देश में अधिकांश जेलों में खाने की गुणवत्ता को लेकर शिकायतें सुनने को आती है। यहां तक कि जब घर में खाना बढ़िया न बने तो लोग कहते हैं कि इससे अच्छा खाना तो जेल में मिलता होगा। हालांकि, इस बात को उत्तर प्रदेश के फर्रूखाबाद जेल ने सही साबित कर दिया है क्योंकि जिला कारागार के खाने को 5 स्टार रेटिंग मिली है। इस तरह से फर्रूखाबाद की फतेहगढ़ जेल यह उपलब्धि हासल करने वाली यूपी की पहली जेल बन गई है। दरअसल, फर्रूखाबाद की जिला कारागार की रसोई को आधुनिक कर दिया गया है। जेल के अंदर इस नई पाकशाला में खाना बनाने के लिए आधुनिक मशीनें लग गई हैं। इनमें हाथ के बजाय अब मशीनों से खाना तैयार हो रहा है। यही वजह है कि बंदियों को गुणवत्तापूर्ण भोजन देने और खाद्य सामग्रियों के बेहतर रख-रखाव के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने प्रमाण पत्र प्रदान किया है, जिसमें फाइव स्टार रेटिंग है।

एफएसएसएआई यानी भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण ने इस फतेहगढ़ जेल को अपने कैदियों को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता के लिए पांच सितारा रेटिंग जारी की है। दरअसल, पिछले दो सालों से कोरोना महामारी को देखते हुए फतेहगढ़ जिला जेल में नई पाकशाला का निर्माण करवाया गया। जिला कारागार में रोजाना करीब 1100 लोगों के लिए दोनों शिफ्ट की रसोई तैयार होती है। अभी तक रोटी, सब्जी, दाल आदि बनाने में कैदियों की मदद ली जाती थी और मैनुअली होने की वजह से इसमें काफी समय लगता है। प्रत्येक पाली का भोजन तैयार करने में करीब पचास कैदियों को जुटना पड़ता है।

मगर अब जेल प्रशासन ने व्यवस्था को सुधार कर इसे आधुनिक कर दिया है। यहां रोटी बनाने के लिए दो बड़ी रोटी मेकर मशीनें लगी हैं। आटा गूंथने की मशीन अलग लगाई गई है।

सब्जी कटर से काटी जाती है। जेल अफसरों का कहना है कि इतने लोगों की रसोई तैयार करने में करीब छह घंटे लगता है। समय पर खाना तैयार करने के लिए सुबह चार बजे से इसका काम शुरू करा दिया जाता था। 11 बजे तक खाना बनता था। शाम की पाली का खाना दोपहर तीन बजे से बनना आरंभ हो जाता है। मशीनों के इस्तेमाल से करीब 50 प्रतिशत समय कम हो गया है। मशीनों के इस्तेमाल से साफ-सुथरा खाना कैदियों को मुहैया हो रहा है। पहले जेल में रोटी फुलाने के लिए नारियल की झाड़ का इस्तेमाल होता था। अब रोटियां सिर्फ मशीनों से ही बनाई जाती है। जिला जेल अधीक्षक भीम सेन मुकुंद ने बताया कि बंदियों को सुबह नाश्ता 9 बजे तक दोपहर का खाना 12 तक दिया जाता है। फिर शाम का खाना 6 बजे तक दिया जाता है। भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा चयनित इस पाकशाला में बंदियों को दिए जाने वाले भोजन, रखर-खाव, किचन, फूड स्टोरेज, पेयजल संसाधन की जांच की जाती है। यह जेल उत्तर प्रदेश की पहली भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण द्वारा प्रमाणित जेल है।

शादी के नाम पर ठगी करने वाली दुल्हन की पंडित ने खोल दी पोल, पहुंच गई जेल

फिरोजपुर, 3 सितम्बर (निस) : शादी के नाम पर लोगों को ठगने वाली लुटेरी दुल्हनों की खबरे खूब सुनी जा रही हैं पंजाब के फिरोजपुर जिले के कैंट इलाके में शादी के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह को पुलिस ने पकड़ लिया। एक मंदिर में शादी के दौरान पंडित ने दुल्हन का आधार मांगा तो उन्होंने कहा कि कल इसी आईडी वाली लड़की की शादी करवा चुका हूं। इसके बाद पंडित ने दूसरी आईडी मांगी तो दुल्हन के साथ आए रिश्तेदार फरार हो गए। वहीं घटना की सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दुल्हन के साथ-साथ कुछ अन्य लोगों को पकड़ लिया। पुलिस ने कुल 7 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दर्ज कराई गई शिकायत में बताया गया है कि फतेहाबाद के रहने वाले रवि की शादी के लिए उसके परिजन लड़की तलाश रहे थे। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान उन्हें एक बिचौलिया मिला। उसने लड़के के मामा से कहा कि फिरोजपुर में एक लड़की है, जिसे आप देख सकते हैं और शादी करने का विचार बना सकते हैं। इसके बाद लड़का और उसके मामा दोनों फिरोजपुर पहुंच गए। वहां उनकी मुलाकात दीपा नाम की महिला से हुआ। बातचीत करने के बाद दोनों ने दीपा का आईडी फ्रूफ भी देखा और फिर शादी की बात फाइनल हो गई। इसके बाद रवि के परिजनों ने शादी की तैयारी शुरू कर दी और जेवरात भी खरीद लिये। वहीं लड़की पक्ष के लोग मंदिर पहुंच गए। मंदिर में शादी की रस्में शुरू हुईं तो पुंडित ने लड़की का आधार कार्ड मांगा। जब लड़की के साथ आए कथित रिश्तेदारों ने तारा अरोड़ा के नाम का आधार कार्ड दिखाया तो पुजारी ने बताया कि उन्होंने कल इसी आईडी वाले नाम से शादी कराई है। इसके बाद पुजारी ने बीते दिन हुई शादी का सबूत भी दिखाया। पंडित ने जब लड़की से असली आईडी प्रूफ मांगा तो उसके साथ आए लोग फरार हो गए। वहीं जब शक बढ़ने लगा तो पुलिस को सूचना दे दी गई। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दुल्हन सहित चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं इस घटना को लेकर फिरजोपुर जिले के कैंट थाना के प्रमुख जसविंद सिंह बराड़ ने कहा कि आरोपी एक गिरोह बनाकर लोगों के साथ शादी के नाम पर ठगी कर रहा था।

छत्तीसगढ़ प्रदेश के सभी सरपंच 10 सितंबर को राजधानी में देंगे महाधरना

बिलासपुर, 3 सितम्बर (निस) : छत्तीसगढ़ प्रदेश के सभी सरपंच 10 सितंबर को राजधानी में देगें महाधरना ।प्रदेश सरपंच संघ द्वारा पुराने बस स्टैंड स्थित प्रीत होटल में प्रदेश स्तरीय बैठक आहुत किया गया जिसमें सरपंच संघ प्रदेश अध्यक्ष श्री उपाध्याय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पंचायत चुनाव के बाद चुनाव में विजयी होकर आए हुए राज्य के सभी सरपंच अपने मौलिक अधिकार और संविधानिक अधिकारों से वंचित हैं। और प्रदेश सरपंच संघ छत्तीसगढ़ द्वारा 13 सूत्रीय मांगों को लेकर 22 अगस्त से सभी ब्लाकों में अनिश्चित कालीन हड़ताल पर बैठे हुए हैं। साथ ही अगर सरकार द्वारा सरपंचों की उक्त मांगों को शीघ्र ही पूरा नहीं किया गया तो आगामी 10 सितंबर को छत्तीसगढ़ सरपंच संघ द्वारा राजधानी रायपुर में महाधरना किया जाएगा ।छत्तीसगढ़ सरपंच संघ के प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मी जायसवाल ने बैठक में उपस्थित सरपंचों को संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना महामारी के चलते सभी सरपंचों का कार्य बाधित रहा है इसका ध्यान रखते हुए हमारे राज्य से लगा हुआ मध्य प्रदेश शासन द्वारा वहां के सरपंचों का कार्यकाल दो वर्ष के लिए और बढ़ा दिया है और हमारा भी छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री से मांग है कि शीघ्र ही सरपंचों के हित में ध्यान रखते हुए यहां भी दो वर्ष तक कार्यकाल बढ़ाया जाए। इस प्रकार बैठक में प्रधानमंत्री आवास में 2 लाख रुपए वृद्धि किया जाए, सरपंचों का मानदेय 20 हजार, उपसरपंच का 10 हजार तथा पंचों का मानदेय 5 हजार रुपए वृद्धि किया जाए साथ ही सरपंचों का आजीवन पेंशन 10 हजार रुपये मासिक, सरपंच निधी,धारा 40 को तत्काल संशोधन किया जाए इसके अलावा नरेगा में निर्माण, सामाग्री भुगतान राशि 3 महिने के अंदर होना चाहिए और नक्सल क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा सरपंच को मारे जाने पर 20 लाख रुपए मुआवजा राशि परिवार के सदस्यों को तात्विक दिये जाने सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा किया गया। श्रीमती शशि जगत, भरत दास मानिकपुरी, होरी लाल माथूर, क्रांति गिरी गोस्वामी, श्रीमती जानकी राठीया, मिथलेश बघेल,अन्नू तारक , रमाकांत साहू, श्रीमती सरिता बघेल, रामनिवास निवास राठौर, राजकुमार पाण्डेय पदाधिकारियों के सहित राज्य के बलरामपुर, रायपुर, जशपुर, सरगुजा, बलौदा बाजार, कोरबा, जांजगीर, मुंगेली, पेन्ड्रा मरवाही, महासमुंद के सरपंच संघ के जिलाध्यक्ष एवं ब्लाक अध्यक्ष बड़ी संख्या में बैठक उपस्थित हुए।

वाहन चोर दबोचा-7 बाइक बरामद

शिवपुरी, 3 सितम्बर (निस) : जिले की पिछोर थाना पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी की साथ बाइक बरामद की है पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है ।

जानकारी के अनुसार पिछोर थाना प्रभारी गब्बर सिंह गुर्जर अपने मय दलबल के साथ 31 अगस्त को पिछोर थाना क्षेत्र के खनिज नाका नए चौराहा चंदेरी रोड पर पॉइंट लगाकर वाहन चैकिंग कर रहे थे। इसी दौरान एक युवक बाइक पर सवार होकर आ रहा था। जिसे रोककर बाइक के कागज साबित ड्राइविंग लाइसेंस की मांग की तो युवक के पास कुछ भी नहीं था। जिसके बाद युवक को बाइक के साथ थाने लाया गया। जहां युवक ने अपना नाम दीपेश शाहू निवासी अचरौनी बताया।

पूछताछ के दौरान युवक ने बाइक को चोरी का वाहन बताया जब पुलिस ने युवक से कढ़ाई से पूछताछ की तो दीपेश ने अपने दो साथी गोलू साहू निवासी अचरौनी और पिंटू साहू नयागांव के नाम बताए। गौरतलब है कि जिस थाना क्षेत्र में दीपेश जिस बाइक को लेकर घूम रहा था उसी क्षेत्र के थाने में उसकी बाइक की चोरी शिकायत दर्ज थी। पुलिस ने आरोपी दीपेश से जब कढ़ाई से पूछताछ की तो आरोपी द्वारा बताया कि वह अपने दो अन्य गोलू और पिंटू के साथ मिलकर बाइक चोरी करतें है जिसके बाद चोरी की गई बाइक का सामान बदलकर अन्य लोगो को बेचते है। साथ ही बाइक बेचने के काम भी करते है। पिछोर थाना पुलिस ने आरोपी दीपेश की निशानदेही पर अब तक कुल सात बाइक को जब्त कर लिया है। पुलिस आरोपी से वाहन चोरी की घटनाओं के संबंध में पूछताछ कर रही है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

शिवपुरी, 3 सितम्बर (निस) : शहर के फतेहपुर कालोनी में एक 20 साल के युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक अपने 3 अन्य छात्रों के साथ किराए का कमरा लेकर अग्निवीर (आर्मी) सहित पुलिस की तैयारी कर रहा था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, बदरवास थाना के ब्रहमथाना का रहने वाला 20 साल का रामप्रसाद लोधी 12वीं पास करने के बाद शिवपुरी में अग्निवीर आर्मी सहित पुलिस की तैयारी करने के लिए शिवपुरी के फतेहपुर में किराए से कमरा लेकर रह रहा था। रामप्रसाद के साथ गांव के ही छात्र अंकेश दांगी, रामवीर दांगी, उम्मीद दांगी भी अपनी तैयारी के लिए रह रहे थे। बीते रोज रामप्रसाद का चचेरा बड़ा भाई दुर्गेश दांगी को रामप्रसाद ने मिलने के बुलाया था। दुर्गेश ने बताया कि रामप्रसाद के कमरे पर रामप्रसाद के तीन अन्य साथियों के साथ उसने खाना बनाया था और खाने के बाद वह अपनी परिचित नेहा राजपूत के यहां चला गया था। दुर्गेश ने रात रामप्रसाद से फोन पर बात भी की थी। रामप्रसाद के साथ रह रहे उम्मेद ने सुबह 5:00 बजे दुर्गेश को फोन लगाकर बताया कि रामप्रसाद ने किचन में फांसी लगा ली। दुर्गेश रामप्रसाद के कमरे पर पहुंचा तो रामप्रसाद फांसी के फंदे पर लटका था। इसकी सूचना दुर्गेश ने तत्काल पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने रामप्रसाद के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी।

मूर्ति चोर नकाबपोश पर 5 हजार का ईनाम

बिलासपुर, 3 सितम्बर (निस) : पुलिस कप्तान पारूल माथुर ने मस्तूरी थाना क्षेत्र स्थित मंदिर से मूर्ति चोरी करने वाले अज्ञात नकाबपोश अपराधी के खिलाफ इनाम का एलान किया है। आदेश में बताया गया है कि अपराध क्रमांक 483 / 2022 आईपीसी की धारा 458, 397 प्रकरण में अज्ञात नकाबपोश को पकड़वाने वालों को पांच हजार रूपया ईनाम दिया जाएगा। आदेश में पुलिस कप्तान ने बताया कि प्रकरण के अज्ञात आरोपियों को हरसंभव पकडने का प्रयास किया जा रहा है। टीम बनाकर फरार आरोपियों की पतासाजी की जा रही है। बावजूद इसके अज्ञात आरोपियों तक पुलिस अब तक पहुंचने में असफल रह हैै। पुलिस रेग्युलेशन के तहत समस्त धिकारों का प्रयोग करते हुए एलान करती हूं कि प्रकरण के आरोपियों के बारे में सूचना देने वाले अथवा मदद करने वालों को पुलिस प्रशासन सम्मानित करेगा। साथ ही रूपए पांच हजार का ईनाम भी दिया जाएगा। पुलिस कप्तान ने घोषणा के साथ यह भी बताया कि जानकारी देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। पुलिस ने जानकारी दिए जाने को लेकर मोबाइल नम्बर भी जारी किया है।कोई भी व्यक्ति अज्ञात आरोपी की जानकारी 07752223330, मो.नं. 9479193001, 07752223193, मो. नं. 9479193003, 07752228504, मो.नं. 9479193099 जानकारी साझा कर सकता है। बताते चलें कि पिछले दिनों मस्तूरी थाना क्षेत्र स्थित एक गांव से नकाबपोश ने पुजारी को बंधक बनाकर मूर्ति को तोड़कर चोरी को अंजाम दिया। पुलिस मामले में लगातार पतासाजी कर रही है।

महापौर रामशरण यादव ने बोर का किया उद्घाटन

1000 परिवारों को पानी की किल्लत से मिलेगी राहत

बिलासपुर, 3 सितम्बर (निस) : लिंक रोड स्थित बुखारी पेट्रोल पंप के आसपास रहने वाले करीब 1000 परिवारों को अब पेयजल के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। सांसद विवेक तन्खा के मद से यहां कराए गए बोर से इनकी प्यास बुझेगी। महापौर रामशरण यादव व सभापति शेख नजीरुद्दीन ने गुरुवार को जैसे ही बोर का उद्घाटन किया, आसपास रहने वाले नागरिकों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

वार्ड क्रमांक 26 शहीद असफाक उल्ला में शामिल लिंक रोड एरिया में सालों से पेयजल की समस्या बनी हुई थी। बरसात के दिनों में तो जैसे-तैसे यहां रहने वाले करीब 1000 परिवार पेयजल की व्यवस्था कर लेते थे, लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत उन्हें गर्मी के दिनों में होती थी। इस वार्ड का प्रतिनिधित्व नगर निगम के सभापति नजीरुद्दीन करते हैं। नागरिकों ने पेयजल की समस्या को लेकर सभापति से मुलाकात की और एक बोर खनन कराने की मांग की, जिस पर उन्होंने उन्हें जल्द ही समस्या का निदान करने का आश्वासन दिया था।

महापौर यादव व सभापति की मांग पर राज्यसभा सांसद तन्खा ने बुखारी पेट्रोल पंप के पास बोर खनन के लिए अपनी निधि से राशि स्वीकृत की। गुरुवार को मेयर व सभापति ने जैसे ही बिजली का बटन दबाया, बोर से जल की धारा बहने लगी। पर्याप्त मात्रा में पानी निकलते देख वहां मौजूद नागरिकों ने भी खुशी जाहिर की। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य राजेश शुक्ला, अजय यादव, पार्षद अब्दुल खान, रवि साहू, संजू मलिक, सोनू विश्वकर्मा, पप्पू शुक्ला, नज्जू भाई, शिवा नायडू, अर्जुन सिंह, अनुराग दुबे, जावेद आदि मौजूद रहे।

350 करोड़ रुपए की लागत से जल्द बनाया जाएगा 4 लेनवाला नूंह-अलवर सड़क प्रोजेक्ट

नूंह, 3 सितम्बर (निस) : जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के राष्ट्रीय महासचिव दिग्विजय चौटाला रविवार को नूंह जिला के कस्बा पिनगवां पहुंचे। यहां पुनहाना से कांग्रेस विधायक मोहम्मद इलियास के बेटे और जजपा नेता एडवोकेट जावेद खान ने सैंकड़ों मोटरसाइकिल और वाहनों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। पिनगवां में आयोजित युवा शक्ति सम्मेलन में हजारों युवाओं ने भाग लिया और उनका पगड़ी बांधकर स्वागत किया।

इस मौके पर एडवोकेट जावेद खान ने दिग्विजय सिंह चौटाला के सामने मेवात में विश्वविद्यालय बनाने सहित कई मांगे रखी।

दिग्विजय सिंह चौटाला ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि नूंह से अलवर राजस्थान बॉर्डर तक के सड़क को मेवात के लोग खूनी रोड से जानते थे। दो साल पहले दुष्यंत चौटाला ने इसे फोरलेन बनाने की घोषणा की थी, लेकिन कोरोना के चलते इसका निर्माण नहीं हो सका।

उन्होंने कहा कि करीब 350 करोड़ रुपए की लागत से नूंह-अलवर रोड को बनाया जाएगा और इसके लिए जल्दी ही टेंडर निकाले जाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के 10 साल के राज में रोजका मेव इंडस्ट्रियल एरिया में एक भी कंपनी नहीं आई, जबकि दुष्यंत चौटाला के प्रयासों से जापानी बैट्री कंपनी फैक्ट्री लगा रही है। इसमें करीब 20,000 कर्मचारियों की जरूरत पड़ेगी, जिसमें मेवात के युवाओं को 75 फ़ीसदी आरक्षण दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि लोगों की डिमांड पर प्रदेश के गांव-गांव में वर्ल्ड क्लास एडवांस लाइब्रेरी खोली जाएंगी। वहीं दिग्विजय चौटाला ने कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार पंचायत चुनाव जल्द कराने की चुनाव आयोग को कह चुकी है। अब यह काम चुनाव आयोग का है, लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि हरियाणा में पंचायत चुनाव जल्द होंगे।

वहीं एक सवाल के जवाब में दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा कि पंचायत चुनाव सिंबल पर लड़ने या फिर भाजपा के साथ लड़ने के बारे में अभी कोई फैसला नहीं हो सका है। नूंह जिला में अध्यापकों के तबादले को लेकर और दूसरे जिलों से मेवात के अध्यापकों के न आने और आठवीं से अध्यापकों का 10वीं और 12वीं कक्षा में तबादला करने के मामले को लेकर दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा कि मेवात में किसी भी कीमत पर अध्यापकों की कमी नहीं रहने दी जाएगी। वह इस बारे में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला से बात करेंगे।

अखिलेश के भेजे दल के लोगों से पीड़िता ने मिलने से किया इंकार, सपा में घमासान

नोएडा, 3 सितम्बर (निस) : नोएडा की एक आवासीय सोसायटी में एक गालीबाज नेता श्रीकांत त्यागी को गैंगेस्टर का मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है, मगर अब ठंडे पड़ रहे प्रकरण को सियासी हवा देकर दोबारा गर्म करने की कोशिशें शुरू हो गई है। खासकर पश्चिम यूपी की कई सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाने वाले त्यागी समाज को अपने पाले में लाने की कोशिशें राजनीतिक दलों ने शुरू कर दी हैं। ऐसे में सपा ने मामले में एंट्री मारने का फैसला किया है। उसने दोनों पक्ष की पीड़ित महिलाओं से मुलाकात के लिए दल नामित किया है, जिसमें प्रताड़ित पक्ष की महिला (जिसके साथ अभद्रता हुई) ने नेताओं से मिलने को इनकार कर दिया है।

सपा प्रतिनिधि मंडल के दौरे से पहले ही नोएडा में पार्टी में बगावत शुरू हो गई है। त्यागी समाज को साधने के चक्कर में पार्टी के वैश्य समुदाय के नेता बगावत पर उतर आए। इसी क्रम में महानगर उपाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार वर्णवाल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश अध्यक्ष को इस्तीफा भेज दिया। उन्होंने महिला के साथ धक्का-मुक्की के साथ वैश्य जाति पर अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करने वाले परिवार से मिलने के पार्टी के निर्णय से असहमती जताई। साथ ही सहयोगियों संग प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने का एलान किया।

नोएडा के फेज-2 थाना क्षेत्र के सेक्टर-93बी स्थित ग्रैंड ओमेक्स सोसाइटी निवासी गालीबाज नेता श्रीकांत त्यागी का पांच अगस्त को कुछ पौधे लगाने को लेकर महिला से विवाद हो गया था। महिला ने श्रीकांत त्यागी पर पौधे लगाकर जमीन कब्जाने का आरोप लगाया तो श्रीकांत ने महिला से अभद्रता करते हुए गालियां देकर धमका दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद आरोपी के खिलाफ पुलिस ने छेड़छाड़ का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। बाद में मामला बढ़ने पर 10 लोगों पर एफआरआई दर्ज हुई।

हरियाणा सरकार ने 16 आईएएस अधिकारियों के स्थानांतरण एवं पदस्थापना के आदेश दिए

चंडीगढ़, 3 सितम्बर (निस) : हरियाणा सरकार ने तत्काल प्रभाव से 16 आईएएस अधिकारियों के स्थानांतरण एवं पदस्थापना आदेश जारी किए। रोजगार विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव वरिंदर सिंह कुंडू को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन तथा चकबंदी विभागों का अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं वित्तीय आयुक्त नियुक्त किया गया है। जी अनुपमा, मुख्य प्रशासक, व्यापार मेला प्राधिकरण हरियाणा, नई दिल्ली और अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग को अतिरिक्त मुख्य सचिव, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

विजयेंद्र कुमार, प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, प्रमुख सचिव, तकनीकी शिक्षा विभाग और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, हरियाणा सरस्वती हेरिटेज बोर्ड को प्रमुख सचिव, सैनिक और अर्धसैनिक कल्याण विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के आयुक्त एवं सचिव पंकज अग्रवाल को सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के आयुक्त एवं सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। टी एल सत्यप्रकाश, महानिदेशक और विशेष सचिव, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग, महानिदेशक, शहरी संपदा, हरियाणा और ड्रोन इमेजिंग इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स ऑफ हरियाणा लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को प्रबंध निदेशक, हरियाणा अंतरराष्ट्रीय बागवानी विपणन निगम, गन्नौर का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। डॉ शालीन, विशेष सचिव, राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग तथा प्रबंध निदेशक, हरियाणा राज्य भंडारण निगम लिमिटेड को रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, हरियाणा और प्रबंध निदेशक, हरियाणा राज्य भंडारण निगम लिमिटेड का दायित्व दिया गया है। गौरतलब है कि इससे करीब एक सप्ताह पहले ही हरियाणा सरकार ने कई आईएएस अफसरों का तबादला किया था। हरियाणा सरकार लगातार प्रशासनिक स्तर पर बदलाव कर रही है। पहले किए गए तबादलों में 54 आईएएस अफसरों को इधर से उधर किया था। हालांकि अभी तक इन प्रशासनिक बदलावों के पीछे सरकार की मंशा के बारे में कोई स्पष्ट जवाब नहीं आया है। हरियाणा सरकार ने गुरुवार तक एक सप्ताह के अंदर कुल 70 आईएएस अफसरों का स्थानांतरण कर दिया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से चौकीदार की मौत-मामला दर्ज

घरौंडा, 3 सितंबर (नरेन्द्र लाठर) : कोहंड शनि मंदिर के पास अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश के कुदरोली निवासी बच्चन सिंह पुत्र मथुरा कोहंड शनि मंदिर के नजदीक प्रकाश ट्रेडिंग कंपनी में बतौर चौकीदार कार्य करता था।

वीरवार की रात करीब नौ बजे बच्चन सिंह जीटी रोड पार करके कुछ सामान लेने जा रहा था तो किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी।

हादसा होता देख आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हो गए और उसे घरौंडा के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मामले की सूचना पुलिस को की। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए करनाल कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज में भिजवा दिया। शिकायतकर्ता विनित ने बताया है कि उसका मौसा बच्चन सिंह रात को बीडी लेने के लिए सड़क पर गया था और अज्ञात वाहन की टक्कर से उसकी मौत हो गई। शुक्रवार की सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

जांच अधिकारी रोहताश ने बताया कि एक्सीडेंट में बच्चन सिंह की मौत हो गई थी।

शिकायत के आधार पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। छानबीन की जा रही है।

एक भगौड़ा अपराधी गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र, 3 सितंबर (सुदेश गोयल) : पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र सुरेन्द्र सिंह भौरिया के निर्देशानुसार भगौडे अपराधियों की धर-पकड तेज करते हुए जिला पुलिस कुरुक्षेत्र ने भगौडे अपराधी धर्मबीर पुत्र पाला राम वासी ईशरगढ थाना सदर थानेसर जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कुरूक्षेत्र कर्ण गोयल ने जानकारी देते हुए ने बताया कि आरोपी धर्मबीर पुत्र पाला राम वासी ईशरगढ थाना सदर थानेसर जिला कुरुक्षेत्र को थाना शहर थानेसर के अन्तर्गत वर्ष 2017 में लेन-देन के मामले में शेर सिंह, जेएमआईसी कुरुक्षेत्र की अदालत से 26 मई 2021 को भगौड़ा अपराधी घोषित किया था। भगौड़े अपराधी पकड़ो प्रकोष्ठ के उप निरीक्षक सुरजीत सिंह, दलबीर सिंह, सहायक उप निरीक्षक महाबीर सिंह व हवलदार गुरलाल की टीम ने भगौड़े आरोपी धर्मबीर पुत्र पाला राम वासी ईशरगढ थाना सदर थानेसर जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को माननीय अदालत में पेश किया गया।

दीपक कुमार शर्मा ने बॉक्सिंग में राष्ट्रीय स्तर पर ब्रोंज मेडल जीत क्षेत्र का किया नाम रोशन

घरौंडा, 3 सितंबर (नरेन्द्र लाठर) : उपमंडल के गांव अलीपुर खालसा के दीपक कुमार शर्मा ने बॉक्सिंग प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर ब्रोंज मेडल जीतकर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। 28 वर्षीय दीपक शर्मा मेडल लेकर अपने गांव पहुंचा तो परिवार के लोगों ने उसका भव्य स्वागत किया।

इस दौरान दीपक शर्मा ने बताया कि 28 अगस्त से एक सितंबर तक बी.डी.एफ.आई. की ओर से सोनीपत के ऋषिकूल विद्यापीठ में राष्ट्रीय स्तर की बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस दौरान उसने 75 से 80 किलोग्राम भार प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जिसमें उसके कुल चार मुकाबले हुए जिसमें ब्रोंज मेडल उसके नाम हुआ। दीपक कुमार शर्मा ने बताया कि वह 12वीं कक्षा की पढ़ाई के बाद एक प्राइवेट कंपनी में परिवार की आजीविका के लिए नौकरी करता है।

साथ ही बॉक्सिंग के खेल का नियमित अभ्यास करता है। अपने अभ्यास की बदौलत ही वह मेडल जीतने में सफल हो पाया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में ओर अच्छे प्रदर्शन के लिए वह निरंतर अपने खेल का अभ्यास करेगा और अच्छा प्रदर्शन कर अपने गांव, प्रदेश और देश का नाम रोशन करने का काम करेगा।

दीपक ने कहा कि युवाओं को बढ़चढ कर किसी ना किसी खेल में अवश्य भाग लेना चाहिए, क्योंकि खेलों से जहां हम स्वस्थ रहते है वहीं हम नशे जैसी बुराईओं से दूर रहते है। इस दौरान दीपक के पिता जयपाल शर्मा और माता कृष्णा ने अपने बच्चें की इस उपलब्धि पर खुशी जताई है।

अवैध रूप से शराब बेचने के आरोप में एक गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र, 3 सितंबर (सुदेश गोयल) : अवैध रूप से शराब बेचने के आरोप में एक को किया गिरफ्तार। थाना एन्टी नारकोटिक सैल के प्रभारी निरीक्षक जगबीर सिंह के मार्ग निर्देश में उप निरीक्षक पवन कुमार, सुरजीत सिंह, हवलदार नरेश कुमार, बलराज सिंह व सतीश कुमार की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर अजय शर्मा पुत्र सुरेश शर्मा वासी पटेल नगर अम्बाला जिला अम्बाला को अनाज मण्डी गेट शाहबाद के पास अपनी कार में अवैध रूप से शराब बेचते हुए काबू करके आरोपी के कब्जे से 24 बोतल (02 पेटी) शराब देसी बरामद की। आरोपी के विरुद्ध थाना शाहबाद में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज करके आरोपी को गिरफ्तार किया गया ।

एसडीएम विनेश कुमार ने शिव मंदिर का रखा नींव पत्थर

मंदिर परिसर में धर्मशाला, लाइब्रेरी तथा भंडारे की भी की जाएगी व्यवस्था

लाडवा, 3 सितंबर (संगीता सिह) : लाडवा उपमंडल के गांव निवारसी में 17 एकड़ जमीन के 5 कनाल जमीन में शिव मंदिर का निर्माण किया जाएगा। जिसका नींव पत्थर लाडवा एसडीएम विनेश कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में महेश मुनि जी महाराज पंचायती अखाड़ा थानेसर व अनूप गिरी जी महाराज श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर थानेसर की गरिमामयी उपस्थिति में किया। मंदिर व धर्मशाला के निर्माण पर लगभग 50 लाख रुपए की लागत आने का अनुमान है। मुख्य अतिथि एसडीएम विनेश कुमार ने बताया कि निवारसी गांव की पंचायती 17 एकड़ भूमि के 5 कनाल हिस्से में भगवान शिव का मंदिर बनाया जाएगा। जिसमें साथ ही धर्मशाला का निर्माण किया जाएगा और इन दोनों पर लगभग 50 लाख रुपए की लागत आएगी। जिसका उन्होंने आज शिलान्यास किया है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की महिमा अपरंपार है। उन्होंने कहा कि यहां एक विशाल मंदिर बनाया जाएगा। जिससे आसपास के लोगों की भी धार्मिक भावनाएं बढ़ेगी और वह लोग समाज में भाईचारे व प्रेम भाव का संदेश दें सकेंगे। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि मंदिर कमेटी द्वारा यहां पर एक धर्मशाला व लाइब्रेरी का भी निर्माण किया जाएगा। जिसका सभी धर्मों के लोग सुख-

दुख व धार्मिक व सामाजिक कार्यों के लिए प्रयोग कर सकेंगे। वहीं जो छात्र आईलेट वगैरा के पेपर देने पहुंचेंगे, वह भी इस मंदिर में ठहर सकेंगे। उन्होंने बताया कि यहां निरंतर भंडारे की व्यवस्था करने की योजना है। जो समय रहते शुरू कर दी जाएगी। मंदिर का नींव पत्थर रखने से पूर्व विद्वान पंडित द्वारा विधिवत पूजन करवाया गया। वहीं नायब तहसीलदार जयवीर रंगा ने बताया कि यह एक बहुत प्राचीन मंदिर है। उन्होंने बताया कि बहुत पहले सन 1842 में यहां पर मुस्लिमों का निवास था। जिसमें उन्होंने 17 एकड़ जमीन हिंदुओं को मंदिर व धर्मशाला बनाने के लिए दी थी। जिस पर बाद में कुछ गांव के ही लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया था। जिसे कुरुक्षेत्र के एडिशनल सेशन जज ने 27 अगस्त, 2011 को माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार इसे लाडवा के नायब तहसीलदार को इस मंदिर कमेटी का रिसीवर बना दिया था और उसे लेन- देन के अधिकार भी दिए गए थे। इस मौके पर डीएसपी जय सिंह, तहसीलदार लाडवा अजीत सिंह, तत्कालीन तहसीलदार सुरेश कुमार, नायब तहसीलदार जयवीर रंगा, महेश मुनि जी महाराज, अनूप गिरी जी महाराज, सुरेंद्र बारना मेंबर शिकायत समिति कुरुक्षेत्र, प्रमोद पटवारी, अमरनाथ कानूनगो, प्रदीप कुमार नंबरदार, सुखविंदर सिंह नंबरदार, महेश शर्मा, पुजारी रामसेवक मंदिर ठाकुर द्वारा सहित अनेक व्यक्ति उपस्थित रहे।

अमूपुर स्कूल में नहीं है शिक्षक-दाव पर छात्रों का भविष्य

हरियाणा के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों का टोटा, कई स्कूल हुए बंद

निसिंग, 3 सितंबर (जोगिंद्र सिंह) : अमूपुर के गवर्नमेंट हाई स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों का भविष्य खतरे में है। क्योंकि स्कूल में बच्चों की संख्या लगभग दो सौ से ज्यादा है। और अध्यापकों की संख्या कुल दो है। और जब कि सरकार ने हरियाणा में कई स्कूल बंद कर दिए हैं। शिक्षा एक ऐसी निवं है जिस पर आने वाली पीढ़ी के भविष्य का निर्माण करते हैं। सरकारी स्कूल बंद होना एक चिंता का विषय है। क्योंकि सरकारी स्कूल नहीं होंगे तो गरीब बच्चों के भविष्य का क्या होगा। इन स्कूलों को बंद करने का मुख्य कारण सरकार द्वारा कम बच्चे होने का बताया जा रहा है। लेकिन जिन स्कूलों में बच्चे ज्यादा हैं उन स्कूलों में अध्यापक कम हैं। जबकि कई हजार पद अध्यापकों के खाली पड़े हुए हैं मिडिल स्कूलों को चलाने के लिए गणित, विज्ञान, अंग्रेजी, हिंदी और सारिक शिक्षा विषयों के शिक्षकों की आवश्यकता होती है। लेकिन सरकार ने कई वर्षों से अध्यापकों की भर्ती नहीं की जिससे स्कूलों में अध्यापकों के पद रिक्त होते चले गए। पद रिक्त होने के कारण एक अध्यापक सभी विषयों को पढ़ा रहा है। आज निजी स्कूलों का बढ़ता कारोबार और बंद होते सरकारी स्कूल देश में एक समान शिक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय है। हरियाणा राज्य में देश की दो

बड़ी राजनीतिक पार्टियां भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस पार्टी है जो अपनी सरकार बना चुकी हैं और मौजूदा भी भाजपा गठबंधन की सरकार है।

राज्य में सरकारी स्कूल आज भी बुनियादी सुविधाओं से कोसों दूर है। चुनाव के समय अच्छी शिक्षा के लिए जनता को वादे तो किए जाते हैं। लेकिन राज्य के विद्यालयों की स्थिति के आंकड़े दिखाते हैं कि सरकारी स्कूलों पर कुछ खास ध्यान नहीं दिया जा रहा है। अगर बात की जाए तो अमूपुर के गवर्नमेंट हाई स्कूल में पांच लेक्चरर थे जो कि सरकार द्वारा सर प्लस किए गए है। अब उनका ट्रांसफर दूसरे स्कूलों में हो गया है। जो की नौवीं और दसवीं कक्षा के बच्चों को पढ़ाते थे लेकिन अब बच्चों को पढ़ाने वाला कोई भी टीचर नहीं है। अमूपुर के हाईस्कूल में अब मात्र दो ही टीचर हैं जोकि दो-तीन कक्षाओं को एक साथ बिठाकर पढ़ाया जाता है। स्कूल में दो टीचर हैं। जो कि गणित और सोशल साइंस के हैं। जो कि पूरे स्कूल के बच्चों को पढ़ा रहे हैं। अध्यापिका जो कि एक अध्यापिका पंजाबी के बच्चों को पढ़ा रही है लेकिन उनका भी ट्रांसफर हो गया है। जिस स्कूल में पंजाबी के बच्चे हैं और पंजाबी पढ़ना चाहते हैं उन स्कूलों में पंजाबी के अध्यापक नहीं हैं। और जिन स्कूलों में पंजाबी के अध्यापक हैं वहां पर बच्चे ही नहीं हैं।

11वीं की छात्रा ने लगाया अपने हिंदी के शिक्षक पर छेड़छाड़ का आरोप, मामला दर्ज

पानीपत, सितम्बर (बृजमोहन दीवान) : सेक्टर 11 स्थित एक एसडीवीएम हुडा स्कूल में एक

सनसनीखेज मामला सामने आया है स्कूल की 11वीं कक्षा की छात्रा ने अपने हिंदी के अध्यापक सतबीर पर छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है।

छात्रा ने पहले अपने माता-पिता को आपबीती बताई और फिर परिजनों ने स्कूल की प्रिंसिपल को लिखित शिकायत देकर अध्यापक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। स्कूल प्रिंसिपल ने अभिभावकों की शिकायत चांदनी बाग थाना में प्रेषित कर दी और निष्पक्ष जांच करने की मांग की, वहीं प्रिंसिपल ने कहा कि जब तक जांच चलेगी तब तक के लिए अध्यापक को सस्पेंड कर दिया गया है।

माता-पिता ने बताया कि उनकी बेटी एसडीवीएम स्कूल में 11वीं कक्षा की छात्रा है। छात्रा ने शुक्रवार को बताया कि हिंदी विषय के अध्यापक ने उसके साथ छेड़छाड़ की, उसने विरोध किया तो अध्यापक ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया। इतना ही नहीं किसी को बताने पर उसे अंजाम भुगतने की भी धमकी दी। जिसके बाद वह एसडीवीएम स्कूल की प्रिंसिपल के पास पहुंचे और लिखित में शिकायत देकर कार्रवाई करने की मांग की। एसडीवीएम हुडा की डॉ. अनु गुप्ता ने कहा कि छात्रा के परिजन उनके पास शिकायत लेकर आए थे, मामले की सुनवाई के बाद उन्होंने चांदनीबाग थाना पुलिस को छात्रा से छेड़छाड़, दुर्व्यवहार करने संबंधी शिकायत देकर निष्पक्ष जांच करने की मांग की। जब तक जांच चलेगी तब तक के लिए अध्यापक को सस्पेंड कर दिया गया है। चाँदनीबाग थाना प्रभारी महिपाल सिंह ने बताया कि इस संदर्भ में मिली शिकायत पर आरोपी शिक्षक के खिलाफ छेड़छाड़ की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है, मामले की जांच की जा रही है, जांच में जो भी तथ्य निकलकर सामने आएंगे, उसी के आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

खंड स्तरीय खेलों में गीता निकेतन विद्यापीठ का रहा दबदबा

निसिंग, 3 सितम्बर (जोगिंद्र सिंह) : बीते 2 दिनों से गांव मंजूरा में खंड स्तर की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में गीता निकेतन विद्यापीठ निसिंग के अंडर 14, अंडर 17 और अंडर 19 के बच्चों ने कबड्डी बैडमिंटन कुश्ती वॉलीबॉल और एथलीट में भाग लिया। गीता निकेतन विद्यापीठ के बच्चों ने खंड स्तर पर विजय प्राप्त कर अपना स्थान जिला स्तर के खेलों में बना लिया है। जिला स्तर पर खेलों में जगह बनाने वाले विद्यार्थियों इस प्रकार हैं, दौड़ अंडर- 14 100 मीटर जोनी कक्षा 7वीं, अंडर- 14 200 मीटर सहजपाल कक्षा 9वीं, अंडर-17 1600 मीटर विक्रांत कक्षा 11वीं अंडर -19 1600 मीटर मनजीत सिंह कक्षा दसवीं, कुश्ती में शुभम कटारिया 51 किलोग्राम कक्षा दसवीं हरीश 60 किलोग्राम कक्षा दसवीं लॉन्ग जंप और बैडमिंटन डबल में पारस कक्षा सातवीं, बैडमिंटन सिंगल में सनप्रीत कक्षा आठवीं, कबड्डी अंडर 17 अभिमन्यु व हैप्पी गिल कक्षा ग्यारहवीं, कबड्डी अंडर-19 विकास व नवीन कक्षा बारहवीं वॉलीबॉल अंडर-19 आर्यन व अजय कक्षा बारहवीं। यह जानकारी विद्यालय के शारीरिक शिक्षा प्रमुख नरेश कुमार व सह शिक्षक प्रवीन कुमार ने दी। उन्होंने कहा कि यह बच्चों की मेहनत का फल है, सभी बच्चे बहुत ही मेहनत और लग्न से खेले, इसलिए परिणाम भी बहुत अच्छा रहा। विद्यालय प्रबंधक प्रेमपाल सिंह चौहान ने सभी बच्चों और अध्यापकों को बधाई दी और खेलों के महत्व के बारे में बताया, उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेलों का अत्यंत महत्व है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार खंड स्तर पर हमारे बच्चों ने विजय प्रचम लहराया है हम आशा करते हैं की जिला स्तर में भी हमारे बच्चे निसिंग खंड और गीता निकेतन विद्यापीठ का नाम रोशन करें और देश की प्रगति में आगे बढ़े। पहले समय में अभिभावक बच्चों के खेल को अधिक महत्त्व नहीं देते थे। लेकिन आज का समय बदल गया है और शिक्षा के साथ साथ खेलों का महत्व भी बढ़ा है।

अपने बैंक खाते से संबंधित निजी जानकारी न करें सांझा

जागरुकता से ही बचा जा सकता है साईबर अपराधों का शिकार होने से : सुरेन्द्र सिंह भौरिया

कुरुक्षेत्र, 3 सितंबर (सुदेश गोयल) : साईबर अपराधी अपराध करने के नए-नए तरीके अपना रहे हैं। आमजन जागरुकता से ही साईबर अपराधियों के चंगुल में आने से बच सकते हैं। इन्टरनेट की दुनिया में हर व्यक्ति कम्पयूटर व मोबाईल से जुडा है कोरोना काल के दौरान आमजन को ऑनलाईन लेन-देन की जरुरत महसुस हुई और इसका प्रचलन बढता गया ऑनलाईन लेन-देन सुविधाजनक तो है परन्तु अगर लेन-देन करते समय सावधानी न बरती तो आपको भारी नुकसान उठाना पड सकता है । ऑनलाईन लेन-देन के इस दौर में साईबर अपराधियों ने भी लोगों की कमाई पर नजर रखनी शुरु कर दी और आमजन को ठगने के नये-नये तरीके इजाद कर लिये । इस बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र सुरेन्द्र सिंह भौरिया ने बताया कि आमजन को साईबर अपराधों के प्रति जागरुक करने हेतू पुलिस द्वारा समय-समय पर अभियान चलाये जाते है आमजन को जागरुक करने हेतू पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र श्री सुरेन्द्र सिंह भौरिया ने अपील करते हुए बताया कि एटीएम पिन हमेशा स्वयं अंकित करें एवं यह सुनिश्चित करें कि कोई इसे देख नहीं सके, अपने बैंक खाते से सम्बंधित जानकारी किसी को न दें, एटीएम पिन को हमेशा बदलते रहें एवं ऐसा पिन ना रखे जो आसानी से अनुमान लगाया जा सके ।

किसी भी तरह के ऑफर और लालच में नहीं आएं। किसी भी लिंक को ओपन न करें। फ्रॉड लिंक के जरिए पूरा मोबाइल हैक किया जा सकता है, जिससे पूरा डाटा आसानी से चोरी हो सकता है। किसी भी अनजान व्यक्ति से फोन पर बात कर उसके बहकावे में न आएं और अच्छी तरह जांच पड़ताल करने के बाद ही किसी भी बैंक खाते में राशि डालें।

सोशल मीडिया पर अगर किसी परिचित का मैसेज आता है और वह आपसे रुपयों की मांग करता है, तो पहले उसे अच्छी तरह से जांच लें या मैसेज करने वाले से फोन पर संपर्क करें। उसके बाद ही किसी भी खाते में राशि ट्रांसफर करें। बैंक कर्मचारी कभी भी फोन करके बैंक डिटेल्स नहीं मांगते हैं। अगर आपके पास किसी तरह की कॉल आती है और सामने वाला व्यक्ति अपने आप को बैंक कर्मचारी बताकर आपसे आपकी निजी जानकारी, ओटीपी या केवाईसी करने के बारे में बोलकर आपसे कोई जानकारी मांगता है तो उस व्यक्ति को कोई भी जानकारी देने से बचें। जागरुकता में ही बचाव है।

ग्रामीण आंचल में विकास की दृष्टि से करवाया जा रहा है शहरों की तर्ज पर कार्य

हरियाणा ग्रामीण विकास योजना के तहत विकास कार्यों हेतु 2 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि की गई स्वीकृत : ईश्वर सिंह

गुहला-चीका, 3 सितम्बर (संदीप भुक्कल) : विधायक ईश्वर सिंह ने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य फोक्स गांव में शहर जैसे सुविधाएं उपलब्ध करवाना है, इसलिए गांवों में लगातार विकास कार्य करवाएं जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी गांव में विकास कार्यों के लिए धन राशि की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने बताया कि आमजन के सामूहिक कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करवाया जा रहा है ताकि सभी वर्गों को इसका लाभ मिले। हरियाणा ग्रामीण विकास योजना के तहत विकास कार्यों के लिए 2 करोड़ 7 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। निर्माण कार्यों के टेंडर होते ही यह कार्य शुरू कर दिए जाएंगे। विधायक ने बताया कि इसी उद्देश्य को जहन में रखकर हलका के गांवों में हरियाणा ग्रामीण विकास योजना के तहत गांव अगोंध में 25 लाख रुपए की लागत से अम्बेडकर भवन का निर्माण कार्य किया जाएगा। इसी प्रकार खुशहाल माजरा में 5 लाख 35 हजार रुपये की लागत से तीन गलियों का निर्माण, बलबेहड़ा में 2 लाख 60 हजार रुपए की राशि से गली का निर्माण,गांव दाबा में 5 लाख रुपए की लागत से गली, गांव सुल्तानिया में 9 लाख 95 हजार रूपये की राशि से से गली, कांगथली में बाजीगर चौपाल के कार्य पर 20 लाख रुपए की राशि खर्च की जाएगी। इसके अतिरिक्त गांव खेड़ी गुलाम अली में 11 लाख 38 हजार रुपए से एससी चौपाल, श्मशान घाट व गली, गांव मांझला में 16 लाख 23 हजार रुपए से पेबर ब्लाक की दो गली, पाबसर में 5 लाख 23 हजार रुपए से श्मशान घाट की चारदीवारी, गांव गोहरा में 8 लाख 79 हजार रुपए से गली व श्मशान की चारदीवारी बनाई जाएगी। गांव हरिगढ़ किंगन में 12 लाख 19 हजार रुपए की राशि से तीन रास्तों को पक्का किया जाएगा।

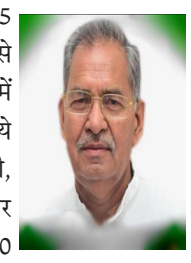

उन्होंने बताया कि गांव थेहमुकेरियां में 3 लाख 75 हजार रुपए से एससी चौपाल के दो कमरे, थेह बनेड़ा में 9 लाख 95 हजार रुपए से एससी चौपाल का कार्य किया जाएगा। इसी प्रकार गांव खरकड़ा में 4 लाख रुपए की लागत से चौपाल, गांव बदसूई में 13 लाख 19 हजार रुपए से हरिजन चौपाल का कार्य, सीवन में 9 लाख 90 हजार रुपए की राशि से हरिजन चौपाल की चारदीवारी, गांव नागल में 8 लाख रुपये की राशि से अम्बेडकर भवन का कार्य, गांव पिसोल में 9 लाख 90 हजार रुपए से एससी चौपाल का कार्य, गांव रामथली में एससी चौपाल के कार्य हेतु 9 लाख 80 हजार रुपये की राशि तथा आंधली में एससी चौपाल के कार्य के लिए 7 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

हुड्डा पार्ट-2 में चल रहे सड़क निर्माण कार्य पर लगा स्टे

शाहाबाद मारकंडा, 3 सितम्बर (रूबी प्रजापति) : पिछले कुछ दिनों से नगर में हुड्डा पार्ट-2 में निर्माणाधीन सड़क पर राजनीति गरमाई हुई है। शनिवार को राकेश कुमार गर्ग द्वारा माननीय अदालत में दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए सड़क निर्माण कार्य पर रोक लगा दी है। शिकायतकर्ता राकेश कुमार गर्ग ने बताया कि सबसे पहले तो इस सड़क का निर्माण किस विभाग द्वारा करवाया जा रहा है और सड़क निर्माण के लिए इस्तेमाल किया जा रहे मैटिरियल की गुणवत्ता की जांच कौन कर रहा है, इस सड़क निर्माण में नगरपालिका की क्या भूमिका है और बिना किसी सुझाव व मापदंड़ों के इस सड़क के निर्माण कार्य को लेकर उन्होंने माननीय अदालत में याचिका दायर की थी। जिसपर सुनवाई करते हुए माननीय अदालत ने तुरंत प्रभाव से इस सड़क निर्माण कार्य पर रोक लगा दी है। पूर्व पार्षद पति राकेश कुमार गर्ग ने कहा कि इस सड़क निर्माण कार्य में अनेक

त्रुटियां है। सबसे पहले तो पुरानी सड़क को तोड़कर नई सड़क बनानी चाहिए और दूसरा इस सड़क का लैवल साथ लगती अनेक गलियों व सड़कों के बराबर होना चाहिए। ताकि बरसात के समय लोगों को परेशानी न हो। राकेश कुमार गर्ग के वकील सुखबीर सिंह ने बताया कि सड़क निर्माण कार्य की नगरपालिका, लोक निर्माण विभाग, हुड्डा विभाग और उपायुक्त कुरूक्षेत्र से जानकारी मांगी गई थी। लेकिन किसी भी विभाग द्वारा इस सड़क निर्माण कार्य को करवाए जाने का कोई संतुष्ट जवाब नहीं दिया गया। जिसपर माननीय अदालत द्वारा निर्माण कार्य पर अगले आदेशों पर स्टे लगा दिया गया है।

वहीं पूर्व पार्षद ललित भार्गव ने कहा कि इस सड़क निर्माण में इस्तेमाल किया जा रहा मैटीरियल की शिकायत, सड़क के लैवल की शिकायत इस सड़क पर रहने वाले और आस-पास की कॉलोनियों में रहने वाले लोग किसको करेगें यह भी एक सोचनीय विषय है। क्योकि अमूमन सड़क निर्माण कार्य या तो हुड्डा विभाग या नगरपालिका या लोक निर्माण विभाग द्वारा करवाया जाता है और विभाग के अधिकारी बकायदा सड़क निर्माण की जांच करते है। लेकिन जिस सड़क निर्माण की जिम्मेवारी कोई विभाग नहीं ले रहा है उसकी गुणवत्ता क्या होगी इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

अभिषेक कौशिकः संगीत जगत में अपनी धुनों से दमदार उपस्थिति दर्ज कराने में सफल रहे

अभिषेक कौशिक, जिन्हें पेशेवर रूप से ट्रैक्लबैक के नाम से भी जाना जाता है जोकि इस दौर के उभरते हुए संगीत निर्माता है। उन्होंने अपने संगीत की कालातीत धुनों से संगीत जगत में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई है। मात्र 9 साल की उम्र में उनके माता-पिता ने उन्हें एक मिनी म्यूजिकल कीबोर्ड उपहार में दिया, जिसके बाद उन्होने अपने इस खिलौने को ही अपने भविष्य का साथी चुन लिया। यहीं से संगीत के प्रति उनका झुकाव पैदा हुआ। तब से अब तक बहुत कुछ बदल गया। उन्होंने वर्ष 2016 तक संगीत निर्माण में अपनी शिक्षा पूरी की। उन्होंने देश के सर्वश्रेष्ठ संगीत विद्यालयों में शामिल दिल्ली के स्कूल ऑफ म्यूजिक से पश्चिमी शास्त्रीय संगीत में खुद को नामांकित किया। यहां से उन्होंने पश्चिमी शास्त्रीय संगीत की शिक्षा ली।

जब उनसे संगीत के इस पेशे को चुनने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि बचपन से ही संगीत के प्रति उनका झुकाव था बहुत कम उम्र से ही मैं संगीत के पीछे की तकनीकों को जानने के लिए उत्सुक रहता था। अभिषेक चाहते हैं कि उनके श्रोता अपनी उन पुरानी और अच्छी यादों को याद रखने में सक्षम रहे, जिन पलों मे कभी उन्हें अलग अलग प्रकार से भावुक किया था उनका संगीत इन्ही तरह की धुनों और रागों से प्रभावित है। इस संगीत में समय के साथ-साथ निखार आता जा रहा है। संगीत निर्माण के क्षेत्र में अपनी यात्रा के बारे बताते हुए अभिषेक कौशिक ने कहा कि जब मैनें पहली बार बीट्स बनाना शुरू किया तो उनमें से ज्यादातर मेरी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। सच कहूं तो वह दौर मेरे लिए बहुत ही निराशाजनक था, मैं जो करना चाह रहा था. वो हो नहीं रहा था और मेरे पास कोई प्रेरणा का स्रोत नहीं थी। फिर मुझे ब्रेक मिला और एक गायक के साथ काम करने का मौका मिला। हमने अपने संगीत को यूट्यूब पर पोस्ट करने का फैसला किया, और फिर हमें एक शुरुआत मिली। मुझे लगता है कि ये मेरे लिए एक शानदार मौका था, क्योंकि इस एक्सपोजर ने मुझे मेरी कमियों को दूर करने में सक्षम बनाया। अपने यूट्यूब अभियान के बाद उन्हें संगीत के क्षेत्र में एक बड़ा मौका मिला। उन्हें असीस कौर के गीत गल करके में बड़ा मौका मिला। इस गाने के लिए उन्होनें मिक्सिंग और मास्टरिंग इंजीनियर की भूमिका निभाई थी। यह एक सुपरहित गाना साबित हुआ, जिसे यूट्यूब पर 350 मिलियन से अधिक बार देखा गया। तब से लेकर अब तक उन्होने इंदर चहल और करण रंधावा जैस कई बड़े कलाकारों के साथ काम किया।

करण रंधावा के सुपरहीत गीत हस्दी में भी ट्रैक्लबैंक ने मिक्सिंग की भूमिका अदा की है। इस गाने को यूट्यूब पर 24 मिलियन से अधिक बार देखा गया। इन गानों को मिली अविश्नीय सफलता के बारे में उन्होने कहा कि जब मुझे पता चला कि ये गाने इतने हिट हुए हैं, तभी मैने मोबाईल से स्क्रीनशॉट लेकर अपने माता-पिता को भेज दिया। यह उनके लिए गर्वान्वित होने का क्षण था। मैं उनका आभारी हूं कि उन्होने मुझ पर विश्वास किया और कभी भी मेरे जुनून पर सवाल नहीं उठाया। मैं हमेशा अपने माता-पिता को गौरवान्वित होने के लिए मौका देने का प्रयास करता हूँ। यह उन्हीं का ही आर्शिवाद है कि विपरित परिस्थितियों में भी मैनें हार नहीं मानी और अपने काम को जारी रखा। अपने गानों की अपार सफलता के बाद उन्होंने अपने कौशल में लगातार कई सुधार किए और हर बार पहले से बेहतर संगीत का निर्माण किया।

मिक्सिंग और मास्टरिंग इंजीनियर के रूप में कामयाबी हासिल करने के बाद, उन्होंने इक्का के हालिया रीलिज हुए हिप-हॉप एल्बम निशु के एक गाने लिरिकल रैपर डेड में बतौर संगीत निर्माता अपनी भूमिका निभाई। यह उनके कैरियर में मील का पत्थर साबित होगा। इस गीत की फंकी बेसलाईन और ओल्स स्कूल हिप हॉप स्टाईल के चलते यह युवाओं के बीच बहुत जल्दी लोकप्रिय हो गया। यह गाना उनके अन्य गानों की तुलना में बहुत अलग है। इसके बारे में पूछे जाने पर उन्होनें कहा कि मैं हमेशा से ही कुछ अलग करना चाहता था। यह गाना प्रकृति और विकास के बारे में है और मैं इन दोनों का ही प्रशंसक हूं। मैं इस तरह के अन्य गीतों के लिए भी संगीत तैयार करना चाहूंगा ताकि मैं कुछ अलग हट कर करूं। वह बचपन से ही मशहूर संगीतकार ए आर रहमान, मिथुन और द वीकएंड की धुनों से प्रभावित रहते हुए ट्रैवलबैक ने लंबा सफर तय किया। दिल्ली में उनका अपना संगीत स्टूडियो है, जो बेहतरीन तकनीकी उपकरणों से लैस है। वह अपना अधिकतर समय इसी स्टूडियो में व्यतीत करते हैं। संगीत निर्माण के अलावा वह नए लोगो को संगीत की तकनीकों के बारे में जानकारी देते रहते हैं। उन्होनें बताया कि मैं संगीत को लेकर भावुक हूं और अभी भी सीखते हुए आगे बढ़ रहा हूँ। संगीत के बारे में जो भी अब तक मैंने सीखा है, फिर वो चाहे धुनों या रागो की जानकारी हो या फिर आज के आधुनिक दौर में विकसित तकनीकों की हो, उसे मैं युवा पीढ़ी के साथ बांटना चाहता हूं।

सीएम द्वारा बद्दी में एस.डी.एम कार्यालय खोलने की घोषणा

बद्दी 3 सितंबर (दीपक शर्मा)मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने दून विधानसभा क्षेत्र के एकदिवसीय दौरे के दौरान दून वासियों की चिरलंबित मांग पूरी कर दी है। सीएम ने बददी में एसडीएम कार्यालय खोलने की घोषणा कर दी है।

सीएम के इस ऐलान के साथ ही जहां कार्यक्रम स्थल तालियों की गडग़ड़ाहट से गूंज उठा। वहीं दून विधायक परमजीत पम्मी ने इस सौगात के लिए सीएम जयराम ठाकुर का आभार जताया। इससे पहले सीएम का दून विस क्षेत्र में पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया और फूल-मालाओं से लाद दिया।सीएम जयराम ठाकुर ने दून विस क्षेत्र के दौरे के दौरान करीब 26 करोड़ क ी लागत के विकास कार्यों के उद्घाटन व शिलान्यास किए, सीएम जयराम ठाकुर ने गांव खरोटा गुरदासपुरा एवं इसके साथ लगते गांवों के लिए जल जीवन मिशन के अंतर्गत 3.76 करोड़ रुपए तथा कैलारांवाली बस्तियों एवं गांवों के समूह के लिए 79 लाख की लागत से निर्मित उठाऊ जलापूर्ति योजनाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने नाबार्ड के अंतर्गत कुंजहाल मुस्लिम बस्ती दस्सोमाजरा के लिए 1.92 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित उठाऊ जलापूर्ति योजनाओं, बद्दी में 75 लाख रुपए की लागत के तहसील कल्याण कार्यालय भवन, बद्दी में 4.20 करोड़ रुपए की लागत के मॉडल करियर सेंटर भवन, साई तथा घरेड़ में 50-50 लाख रुपए की लागत के आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र भवनों, बनबीरपुर खड्ड पर 1.91 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित पुल, रत्ता खड्ड के ऊपर गांव अक्कांवली के लिए 1.36 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित स पर्क सडक़ तथा बद्दी में किशनपुरा तहसील में पुलिस आधुनिकीकरण योजना के तहत 1.06 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित पुलिस क्वार्टरों का भी शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत जल शक्ति विभाग ट्यूबवेल उपमंडल बद्दी में 3.45 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न उठाऊ जलापूर्ति योजनाओं के स्त्रोत के सुदृढ़ीकरण कार्य की आधारशिला रखी। उन्होंने ग्राम पंचायत किशनपुरा में सिरसा खड्ड के ऊपर 3.79 करोड़ रुपए की लागत से मलकुमाजरा चुनाड़ी पुल तथा ग्राम पंचायत सुनेड़ में 1.54 करोड़ रुपए की लागत से बेरीवाला-बघानिया पुल की आधारशिला रखी। 8.60 करोड़ रुपए की इन विकासात्मक परियोजनाओं का निर्माण बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ विकास प्राधिकरण द्वारा लोक निर्माण विभाग के माध्यम से किया जाएगा।

सीवर लाइन टूटने पर स्थानीय लोगों ने किया हंगामा

जीरकपुर 3 सितंबर (दीपक शर्मा)शहर में अवैध इमारतों का निर्माण होना कोई नई बात नहीं है। ताजा मामला बलटाना के वार्ड नंबर-31 में उस समय सामने आया जब सड़क किनारे कोने की दुकान बनाने कि लिए नींव खोदी गई तो नीचे से जा रही सीवर लाइन टूट गई और पानी सड़क पर बहने लगा। यह देखकर स्थानीय लोग जमा होने लगे और पता चला कि जहां पर दुकान बनाई जा रही है वहां नीचे से सीवर लाइन गुजरती है जो नगर काउंसिल बनने से पहले पंचायत की ओर से डाली गई थी। स्थानीय निवासी जत्थेदार हरबंस सिंह, नंबरदार जसवंत सिंह और अमरजीत सिंह ने बताया कि 1993 में मरहूम सरपंच रविंदर सोही की ओरा से यह सीवर पाइप लाइन डाली गई थी। जो आज भी सही ढंग से चल रही थी लेकिन दुकान बनाने के लिए खुदाई की गई तो यह सीवर लाइन तोड़ दी गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ प्रॉपर्टी डीलर काउंसिल से मिलीभगत करके यहां दुकान बना रहे हैं। जो कि इस जमीन के नीचे से सीवर पाइप लाइन को साइड करना चाहते हैं। इस काम में पार्षद भी प्रॉपर्टी डीलरों का साथ दे रहे हैं। इसकी लिखत शिकायत नगर काउंसिल को दे दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

चंडीगढ़ की को-आपरेटिव सोसाइटी में लूट का मास्टमाइंट निकला सिक्योरिटी गार्ड, दो साथियों सहित गिरफ्तार

चंडीगढ़ 3 सितम्बर (निस) चंडीगढ़ के सेक्टर-23ए स्थित को-आपरेटिव सोसाइटी में 30 अगस्त की रात को लूट की वारदता हुई थी। चंडीगढ़ पुलिस ने 4 दिन में ही वारदात करने वाले लुटेरों को पकड़ लिया है। पुलिस ने इस वारदात में शामिल तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। को-आपरेटिव सोसाइटी में लूट की वारदात की साजिश सोसाइटी के सिक्योरिटी गार्ड ने ही रची थी। पुलिस ने सिक्योरिटी गार्ड संतोष और उसके दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपितों की पहचान 20 वर्षीय सिक्योरिटी गार्ड संतोष, रंजीत और सोनू वर्मा के तौर पर हुई है। पुलिस ने सोनू को हरियाणा के रोहतक से पकड़ा है, वह वहां माली का काम करता है। वहीं रंजीत को मोहाली के नाडा से गिरफ्तार किया गया है। वह वहां आरा मशीन पर काम करता है। ऐसे रची थी लूट की कहानी×सेक्टर-23 की कोआपरेटिव सोसायटी में लूट का मास्टरमाइंड यहां का सिक्योरिटी गार्ड संतोष है। उसने ही पुलिस को लूट की शिकायत दी थी। संतोष ने पुलिस को बताया था कि 30 अगस्त की रात वह ड्यूटी पर तैनात था। तभी दो युवक उसके पास आए और उन्होंने उसके मुंह पर कपड़ा बांधकर चाकू की नोक पर बंधक बनाया और फिर 19 हजार नकदी और दो मोबाइल लूट कर फरार हो गए।

दोस्त ही निकले कातिल, महिला को बुला ऐसे दिया खौफनाक घटना को अंजाम

फतेहगढ़ साहिब 3 सितम्बर (निस) खमानों पुलिस ने एक अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझा ली है। इस कत्ल में शामिल 2 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि 28 अगस्त को पटियाला के सिविल लाइन भाखड़ा में गुरदीप कौर पत्नी नवचेतन वेग पन्नू की लाश मिली थी। इसकी फोटो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। पुलिस ने डॉक्टरों की रिपोर्ट और मृतका की बेटी के बयानों के आधार पर केस दर्ज कर लिया था।उन्होंने बताया कि जांच दौरान पाया गया कि वरिंदर सिंह पुत्र होशियार सिंह निवासी गांव गंडुआ थाना बस्सी पठाना हाल आबाद गांव बदेशां खुर्द ने अपने रिश्तेदार गुरविंदर सिंह के साथ मिलकर मृतका को मौत के घाट उतारा था। उसने मृतका को पहले दोस्ती के जाल में फंसाया और फिर उसे सोने और गाड़ी का लालच देकर उसका कत्ल कर दिया। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल हुई कार, बेसबॉल, सोने की चेन आदि बरामद कर लिए हैं। आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है।

गरीब उपभोक्ताओं को नहीं मिली गेहूं, लगाया धरना

बरनाला 3 सितम्बर (निस)गरीब उपभोक्ताओं को सरकार द्वारा कम दर पर मुहैया करवाई जाने वाली गेहूं नहीं मिलने के कारण सताए हुए लोगों ने तपती धूप में बठिंडा-चंडीगढ़ रोड पर धरना लगाकर पंजाब की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के खिलाफ जमकर रोष प्रदर्शन किया गया। एकत्रित हुई महिलाओं तथा अन्य लोगों ने महेन्द्र सिंह, काका सिंह, लखविन्द्र सिंह, महेन्द्र कौर, नसीब कौर, परमजीत कौर, रानी देवी, बूटा सिंह, राजबीर कौर, परमजीत कौर, गुरमेल कौर, जसविन्द्र कौर, हनी, गुरजंट सिंह आदि ने नारेबाजी करते हुए सरकार तथा फूड सप्लाई विभाग के खिलाफ आरोप लगाया कि उनको गेहूं नहीं दी जा रही। उन्होंने कहा कि इससे पहले केन्द्र सरकार द्वारा गरीब उपभोक्ताओं को भेजी गई प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत आए मुफ्त अनाज का 11 प्रतिशत कोटा सत्तारूढ़ पार्टी डकार गई जिस कारण कई गरीब परिवारों को यह गेहूं नहीं मिली। अब दूसरी बार कम दर पर मुहैया करवाने के लिए आए अनाज को नहीं दिया जा रहा है। इस कारण मजबूरन हमें सड़कों पर आकर रोष प्रदर्शन करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि डिपो होल्डरों के साथ मिलकर असर रसूख रखने वाले लोग पहले ही गेहूं ले चुके हैं जबकि गरीब तबके से संबंधित लोगों की कोई सुध नहीं ले रहा।

श्रीमती परमजीत कौर मुद्रक एवं प्रकाशक, भारत देश हमारा, ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्रा. लिमि. पटियाला के लिए मोर्चा प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब , सरहिंद रोड पटियाला से छपवाकर कार्यालय भारत देश हमारा गुरू हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल बिल्डिंग पुरानी प्रेस रोड पटियाला से प्रकाशित किया। संपादक-जतिन्द्रपाल सिंह

श्री गणेश म्होत्सव पर समर्पित रक्तदान शिविर आज गली चौधरिया में

फ़ाज़िल्का, 3 सितंबर (बख्शीश सिंह / जसप्रीत सिंह) : श्री राम कृपा सेवा संघ वेलफेयर सोसाइटी फ़ाज़िलका द्वारा रक्तदान शिविर रविवार यानी आज गली चौधरिया फ़ाज़िलका में श्री गणेश महाउत्सव पर समर्पित थैलेसीमिया ब'चो के लिए लगाया जा रहा है यह कैम्प श्री रिद्धि सिद्धि गणेश वेलफेयर सोसाइटी फ़ाज़िलकाऔर लायंस क्लब फ़ाज़िलका के सामूहिक सहयोग से लगाया जाएगा कैंप को लेकर संस्था द्वारा सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। इस मौके संस्था के ब्लड शिविर प्रभारी राजीव कुकरेजा ने बताया कि फ़ाज़िलका ब्लड बैंक में ए पॉजिटिव ओ पॉजिटिव का ब्लड ग्रुप का स्टाक बिल्कुल खत्म है जिसमे सबसे 'यादा थैलेसीमिया ब'चों को परेशानी सहन करनी पड़ रही है ऐसे में थेलेसिमिया ब'चों को कोई परेशानी न आये उन्होंने बताया कि कैंप सुबह नो बजे से एक बजे तक लगाया जाएगा।ब्लड बैंक फ़ाज़िलका की टीम द्वारा संग्रहित किया जाएगा उन्होंने बताया कि कैंप को लेकर टीम के सदस्यों की डयूटियां लगा दी गई हैं, जहां कोरोना महामारी को लेकर जारी हिदायतों का पूर्ण पालन किया जाएगा। इसके अलावा कैंप में रक्तदान करने वालों का उत्साह बढ़ाने के लिए उन्हें सम्मानित भी किया जाएगा। फ़ाज़िलका वासियो से अपील है कि ए पॉजिटिव और ओ पॉजिटिव ब्लड ग्रुप जिनका भी हो रक्तदान करने जरूर आये।

पोषण माह के अंतर्गत ब्लाक खुईखेड़ा में किया जा रहा लोगों को जागरूक

फ़ाज़िल्का, 3 सितंबर (बख्शीश सिंह / जसप्रीत सिंह) : सिविल सर्जन फाज़िलका डॉ. रजिंदरपाल बेंस के दिशा निर्देशों व सीनियर मेडिकल अफसर डॉक्टर रोहित गोयल की अगुआई में सीएचसी खुईखेड़ा के अंतर्गत आते विभिन्न गांवो में ममता दिवस व स्पेशल कैम्प लगा कर गर्भवती महिलाओ को पोषण माह के तहत सही खान पान के बारे में जागरूक किया गया। राष्ट्रीय पोषण माह (सितंबर 2022) के सन्दर्भ में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर हरीपुरा में आयोजित कार्यक्रम के दोरान एसएमओ डॉ. रोहित गोयल ने कहा कि पोष्टिक आहार हमारी शारीरिक और मानसिक वृद्धि के लिए बहुत जरूरी है। कोविड काल में भी हमने देखा है और विशेषज्ञों ने भी कहा है कि जिसने भी स्वस्थ्य, पोष्टिक खाना इस दौरान लिया वो बहुत जल्दी सेहतमंद हुए और उनमे संक्रमण की दर भी काफी कम रही। अगर हमारे खाने में कार्बोहाइड्रेट, खनिज, वसा, प्रोटीन, विटामिन और फाइबर प्राप्त मात्रा में है तो हमारा खाना पोष्टिक खाना है। पर आज कल फास्ट फूड ने हमारे खाने का सारा तरीका ही बदल दिया है।

ब्लॉक मास मीडिया इंचार्ज सुशील कुमार बेगांवाली ने कहा कि आज हम 'यादातर सिर्फ स्वाद को सामने रख कर खाना खाते हैं। पौष्टिकता का कहीं नामों निशान नहीं होता। इसी लिए आज प्लेट तो भरी दिखाई देती है पर उसमें पौष्टिकता कहीं नहीं होती। सब से बेहतर खाने पीने के लिए कुदरत ने हमे हमारे आस-पास ही दे दिया है। भाव लोकल जो खाना उपलब्ध है वही हमारे लिए स्वास्थ्यवर्धक है। उन्होंने बताया कि इस माह में ब्लाक की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में गर्भवती महिलाओं, ब'चों को दूध पिलाने वाली माताओं, किशोरों और ब'चों को पौष्टिकता के बारे में जागरुक किया जा रहा है।इस दौरान सभी गांवो में ममता दिवस पर गर्भवती औरतों को 9 महीनों के दौरान अपने सही खान पान जैसे हरी सब्जियां, सलाद , गुड़, फ्रूट आदि के बारे में बताया गया। सब सेंटर पर कार्यरत एएनएम स्टाफ द्वारा लगातार गर्भवती औरतों के साथ तालमेल रहता है।

आंखें ईश्वर की सबसे बड़ी नेमत हैं, इन्हें राख करके नहीं, ब्लकि किसी और की दुनिया को रौशन करके जाएं -अनिल धामू

फाज़िल्का 3 सितंबर (बख्शीश सिंह / जसप्रीत सिंह) : आज स्वास्थ्य विभाग जिला फाज़िल्का द्वारा भारत विकास परिषद अबोहर के सहयोग से गोपी चंद आर्या महिला कॉलेज में आँखों के दान संबंधी एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्य कर्म में मंच का संचालन श्री भारत गोयल सेक्रेटरी भारत विकास परिषद अबोहर द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री प्रदीप जी गर्ग ने बताया के आंखें दान करने को एक सामाजिक सरोकार बना कर ही हम आगे बढ़ सकते हैं। श्री संदीप जी वाटस ने विद्यार्थियों को भारत विकास परिषद के समाज सेवा के लिए किए जाने वाले प्रकल्प और कार्यों के बारे में जानकारी दी। जिला मास मीडिया अफ़सर अनिल धामू ने आंखें दान करने के बारे में विद्यार्थियों को जाग्रत करते हुए कहा कि बेटियों को जागृत करने का मतलब पूरे परिवार को जाग्रत करने जैसा है। पर आज की इस आधुनिक दुनिया में भी ऐसे नेत्रहीन लोग हैं जो देख सकते हैं, बशर्ते कोई नेत्रदान करे। बस यहीं पर हमारी सारी आधुनिकता, पढ़ाई लिखाई, तरक्की सब एक दिखावा भर रह जाता है। जब हम किसी वहम भ्रम का शिकार हो कर आंखें दान नहीं ब्लकि राख करके चले जाते हैं। आज भी लगभग मांग और आपूर्ति की प्रतिशत 1:70 है। हम आसानी से अंदाजा लगा सकते हैं कि इस बारे में हम कितने जाग्रत हैं। यही हमारे ऊपर एक स्वाल है।आंखें दान करने के बारे में एक भ्रम ये भी है कि पूरी आंख निकाल ली जाती है जब कि सिर्फ कॉरनिया ही उतार कर किसी दूसरे को लगाया जाता है। हमारी आँखों में जो गोल काला पारदर्शी हिस्सा होता है जिसके कारण ही हम इस दुनिया को देख सकते है उस झिल्ली को जो के प्याज के छिलके जैसी होती है उसे ही कारनिया कहा जाता है।

पुलिस के हाथ लगी कामयाबी, हेरोइन सहित महिला काबू

अपरा 3 सितम्बर (निस) लसाड़ा पुलिस ने गशत दौरान पिछले काफी समय से हेरोइन बेचने का धंधा करने वाली एक कथित महिला आरोपी को 7 ग्राम हेरोइन समेत गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। इस संबंध में जानकारी देते हुये ए.एस.आई परमजीत सिंह चौंकी इंचार्ज लसाड़ा ने बताया कि वह समेत महिला पुलिस पार्टी गांव गंना पिंड में गश्त कर रहे थे कि उनको खास मुखबर की सूचना मिली की इलाके में पिछले काफी समय से हेरोइन बेचने का धंधा करने वाली एक महिला अपने घर के बाहर ग्राहक के इंतजार में खड़ी है जिसने हाथ में नीले रंग का लिफाफा पकड़ा हुआ है। ए. एस.आई. परमजीत सिंह चौंकी इंचार्ज लसाड़ा ने आगे बताया कि जब उन्होनें महिला पुलिसकर्मियों के साथ छापेमारी की तो उक्त महिला से 7 ग्राम हेरोइन व एक तोलने वाला छोटा कंप्यूटराइज्ड कंडा बरामद हुआ है। काबू की गई कथित महिला आरोपी की शिनाखत बिंदर कौर उर्फ लाडी पत्नी कुलदीप कुमार निवासी गांव गंना पिंड के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार कथित महिला आरोपी पर पहले भी नशा बेचने के तीन मामले दर्ज हैं। पकड़ी गई आरोपी महिला के खिलाफ थाना फिल्लौर में एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर अदालत फिल्लौर पेश किया गया जहां से उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया था। आज फिर आरोपी महिला को अदालत फिल्लौर पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

तरनतारन में चर्च बेअदबी मामले को लेकर स्पेशल जांच टीम का गठन

चंडीगढ़/तरनतारन 3 सितम्बर (निस) तरनतारन के शहर पट्टी के गांव ठक्करपुरा स्थित गिरजाघर में तोड़फोड़ और बेअदबी की घटना की जांच के लिए पंजाब सरकार ने तीन सदस्यीय एस .आई.टी. (स्पशल जांच टीम) का गठन किया है। यह एस.आई.टी. आई.जी.पी. फिरोजपुर के नेतृत्व में जांच करेगी। इस एस.आई.टी. में तरनतारन के एस.एस.पी. और एस.पी को भी शामिल किया गया है। जो पूरी घटना की जांच करेंगे और पूरी रिपोर्ट पंजाब सरकार को सौंपेंगे। पुलिस ने इस बेअदबी संबंधी 295 ए के तहत एफ.आई.आर. दर्ज की है। पट्टी शहर के पास गांव ठक्करपुरा स्थित चर्च अंदर बुधवार की रात 4 अज्ञात लोगों ने चौकीदार को बंदी बना लिया और चर्च में मूर्तियों को तोड़ दिया। पुलिस अधिकारी सतनाम सिंह ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि बीती रात करीब 12:45 बजे अज्ञात व्यक्ति दीवार पर चढ़कर चर्च में दाखिल हुए और उन्होंने चर्च के चौकीदार जगतार सिंह को बंदूक की नोक पर बंदी बना लिया और प्रभु यीशु मसीह और मदर मैरी की मूर्तियों को तोड़ा गया और चर्च के प्रशासक की कार में आग लगा दी गई। उन्होंने बताया कि चर्च के चौकीदार के बयान के आधार पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। **हाईकोर्ट पहुंचा मामला**-चर्च पर हुए हमले संबंधी और यीशू मसीह और मदर मैरी की मूर्तियों को तोड़े जाने को लेकर पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर पंजाब के सभी चर्चों और ईसाई समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई है। उक्त याचिका नेशनल क्रिश्चियन लीग के अध्यक्ष जगदीश मसीह और चंडीगढ़ के सुखजिंदर गिल ने दायर की है, जिस पर जल्द सुनवाई होगी। याचिका में कहा गया है कि पंजाब में ईसाई समुदाय को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है और चर्च में हुई घटना के बाद अब समुदाय पंजाब में असुरक्षित महसूस कर रहा है। उक्त घटना पंजाब में कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। अगर पुलिस ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो पंजाब में सांप्रदायिक दंगे की स्थिति बन जाएगी। याचिका में पंजाब सरकार, मुख्य सचिव और डी.जी.पी. को पार्टी बना दिया गया है।

अमरेन्द्र सिंह ने पीएम को लिखा पत्र

(पृष्ठ एक का शेष)राज्यों की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। यदि ऐसा होता है, तो केंद्र-राज्य की कलह के अलावा अंतर्राज्यीय तनाव भी बढ़ सकता है, जो समाज का ध्रुवीकरण राष्ट्रीय अखंडता के लिए हानिकारक हो सकता है।' उन्होंने प्रधानमंत्री से अपील करते कहा कि यह दृढ़ता से महसूस किया जाता है कि राष्ट्रीय स्तर पर देश में विभिन्न समुदायों की अल्पसंख्यकों की स्थिति निर्धारित करने की मौजूदा प्रणाली जारी रहनी चाहिए। इस प्रणाली ने न केवल केंद्र सरकार के आवधिक हस्तक्षेप के साथ निरंतरता और समानता बनाए रखी है। साथ ही विभिन्न समुदायों के बीच शांति और सच्चाई बनाए रखने में अच्छा काम किया है। पंजाब इस संबंध में एक अनूठा उदाहरण है। इसमें परिवर्तन यदि कोई हो, बदमाशों को लाल झंडा उठाने का मौका देगा। उन्होंने विश्वास जताया है कि पी.एम. मोदी मामले की उचित जांच करेंगे।

असम के सीएम...

(पृष्ठ एक का शेष)शिक्षक 65 लाख से अधिक छात्रों को पढ़ा रहे हैं। इसमें कहा गया कि राज्य सरकार द्वारा कुल 1.18 लाख मध्याह्न भोजन कार्यकर्ता भी रखे गए हैं। वीडियो में कहा गया कि चाय बागान श्रमिकों के बच्चों के लिए इस शैक्षणिक सत्र में जहां 100 माध्यमिक विद्यालय खोले गए हैं, वहीं 100 अन्य स्कूल तथा 10 कॉलेज परियोजना की तैयारी के चरण में हैं। इसमें अंत में कहा गया कि हम चुपचाप गुणवत्ता प्रदान करना पसंद करते हैं! दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच काफी समय से ट्विटर पर जुबानी जंग चल रही है और दोनों ही एक-दूसरे को अपने राज्य का दौरा करने तथा किए गए विकास कार्यों को देखने के लिए कह रहे हैं। केजरीवाल को टैग करते हुए शर्मा ने शुक्रवार को स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में अपनी सरकार की उपलब्धियों को साझा किया था। यह विवाद तब शुरू हुआ जब दिल्ली के मुख्यमंत्री ने खराब परिणामों के कारण असम सरकार द्वारा स्कूलों का विलय किए जाने संबंधी एक खबर के जवाब में कहाकि स्कूलों को बंद करना समाधान नहीं है।

जेपी नड्डा

पार्टी नई रूपरेखा तय कर सकती है। भाजपा कार्यालय में चंडीगढ़ भाजपा प्रधान अरुण सूद, भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य संजय टंडन, भाजपा महासचिव रामबीर भट्टी समेत बड़े नेता मौजूद रहेंगे। बताते चलें कि भारतीय जनता पार्टी का शक्ति केंद्र सम्मेलनों का मुख्य मकसद बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत बनाना है। राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर पार्टी अपने कार्यकर्ताओं को मजबूत करना चाहती है। हालांकि चंडीगढ़ में भाजपा की स्थिति बेहतर है। क्योंकि नगर निगम में भाजपा का शासन है और शहर की सांसद भी भाजपा की ही है।

अमितशाह

संस्कृति को गर्व करने वाले शिवाजी महाराज के राजचिह्न से संस्कारित एक नया निशान भी मोदी जी ने देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मैं केरल भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं क्योंकि पूरे देशभर में काम करने के लिए राष्ट्रभक्ति चाहिए लेकिन केरल में काम करने के लिए राष्ट्रभक्ति, बलिदान की ताकत और बहादुरी तीनों चाहिए।अमित शाह ने कहा कि 2014 में जब देश की महान जनता ने मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा को सरकार बनाने का मौका दिया। उस वक्त मोदी जी पहली बार सांसद बने और प्रधानमंत्री भी बने।